@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 15 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 190 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से गुरुवार को ब्रिक्स देशों तथा अन्य भागीदार देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। उन्होंने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा, दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची, इथियोपिया के विदेश मंत्री गेदियन तिमोथियोस हेसेबोन और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो सहित अन्य प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 14-15 मई तक जारी ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ सुब्रह्मण्यम जयशंकर कर रहे हैं। इस वर्ष का विषय है- लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। इसका उद्देश्य भारत की बढ़ती कूटनीतिक सक्रियता तथा इस समूह का रणनीतिक, आर्थिक और बहुपक्षीय सहयोग को मज़बूत करने पर केंद्रित दृष्टिकोण दर्शाता है।

इस दौरान रूस, ईरान, इंडोनेशिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और अन्य ब्रिक्स भागीदार देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया।

अगर कोई नागरिकों पर हमला करेगा, तो हम उसे उसके घर में घुसकर जवाब देंगे: राजनाथ सिंह

रणनीतिक स्वायत्तता और भविष्य के लिए तैयार सैन्य बल के निर्माण हेतु आत्मनिर्भरता एवं संयुक्तता अनिवार्यः रक्षा मंत्री

- **राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य के युद्धक्षेत्र में सफलता उन्हीं को मिलेगी, जो विचार, प्रोटोटाइप और उसके क्रियान्वयन के बीच के समयांतराल को न्यूनतम करेंगे**

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर ने तो इतिहास ही बदल दिया। इसके साथ ही उन्होंने आतंकवाद के प्रति एक बार फिर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए बताया है कि आतंकवाद को लेकर भारत जीरो टॉलरेंस की नीति रखता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट एयर स्ट्राइक का उदाहरण दिया। रक्षा मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारतीय सेना आतंकवादियों को सीमा पार जाकर भी मार सकती है। गुरुवार को रक्षामंत्री ने कहा, 'हमने दुनिया को साफ संदेश दिया है, कि आतंकवाद के खिलाफ अब हमारी

नीति जीरो टॉलरेंस की है। हमने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखा दिया, कि भारत की सेना सीमा पार जाकर भी आतंकियों को मार सकती है। 2019 में हमारे बालाकोट एयरस्ट्राइक ने, आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैंप को तबाह किया। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर ने तो जैसे इतिहास ही बदल दिया। ऑपरेशन सिंदूर में हमने ऐसा करारा जवाब दिया कि दुश्मन के होश ही उड़ गए।' गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राजस्थान में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमारे जवान, देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं, ठीक उसी तरह से, हमारी सरकार भी, योजनाओं के मामले में, उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। रक्षा मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले दस वर्षों में, भारत ने अपनी सुरक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव किया है उन्होंने कहा, 'हमने साबित किया है कि अब भारत चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा। अब अगर कोई हमारे नागरिकों पर हमला करेगा, तो हम उसे उसके घर में घुसकर जवाब देंगे। कोई सीमा हमें रोक नहीं सकती, कोई सरहद बाधा नहीं बन सकती। ' उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर महिला सुरक्षा के सख्त कानूनों तक, सरकार हर स्तर पर नारी शक्ति को सशक्त कर रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'हमने तो महिलाओं को, उनका राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए, उनको 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने का भी पूरा प्रयास और प्रबंध किया था। लेकिन विपक्ष के हमारे साथियों के विरोध के कारण, ऐसा नहीं हो सका। ' इस विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वह यह बताना चाहते हैं कि वह बिल केवल एक बिल भर नहीं था, बल्कि वह हमारी सामूहिक इच्छा का एक परिचायक था। उन्होंने कहा कि बिल एक बार को भले ही सदन के मैदान में विफल हो जाए, हमारी इच्छा को कभी कोई विफल नहीं कर सकता है।

एनडीआरएफ के जवानों को देखकर लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं :अमित शाह

पिछले 20 वर्षों में अपने साहस, समर्पण और परिश्रम से देश का विश्वास अर्जित कर 'प्रेसिडेंट्स कलर' हासिल करने वाले एनडीआरएफ के सभी जवानों को बधाई

- **पहले आपदा प्रबंधन में प्रतिक्रिया राहत-आधारित थी, लेकिन मोदी सरकार ने इसे सिर्फ रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रिवेंटिव और प्रोडक्टिव बनाया है--- शाह**
- **मोदी सरकार आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण को 'मिनिमम कैजुअल्टी' से 'जीरो कैजुअल्टी' तक पहुँचा रही है--- शाह**

एजेंसी

गाजियाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह आज सुबह गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने एनडीआरएफ के राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा कि विश्वास है कि एनडीआरएफ के जवानों को देखकर लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।

देश की जनता को किसी भी प्रकार की आपदा से सुरक्षित करने के लिए और मजबूती के साथ भविष्य में काम कर पाएगी। शाह ने कहा

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 से न केवल आपदा और राहत कार्य के नवीनीकरण के लिए काम किया गया है, बल्कि अब हम ऐसी स्थिति में आ गए हैं कि हम जीरो कैजुअल्टी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने छह परियोजनाओं का उद्घाटन किया। शाह ने कहा कि इन परियोजनाओं के चालू होने से राहत और बचाव कार्य में और आसानी होगी।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि जिस आपदा का हमें पूर्वानुमान है। इसका अंदेशा मौसम विभाग से मिल गया है, वहां पर जान माल की सुरक्षा, संपूर्ण सुरक्षा हमारा लक्ष्य हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में ढेर सारे काम किए गए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए बहुत सारे निर्णय लिये गए है। जागरुकता और बचाव ऐप भी बनाए गए है। इसके माध्यम से धीरे-धीरे आपदा बचाओ देश का एक संस्कार बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ ने न केवल नागरिकों को, नागरिकों के साथ रहने वाले बेजुबान पशुओं को भी बचाकर उत्कृष्ट सेवा का उदाहरण दिया है। सरकार का लक्ष्य जानमाल और संपत्ति का नुकसान न्यूनतम करना है। हीट वेव जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए गृह मंत्रालय तैयारी कर चुका है।

आने वाले कुछ वर्ष में इसकी वजह से होने वाली जानमाल की हानि को हम न्यूनतम तक पहुंचाने में सफल होंगे।

शिवराज सिंह चौहान करेंगे 5 लाख पीएमएवाई-जी आवासों के गृह प्रवेश का शुभारंभ

महाराष्ट्र के लिए 8,368.50 करोड़ रुपये की केंद्रीय अंश सहायता जारी करेंगे

- **15 मई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में महाराष्ट्र को 122.98 करोड़ रुपये की 35 सड़क परियोजनाओं की भी सौगात**
- **सतारा में आयोजित होगा पीएमएवाई-जी लाभार्थी सम्मेलन एवं 'महा आवास अभियान' राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह**

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 15 मई 2026 को महाराष्ट्र के सतारा स्थित सैनिक स्कूल ग्राउंड में आयोजित 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) लाभार्थी सम्मेलन एवं महा आवास अभियान राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

श्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री श्रीमती सुनेत्रा अजित पवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के अंतर्गत पूर्ण हुए 5 लाख आवासों के गृह प्रवेश का शुभारंभ करेंगे। साथ ही, 6 पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को आवास की चाबियां भी सौंपेंगे, जिनमें योजना के अंतर्गत 3 करोड़वें आवास से जुड़े लाभार्थी भी शामिल होंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री महाराष्ट्र को पीएमएवाई-जी के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 हेतु 8,368.50 करोड़ रुपये की केंद्रीय अंश की मातृ स्वीकृति जारी करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)-IV के अंतर्गत 122.98 रुपये करोड़ की लागत से 35 सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति भी जारी करेंगे, जिससे राज्य की 35 ग्रामीण बसावटें लाभान्वित होंगी।

कार्यक्रम के दौरान 'महा आवास अभियान 2023-24' के अंतर्गत राज्य स्तरीय पुरस्कार भी वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में 'महा आवास अभियान अवॉर्ड्स गौरवगाथा पुस्तिका' एवं त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन भी किया जाएगा।

लती बस में महिला से गैंगरेप पर सियासत तेज, केजरीवाल बोले-

हमने निर्भया से कुछ नहीं सीखा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। रानी बाग इलाके में चलती बस के अंदर एक महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने इस घटना को लेकर भाजपा सरकार और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा है। बताया जा रहा है कि करीब 30 वर्षीय महिला को रात के समय टाइम पूछने के बहाने बस में बैठाया गया, जिसके बाद बस के अंदर उसके साथ करीब दो घंटे तक दरिंदगी की गई। आरोप है कि बस करीब सात किलोमीटर तक शहर में घूमती रही लेकिन कहीं भी पुलिस जांच या रोक-टोक नहीं हुई। बाद में पीड़िता को सड़क पर फेंक दिया गया। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि दिल्ली में एक बार फिर चलती बस में गैंगरेप हुआ है और देश ने निर्भया कांड से कोई सबक नहीं लिया। उन्होंने इसे पूरे समाज के लिए कलंक बताया। वहीं, आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने इस मामले को दो दिनों तक सार्वजनिक नहीं किया।

बेअदबी विरोधी सख्त कानून लागू होने के बाद पंजाब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घटनाओं पर रोक लगी: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

बटाला, 14 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार हर हाल में प्रदेश से नशे का कलंक मिटाकर रहेगी। उन्होंने कहा कि चल रहे युद्ध नशियां विरुद्ध अभियान ने पहले ही नशा तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है, जिसके तहत सिर्फ 437 दिनों में 63,707 से अधिक नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और पंजाब भर में नशे के पैसे से बनी अवैध संपत्तियों को गिराया जा रहा है। बटाला में संत त्रिलोचन दास जी महाराज के 38वें गुरुगद्दी दिवस को समर्पित नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि नशों और संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई अब जन आंदोलन बन गई है, जिसमें हर पंजाबी पंजाब सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। मुख्यमंत्री ने पिछले 112 दिनों में गैंगस्टरों पर वार अभियान के तहत की गई कार्रवाइयों, महिलाओं और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए चल रहे कल्याणकारी कार्यों और प्रदेश में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की

बेअदबी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा बनाए गए बेअदबी विरोधी सख्त कानून जैसी पहलकदमियों पर भी प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार के युद्ध नशियां विरुद्ध अभियान को 400 से अधिक दिन हो गए हैं और इस अभियान को शानदार सफलता मिली है। हमने नशे के कारोबार की रीढ़ तोड़ दी है और इस अपराध में शामिल बड़ी मछलियों को सलाखों के पीछे धकेल दिया गया है। नशों के खिलाफ यह कार्रवाई पूरी ताकत से तब तक जारी रहेगी, जब तक इस बुराई का पंजाब से पूरी तरह सफाया नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत पंजाब सरकार ने न केवल नशों की सप्लाई लाइन तोड़ दी है, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास को भी सुनिश्चित किया है। इसके साथ ही तस्करों की संपत्तियों को गिराया और जब्त भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अगर पंजाबी पंजाब को नशा मुक्त बनाने का दृढ़ इरादा रखते हैं तो कोई भी ताकत हमें इस मिशन को पूरा करने से नहीं रोक सकती। मैं इस लड़ाई को जन आंदोलन में बदलने के लिए लोगों से पूरे समर्थन और सहयोग की मांग करता हूं।

शेष पृष्ठ 3 पर

ओमान तट पर भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला 'नामंजूर': विदेश मंत्रालय

भारत ने ओमान में भारतीय जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बुधवार को ओमान के तट पर भारतीय झंडे वाले जहाज पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर रहा कि ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। एमईए के आधिकारिक बयान अनुसार, बुधवार (13 मई) को ओमान के तट पर भारतीय झंडे वाले जहाज पर हुआ हमला किसी भी हालत में मंजूर नहीं है। हम इस बात की निंदा करते हैं कि व्यावसायिक जहाजों और आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने सभी भारतीय चालक दल के सुरक्षित होने की पुष्टि करते हुए ओमानी अधिकारियों का आभार जताया। लिखा कि जहाज पर सवार भारतीय क्रू सुरक्षित हैं और हम उन्हें बचाने के लिए ओमानी अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं। अंत में एक बार फिर इस कृत्य की आलोचना करते हुए कहा गया कि भारत फिर से कहता है कि कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाने और बेगुनाह आम क्रू सदस्यों को खतरे में डालने, या किसी और तरह से

नौवहन और कॉमर्स की आजादी में रुकावट डालने से बचने की जरूरत है। ईरान जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और मालवाहक जहाज डूब गया। 'हाजी अली' नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी उससे कोई ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार टकरा गया।

नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य सेवा पेशेवर भारत की स्वास्थ्य प्रणाली का आधार हैं: केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव

विकसित भारत 2047 की नींव स्वस्थ भारत की प्राप्ति में निहित है: श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव

जेआईपीएमईआर दीक्षांत समारोह में नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान में 320 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने आज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय महत्व के संस्थान जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में नर्सिंग एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान पाठ्यक्रमों के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने इस दीक्षांत समारोह को स्नातक होने वाले विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से

अपने पेशेवर जीवन को सेवा, करुणा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित करने का आह्वान किया तथा कहा कि उनका योगदान देश की स्वास्थ्य प्रणाली के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिष्ठित जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के स्नातक होने के नाते वे प्रतिबद्धता, दक्षता और नैतिक सेवा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसे उन्हें अपने पेशेवर जीवन में बनाए रखना होगा। भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के मार्गदर्शक सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 का संदर्भ दिया, जो निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, पुनर्वासात?मक और उपशामक स्वास्थ्य सेवाओं को समाहित करने वाले व्यापक दृष्टिकोण की परिकल्पना करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्नातक विद्यार्थी स्वास्थ्य सेवा वितरण के इन महत्वपूर्ण आयामों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नीट पेपर लीक मामले पर बोले आरपी सिंह-

निष्पक्ष जांच कराके दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा के प्रवक्ता आरपी सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। सरकार की ओर से कहीं कोई कोताही नहीं है। निष्पक्ष जांच कराकर जो भी दोषी होंगे, सरकार उनको कड़ी से कड़ी सजा दिलाएगी। आरपी सिंह ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। अगली बार ऐसा न हो, इसको लेकर भी चिंता की जा रही है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि शरारतपूर्ण बयान देने से लोकतंत्र आगे नहीं बढ़ता। पीएम मोदी की अपील पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जो कह रहे हैं, उसका पालन भी कर रहे हैं। उन्होंने (पीएम) अपनी गाड़ियों का काफिला 12 से कम करके दो कर दिया है। इसकी वजह से देशभर में संदेश गया। केंद्र और राज्य सरकारों में मंत्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट से यात्रा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान को लोग समर्थन दे रहे हैं। आरपी सिंह ने कहा कि इस बार महाराष्ट्र और कर्नाटक में बारिश की वजह से गन्ने की खेती पर असर पड़ा था, जिससे गन्ने की ओवरऑल खेती कम हुई, जिसके चलते सरकार की ओर से फैसला लिया गया कि इस साल शुगर एक्सपोर्ट नहीं किया जाएगा, ताकि यहां की जरूरतें पूरी हों और दाम न बढ़ें। उन्होंने हिजाब पर कर्नाटक सरकार के फैसले को लेकर कहा कि वोट बैंक की राजनीति की वजह से कर्नाटक सरकार एजुकेशन इंस्टीट्यूशन से कंप्रोमाइज कर रही है। एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में बच्चे पढ़ाई के लिए जाते हैं।

पहली बार विधायक बने रथींद्र बोस होंगे बंगाल विधानसभा अध्यक्ष पद के उम्मीदवार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को चौंकाने वाला फैसला लेते हुए पहली बार विधायक बने रथींद्र बोस को उम्मीदवार घोषित किया है। मुख्यमंत्री एवं सदन के नेता शुभेंदु अधिकारी ने स्वयं उनके नाम की घोषणा की। पहले माना जा रहा था कि विधानसभा के सबसे वरिष्ठ भाजपा विधायक और वर्तमान प्रोटेम स्पीकर तापस राय को स्थायी अध्यक्ष बनाया जा सकता है, लेकिन पार्टी ने सभी अटकलों को दरकिनार करते हुए कूचबिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक रथींद्र बोस पर भरोसा जताया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में कहा कि कूचबिहार दक्षिण से भाजपा विधायक रथींद्र बोस को 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए पार्टी उम्मीदवार नामित किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी दल उनके नाम का समर्थन करेंगे।

नीट पेपर लीक :पीलीभीत में एनएसयूआई का जोरदार प्रदर्शन, प्रधान का पुतला दहन

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। यूपी के लखीमपुर खीरी के नौरंगाबाद स्थित गंगोत्री नगर में नीट अभ्यर्थी रितिक मिश्रा का शव बृहस्पतिवार को कमरे में फंदे से लटका मिला। मूल रूप से धौरहरा क्षेत्र के कटौली गांव निवासी रितिक हाल ही में कानपुर में राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) देकर लौटा था। परिजनों के अनुसार नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के बाद से रितिक मानसिक तनाव में था। मृतक के पिता अनूप मिश्रा ने बताया कि रितिक ने तीसरी बार परीक्षा दी थी। इससे पहले उसके कम नंबर आए थे। इस बार उसे उम्मीद थी कि वह नीट क्लीयर कर लेगा, लेकिन पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से वह दुखी हो गया। परिजन उसे लगातार समझ रहे थे, लेकिन उसने किसी वक्त आत्मघाती कदम उठा लिया। छात्र की मौत से माता-पिता रो-रोकर बेहाल हैं। पड़ोसी भी घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने बताया कि रितिक पढ़ने में बहुत होशियार था। वह ऐसा कदम उठा लेगा, यह किसी ने नहीं सोचा। घटना के लोग नीट कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को कोसते दिखे। वहीं छात्र की मौत होने की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

लाल किला विस्फोट केस : एनआईए ने 10 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आज लाल किला इलाके में कार बम विस्फोट मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ 7,500 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। पिछले वर्ष 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले इस उच्च तीव्रता के विस्फोट में 11 लोगों की मौत थी, कई लोग घायल हुए थे और बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। एनआईए के अनुसार, मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी (मृत) समेत सभी 10 आरोपी अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े थे, जो भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) का एक सहयोगी संगठन है। आरोपपत्र यहां पटियाला हाउस कोर्ट स्थित एनआईए की विशेष अदालत में दाखिल किया गया। गृह मंत्रालय ने जून 2018 में एक्यूआईएस और उससे जुड़े सभी संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया था।

पवन खेड़ा गुवाहाटी पहुंचे, पुलिस के सामने पेशी

गुवाहाटी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े आरोपों के मामले में गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन पहुंचे। सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद खेड़ा ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। यह मामला मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा पर खेड़ा द्वारा लगाए गए पासपोर्ट विवाद के आरोपों से जुड़ा है, इसके तहत खेड़ा को पुलिस के सामने पेश होना पड़ा। यह विवाद अप्रैल में तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी सरमा के पास भारत, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र के तीन पासपोर्ट हैं। खेड़ा ने दुबई में उनकी कुछ अज्ञात संपत्तियों और अमेरिका के व्योमिंग में एक कंपनी होने का दावा किया था। हालांकि, सरमा परिवार ने इन दावों को पुरजोर खंडन कर इन्हें पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूहों द्वारा प्रसारित एआई-निर्मित मनगढ़ंत कहानियाँ बताया था। आरोपों के जवाब में, मुख्यमंत्री सरमा ने पहले ही कड़ी कार्रवाई की कसम खाकर कांग्रेस नेताओं को चेतावनी दी थी। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा था कि आरोप लगाने से पहले उन्हें विदेश मंत्री से पूछना चाहिए था। सीएम सरमा ने सुझाव दिया था कि राहुल गांधी ने खेड़ा को ये फर्जी दस्तावेज दिए और कहा था, हमें डराने की कोशिश मत करो। यह असम है, और हम लोगों ने इस्लामी आक्रमण के खिलाफ 17 बार लड़ाई लड़ी है। मुख्यमंत्री ने दावा भी किया था कि पुलिस के उनके दिल्ली आवास पर जाने के बाद खेड़ा हैदराबाद भाग गए थे। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने खेड़ा को अग्रिम जमानत दी थी, जो सरमा को कथित रूप से बदनाम करने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोपों से संबंधित है।

पत्नी के कैरेक्टर पर था शक, सोते समय कुल्हाड़ी से वार कर की हत्या

कोटपूतली (एजेंसी)। कोटपूतली बहरोड जिले में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर में बंद कर दिया और फिर खाटू श्याम मंदिर दर्शन करने चला गया। तीन दिन बाद घर से बदबू आने पर पड़ोसियों को शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी। आरोपी के गांव लौटते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। यह घटना महतवास गांव की है, जो मांडण थाना क्षेत्र में आता है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस का कहना है कि कपिल सेन ने अपनी पत्नी मोनिका (36) की सोते समय कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। नीमराणा एडिशनल एसपी ने बताया कि 10 मई की सुबह सूचना मिली थी कि महतावास गांव में कपिल सेन के मकान से बदबू आ रही है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। घर के अंदर जाकर देखा तो कपिल सेन की पत्नी मोनिका का शव खून से लथपथ हालत में बेड पर पड़ा था। दीवारों और जमीन पर खून के निशान थे। इसके बाद जब पति 12 मई को गांव लौटा तो उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

फिल्म में महिला पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर पंजाबी एक्टर फिर विवादों में

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता योगराज सिंह फिर विवादों में घिर गए हैं। उनके खिलाफ चंडीगढ़ के एसएसपी को एक औपचारिक शिकायत दी गई है। यह शिकायत उनकी वायरल क्लिप में महिला पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही एक महिला को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के संबंध में दर्ज करवाई गई है। फिल्मों में महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक और गलत शब्दावली के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस से फिल्म के निर्देशक/निर्माताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एडवोकेट उज्ज्वल भसीन द्वारा दी गई इस शिकायत में योगराज सिंह समेत उक्त कंटेंट के निर्माण, निर्देशन और प्रसारण से जुड़े लोगों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उक्त टिप्पणी महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अभद्र है। आरोप है कि इस दौरान योगराज सिंह द्वारा की गई एक टिप्पणी महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक और अपमानजनक है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वायरल वीडियो में इस्तेमाल की गई भाषा महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है।

अदालत पहुंची ममता बोलीं- हिंसा में बच्चों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को नहीं बख्शा

-कोर्ट रूम से बाहर ममता की मौजदूगी में लगे चोर-चोर के नारे

कोलकाता (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील के रूप में अपनी पहली उपस्थिति दी। उन्होंने विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में हुई हिंसा से संबंधित मामले में न्यायमूर्ति के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं। ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट को 10 मृतकों की सूची सौंपी, जिसमें से छह के हिंदू होने का दावा है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाकर कहा कि पुलिस की मौजूदगी में घरों और कार्यालयों को लूटा जा रहा था, लेकिन इन मामलों में प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई। उन्होंने एक 92 वर्षीय अनुसूचित जाति की विधवा और उसके परिवार को घर से बेदखल करने का मुद्दा भी उठाया। कलकत्ता हाईकोर्ट में तस्वीरें दिखाते हुए ममता बनर्जी अत्यंत भावुक हो गईं और बताया कि हिंसा में बच्चों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों तक को नहीं बख्शा गया। उन्होंने खुलासा किया कि उनके अपने परिवार की 12 साल की बच्चियों को बलात्कार की धमकियां दी गई हैं। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट से तत्काल बंगाल के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई, क्योंकि अपराधी कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं।

अपनी दलीलों के दौरान, ममता ने राज्य प्रशासन और पुलिस की निष्क्रियता पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पुलिस के सामने दुकानें और घर तोड़े जा रहे हैं, और मछली बाजारों को भी निशाना बनाया गया था। उन्होंने विनम्र निवेदन किया कि बंगाल के लोगों की रक्षा की जाए। फरार पार्टी कार्यकर्ताओं का विवरण देकर उन्होंने कहा कि बंगाल कोई ऐसा राज्य नहीं है, जहां बुलडोजर चलाया जा सके। हम लोगों ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में तोड़फोड़ की गई दुकानों और घरों का विवरण दिया है। पूर्व सीएम ममता ने कहा कि अनाधिकृत संरचना को ध्वस्त करते वक्त भी व्यक्तियों को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि अपराधी कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं, तब पुलिस को अपराध रोकना चाहिए, न कि घटना घटने के बाद जांच करनी चाहिए? उन्होंने कहा कि पुलिस का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

दरअसल, हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के बाद पूरे राज्य में हिंसा की खबरें सामने आई थीं, जिसके बाद टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी के बेटे शीर्षान्य बंदोपाध्याय ने कलकत्ता हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका में पार्टी कार्यालयों, कार्यकर्ताओं पर हमलों और उनके विस्थापन का आरोप लगाया गया है। ममता ने मुख्य न्यायाधीश एचसी सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं।

वहीं, जैसे ही ममता अपनी दलीलें पूरी कर कोर्ट रूम से बाहर निकलीं, वहां मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इन सबके बावजूद ममता बनर्जी ने अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखने और बंगाल के लोगों के हक में खड़े रहने का संकल्प लिया।

राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के खर्च पर बीजेपी के सवाल- संबित पात्रा ने कहा- आय से अधिक खर्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी की घोषित आय और विदेश दौरों पर हुए कथित खर्च के बीच अंतर को लेकर कई सवाल उठाए। संबित पात्रा ने दावा किया कि वर्ष 2004 से 2026 के बीच राहुल गांधी ने 54 निजी विदेश यात्राएं की हैं, जिन पर लगभग 60 करोड़ रुपये खर्च हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दौरों में किसी भी सरकारी या संसदीय यात्रा को शामिल नहीं किया गया है और यह पूरी तरह निजी यात्राएं थीं। भाजपा नेता ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि राहुल गांधी की घोषित आय लगभग 11 करोड़ रुपये है, तो फिर विदेश यात्राओं पर कथित रूप से 60 करोड़ रुपये कैसे खर्च किए गए। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से इन यात्राओं के वित्तीय स्रोतों को सार्वजनिक करने की मांग की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संबित पात्रा ने कहा कि देश को यह जानने का अधिकार है कि विपक्ष के प्रमुख नेता की विदेश यात्राओं का खर्च कौन उठा रहा है। भाजपा ने इसे पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा।

बंगाल में पशु वध पर शुभेंदु सरकार सख्त, बकरीद पर संकट के बादल

अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना पशुबध नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। कोलकत्ता (ईएमएस)।पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार ने पशु वध को लेकर कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर एक नोटिस जारी किया है। यह आदेश 26 मई को मनाई जाने वाली ईद उल-अजहा (बकरीद) से ठीक पहले सामने आया है, जिससे राज्य की सियासत गर्मा गई है।

नए नियमों के अनुसार, अब अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना किसी भी मवेशी या भैंस के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लागू होगा। यह प्रमाणपत्र नगर पालिका या पंचायत समिति के अध्यक्ष द्वारा सरकारी पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से दिया जाएगा। दोनों अधिकारियों को लिखित में इस बात पर सहमत होना होगा कि पशु वध के योग्य है। प्रमाणपत्र केवल तभी मिलेगा जब पशु की आयु 14 वर्ष से अधिक हो, या वह वृद्धावस्था, चोट, विकृति या किसी लाइलाज बीमारी के कारण स्थायी रूप से अक्षम हो गया है।

वहीं अधिकारी सरकार ने सार्वजनिक वध पर रोक लगा दी है। पशुओं का वध केवल नगर पालिका की वधशाला या स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट वधशाला में ही हो सकता है। बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाएगा, जिस पर छह महीने तक की जेल, 1,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को फिटनेस सर्टिफिकेट देने से मना किया जाता है, तब वह इस निर्णय के विरुद्ध 15 दिनों के भीतर राज्य सरकार के पास अपील कर सकता है।

बात दें कि ममता बनर्जी के 15 साल के शासन को समाप्त करने के बाद सत्ता में आई शुभेंदु अधिकारी सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर निर्णयों की झड़ी लगा दी है। हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर निर्णायक जनादेश पाया है, जो पिछले चुनाव की 77 सीटों के मुकाबले एक बड़ी छलांग है। तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर सिमटकर दूसरे स्थान पर रही है। ये कड़े नियम नई सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं का संकेत देते हैं।

पी में आंधी-तूफान का कहर, 90 से ज्यादा मौतें, सैकड़ों पेड़ और बिजली के पोल उखड़े

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तूफान में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए। बिजली के पोल गिरे। फसलें बर्बाद हो गईं। आंधी-तूफान की चपेट में आकर 90 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन-प्रशासन की टीमें नुकसान के आकलन और प्रभावितों को फौरी मदद पहुंचाने की कोशिशों में जुटी हैं।

गौरतलब है कि बुधवार को यूपी के कई हिस्सों में तेज आंधी, बारिश कहर मचाया। पेड़ और पोल गिरने से बिजली व्यवस्था चरमरा गई। इस बीच राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में हादसों की चपेट में आकर कई लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा जनहानि बनारस, प्रयागराज और कानपुर मंडल में देखी गई है। भदौही में 18 लोगों की मौत की सूचना है। प्रयागराज में 17 और मिर्जापुर में 15 लोगों की मौत हो गई। इसी तरह उन्नाव में 10 बरेली-प्रतागढ़ में 4-4 और सीतापुर, कानपुर, संभल, हरदोई और चंदौली में दो-दो लोगों की मौत हो गई है। शाजहांपुर, लखीमपुर में भी एक-एक व्यक्ति की मौत की रिपोर्ट है।

आंधी की शक्ल में आए तूफान ने कच्चे और फूस के मकान उजाड़ दिए। टेन शेड हवा में उड़ गए। रास्तों पर पेड़ गिरने से यातायात भी बाधित रहा और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। स्थानीय प्रशासनिक टीमें राहत-बचाव अभियान में जुटी रहीं। रास्तों से पेड़ हटाने और पोल को किनारे करके यातायात व्यवस्था सुचारू करने की मुहिम चली। इसी बीच बिजली व्यवस्था भी दुरुस्त करने के प्रयास जारी रहे। इसके अलावा जिन जगहों पर जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। शासन-प्रशासन उसकी रिपोर्ट तैयार करके, पीड़ित परिवारों की मदद में लगा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावितों की हरसंभव मदद की जाए। सीएम ने कहा कि 24 घंटे के पीड़ितों को मुआवजा दिया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ऐसा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनहानि का संज्ञान लेते हुए 24 घंटे के अंदर पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश दिया है। उन्होंने संबंधित जिलाधिकारियों समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश देते हुए राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनी से नुकसान का सर्वेक्षण कराकर शासन को भी अवगत कराने का आदेश दिया है।

मैंने पहले से काफिले को छोटा किया और मंत्रियों-विधायकों के वेतन में की कटौती

-सीएम सुक्खू बोले-बीजेपी ने अपने शासनकाल में फिजूलखर्ची कर संपदा को लूटा

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का कहना है कि प्रदेश के राज्यपाल ने अगर अपने काफिले में वाहनों की कटौती की है तो यह स्वागत योग्य कदम है। मंडी में नगर निगम चुनावों के प्रचार के दौरान सीएम सुक्खू ने कहा कि वे खुद इलेक्ट्रिक कार में सफर करते हैं, जो काफी छोटी है और उसका खर्च पेट्रोल से भी कम है। उन्होंने अपने काफिले के अलावा मंत्रियों के काफिलों में भी पहले से कटौती कर रखी है। इसके अलावा मंत्रियों के वेतन में 30 प्रतिशत, जबकि विधायकों के वेतन में 20 प्रतिशत की अस्थाई कटौती की है। सरकार के इन्हीं प्रयासों से प्रदेश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता की तरफ आगे बढ़ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सुक्खू ने विपक्षी दल बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी ने अपने शासनकाल में फिजूलखर्ची कर प्रदेश की संपदा को लुटाने का काम किया है। हजारों करोड़ के भवन खड़े कर दिए, जिनका आज कोई लाभ किसी को नहीं मिल रहा है। अब बीजेपी सत्ता में आने के सपने देख रही है, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि इसके लिए जनता की कसौटी पर खरा उतरना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हिमाचल के लिए 1500 करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा करके गए थे, जोकि प्रदेश को आज दिन तक नहीं मिला। इस विषय पर किसी भी बीजेपी नेता ने कभी बात नहीं की। प्रदेश सरकार लगातार आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास कर रही है, जिसके जल्द सार्थक परिणाम नजर आएंगे। शिमला के कमला नेहरू अस्पताल से गायनी वार्ड को शिफ्ट करने पर हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई रोक पर सीएम सुक्खू ने कहा कि गायनी वार्ड को आईजीएमसी में इसलिए शिफ्ट किया गया था, ताकि वहां पर रोबोटिक सर्जरी हो सके। यह सब डॉक्टरों की मांग पर ही किया गया था। अब कुछ लोग इस फैसले के विरुद्ध में कोर्ट गए हैं। कोर्ट के फैसले का सरकार स्टडी करेगी।

पूर्व सीएम अखिलेश के घर पहुंचते ही अपर्णा ने की बंद कमरे में बात

बाहर खड़ा रहा पूरा परिवार

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन के बाद उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। बुधवार को लखनऊ के कालिदास मार्ग स्थित उनके आवास पर सांत्वना देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी वहां पहुंचे। अखिलेश यादव ने प्रतीक के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किए और अपर्णा यादव से बंद कमरे में काफी देर तक बातचीत की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शाम करीब चार बजे श्रद्धांजलि देने पहुंचे। उन्होंने परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की और इसे एक अत्यंत दुखद क्षति बताया। शोक की इस घड़ी में राजनीतिक मतभेद पीछे छूट गए; जहाँ एक ओर शिवपाल यादव और डिंपल यादव ने परिवार को संभाला, वहीं भाजपा सांसद साक्षी महाराज, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और कई अन्य दलों के नेता भी ढांढस बंधाने पहुंचे। अखिलेश यादव और साक्षी महाराज के बीच हुई भावुक मुलाकात भी चर्चा का विषय रही।

प्रतीक यादव के स्वास्थ्य को लेकर अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि प्रतीक अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग थे। हालांकि, डॉक्टरों के अनुसार वे पल्मोनरी एंबॉलिज्म नामक गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे, जिसमें फेफड़ों की धमनियों में खून के थक्के जम जाते हैं। मई के पहले सप्ताह में उनके पैर की सर्जरी भी हुई थी, जिसके बाद से उन्हें चलने-फिरने में समस्या और सूजन की शिकायत थी। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात जब प्रतीक की तबीयत बिगड़ी, तब घर पर उनकी दोनों बेटियां और घरेलू स्टाफ ही मौजूद था। सुबह करीब पांच बजे स्टाफ ने उन्हें कमरे में अचेत अवस्था में पाया। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, जब उन्हें सुबह छह बजे अस्पताल लाया गया, तब उनकी सांसें थम चुकी थीं। प्रतीक यादव के निधन से यादव परिवार और उनके समर्थकों के बीच गहरा सन्नाटा पसरा हुआ है। सैफई से लेकर लखनऊ तक हर कोई अपने प्रिय प्रतीक को अंतिम विदाई देने की तैयारी में जुटा है।

शांति की भाषा पर संघ के साथ दिखे पूर्व सेना प्रमुख

पाकिस्तान के साथ बातचीत पर दिया जोर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने पाकिस्तान के साथ भविष्य के संबंधों और संवाद को लेकर एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण साझा किया है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान का पुरजोर समर्थन किया है, जिसमें पाकिस्तान के साथ बातचीत और जन-संपर्क (पीपुल-टू-पीपुल कॉन्टैक्ट) को महत्व देने की बात कही गई थी। पूर्व सेना प्रमुख ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और बेहतर द्विपक्षीय संबंधों के लिए नागरिकों के बीच आपसी संवाद एक प्रभावी माध्यम साबित हो सकता है।

मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जनरल नरवणे ने कहा कि सीमा के दोनों ओर रहने वाले आम लोगों की बुनियादी समस्याएं–रोटी, कपड़ा और मकान–एक जैसी हैं। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीति से दूर, जब दोनों देशों के आम नागरिकों के बीच मित्रता और विश्वास का भाव पैदा होगा, तभी दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रैक-टू कूटनीति यानी अनौपचारिक बातचीत और खेल आयोजनों जैसे माध्यमों से लोगों के बीच जुड़ाव होना चाहिए। पूर्व सेना प्रमुख के अनुसार, हमारे नागरिकों को यह समझना आवश्यक है कि सीमा पार रहने वाला हर व्यक्ति कट्टर दुश्मन नहीं होता।

हालांकि, शांति और संवाद की वकालत करने के साथ-साथ जनरल नरवणे ने भारत की सैन्य दृढ़ता को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बातचीत की इच्छा रखने का अर्थ यह कतई नहीं है कि भारत अपनी सैन्य शक्ति का उपयोग नहीं कर सकता। उनके शब्दों में, भारत हमेशा शांति की भाषा बोलने वाला देश रहा है, लेकिन यदि राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है, तो हम जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग करने से बिल्कुल नहीं हिचकिचाएंगे। यह बयान दत्तात्रेय होसबोले के उस हालिया बयान की निरंतरता में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने भारत का भरोसा खो दिया है, इसलिए अब वहां के नागरिक समाज और आम लोगों को संवाद की कमान संभालनी चाहिए। जनरल नरवणे और संघ के नेता की इस जुगलबंदी ने रक्षा और कूटनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या भारत अब पाकिस्तान के साथ नागरिक कूटनीति के जरिए नए रास्ते तलाशने की तैयारी में है।

देश में मौसम का दोहरा मिजाज: एक ओर झुलसाती गर्मी, दूसरी ओर तूफान और मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में वर्तमान समय मौसम का दोहरा मिजाज देखने को मिल रहा है। एक ओर राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में ओले, तेज हवाओं और बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया। इस दौरान बिहार, महाराष्ट्र और केरल में आंधी-तूफान व बिजली गिरने से कुल 15 लोगों की दुखद मौत हो गई। राजस्थान का बाड़मेर 48.3 डिग्री सेल्सियस के साथ देश का सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। फलौदी, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर जैसे अन्य शहरों में भी पारा 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिससे भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है।

वहीं उत्तर प्रदेश के संभल में बुधवार को दिन में अचानक अंधेरा छा गया और तेज धूल भरी आंधी चली, जबकि मेरठ में जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने राज्य के 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश के रतलाम में भी 46.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ, लेकिन निवाड़ी के बीजौर में तेज आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। हरियाणा के पिनगवा में भी ओलावृष्टि हुई, जबकि पंचकूला, यमुनानगर, करनाल और गुरुग्राम में तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम की इस अप्रत्याशितता के कारण बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चे सहित 5 लोगों ने जान गंवा दी। महाराष्ट्र के सांगली में तेज आंधी से मंदिर की दीवार ढहने से 6 लोगों की मौत हो गई, वहीं केरल के मलप्पुरम में भी बिजली गिरने से 4 लोगों की जान चली गई।

आगामी दो दिनों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी यूपी में बारिश व तेज हवाओं का अनुमान है, जबकि राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है। इन सबके बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून इस हफ्ते के अंत तक अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह तक पहुंच सकता है, जो सामान्य समय से पहले है और राहत की उम्मीद जगा रहा है।

बेअदबी विरोधी सख्त कानून लागू होने के बाद पंजाब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घटनाओं पर रोक लगी: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

पंजाब की आध्यात्मिक विरासत को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह हमारे शहीदों की धरती है और इसका कोना-कोना महान गुरुओं, संतों, पीर-पैगम्बरों की चरण-छोह प्राप्त है, जिन्होंने हमें जुल्म, बेइंसाफी और अत्याचार के खिलाफ खड़े होना सिखाया। हमारे गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरित होकर ही हमने नशों के खिलाफ यह युद्ध शुरू किया, जिसके नतीजे अब जमीन पर दिखाई दे रहे हैं। वह दिन दूर नहीं, जब पंजाब पूरी तरह नशा मुक्त हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब को हमेशा देश का अन्न भंडार और खड़ग भुजा के रूप में जाना जाता रहा है और यहां के लोग दुनिया भर में अपनी हिम्मत, सिर्फ और उद्यमी स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा, पिछली सरकारों ने पंजाब के विकास को अनदेखा किया, जिसके कारण युवाओं को मजबूरी में पंजाब छोड़कर विदेशों की ओर जाना पड़ा। इसके विपरीत आज हमारी सरकार %रंगले पंजाब% की प्राचीन शान बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। लोगों की भलाई पर केंद्रित प्रशासन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, लोगों के टैक्स का पैसा उनकी भलाई पर पूरी समझदारी से खर्च कर रहे हैं। अब लोगों का पैसा भ्रष्टाचार और लूट में बेकार नहीं जाता, बल्कि स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और बुनियादी ढांचे के विकास पर लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है और बिना किसी भ्रष्टाचार के प्रदेश के युवाओं को 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमने सड़कों को बेहतर बनाया है, टोल प्लाजा बंद किए हैं, लोगों को रोजाना लगभग 70 लाख रुपये की बचत हो रही है और प्रदेश भर में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। पंजाब के इतिहास में पहली बार किसानों को धान के सीजन के दौरान आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली सप्लाई और सिंचाई के लिए दिन के समय बिजली दी गई है, जिससे उनकी जिंदगी बदल गई है। स्वास्थ्य सुरक्षा में किए गए सुधारों के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत पंजाब के सभी 65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत हर परिवार 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज का हकदार है। उन्होंने कहा कि 30 लाख से अधिक लाभार्थियों को पहले ही स्वास्थ्य कार्ड मिल चुके हैं, जबकि 1.65 लाख लोगों ने इस योजना के तहत मुफ्त इलाज करवाया है। उन्होंने आगे कहा, मैं लोगों से इन कार्डों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील करता हूं। महिलाओं को अधिक सशक्त बनाने के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार द्वारा %मावां-धियां सतिकार योजना% शुरू की गई है, जिसके तहत अनुसूचित जाति की हर महिला को प्रति माह 1,500 रुपये और अन्य वर्गों की हर महिला को प्रति माह 1,000 रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह राशि सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी और पहले से सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही महिलाएं भी इस योजना के लिए योग्य होंगी। उन्होंने आगे कहा, पंजाब में लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा और पंजाब सरकार ने बजट में इसके लिए 9,300 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) अधिनियम 2026 का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, वाहिगुरु की कृपा से इस ऐतिहासिक कानून को लागू करके मुझे मानवता की सेवा करने का अवसर मिला है, जिसमें बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। यह अधिनियम भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को रोकने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि बेअदबी की घटनाएं पंजाब में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को भंग करने के उद्देश्य से शुरू की गई गहरी साजिश के तहत करवाई गई थीं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इस अपराध में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को अनुकरणीय सजा दी जाएगी। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हर सिख के लिए पिता के समान हैं और उनकी मर्यादा को बनाए रखना हमारा पवित्र कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में बसने वाले सिखों द्वारा इस कानून के लिए धन्यवाद दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस अधिनियम को पारित करने की सेवा गुरु साहिब ने खुद मुझसे ली है। वाहिगुरु ऐसी सेवा सिर्फ उन्हीं को सौंपता है, जिन्हें उसने खुद चुना होता है और मैं सिर्फ एक निमाणा (विनम्र) सेवक हूं, जिसे यह जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने आगे कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोग लंबे समय से बेअदबी के खिलाफ सख्त कानूनों की मांग कर रहे थे। गुरबानी की तुक पवणु गुरू पाणी पिता माता धरति महतु का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि महान गुरुओं ने सदियों पहले मानवता को प्रकृति का सम्मान करने और सौहार्द के साथ रहने की शिक्षा दी थी। उन्होंने कहा, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हमारे जीवित गुरु हैं और हर पंजाबी, खासकर हर सिख, श्री गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज हर शब्द का सम्मान करता है और उसका पालन करता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब की मिट्टी इतनी उपजाऊ है कि यहां सब कुछ उग सकता है, लेकिन नफरत और दुश्मनी की यहां कोई जगह नहीं है। गुरुओं, संतों और पीरों की इस पवित्र धरती ने हमेशा प्यार, शांति और सहनशीलता का संदेश दिया है। पंजाब के सांप्रदायिक सद्भाव को ढहाने की कई कोशिशें की गईं, लेकिन ऐसी सभी साजिशें असफल रहीं क्योंकि यह सौभाग्यशाली धरती है। संत त्रिलोचन दास जी महाराज के 38वें गुरगद्दी दिवस के अवसर पर सचखंड नानक धाम, दर्शन दरबार, बटाला में करवाया गया नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम, नशों और संगठित अपराध के खिलाफ पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए अभियान के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश भर में शुरू किए गए अभियान युद्ध नशियां विरुद्ध में तेजी लाई गई है। इस अभियान के तहत सिर्फ 437 दिनों में 63,707 से अधिक नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही नशीले पदार्थों के नेटवर्क को बर्बाद किया गया है, नशीले पदार्थों की कमाई से बनी अवैध संपत्तियों को गिरा दिया गया है और पीड़ित युवाओं के लिए पुनर्वास सुनिश्चित किया गया है।

स्लीपर बस में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म, रात में टाइम बताने के बहाने अंदर खींचा

नई दिल्ली। रानीबाग इलाके में सोमवार रात चलती स्लीपर बस में महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मंगोलपुरी स्थित फैक्टरी में काम करने वाली महिला घटना के समय काम खत्म कर घर जा रही थी। आरोप है कि बस में सवार चालक और हेल्पर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास बस से फेंककर भाग गए। पीड़िता को पुलिस ने तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया और उसके बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए बस को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिर तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, 30 साल की महिला अपने पति और दो बच्चों के साथ पीतमपुरा इलाके में रहती है। उसके पति को टीबी की बीमारी है। वह मंगोलपुरी स्थित फैक्टरी में काम करती है। रानीबाग थाने में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक सोमवार रात वह काम करने के बाद घर जा रही थी। सरस्वती विहार इलाके में वह बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान एक स्लीपर बस आकर वहां रुकी। महिला ने दरवाजे पर खड़े व्यक्ति से टाइम पूछा। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसे बस के अंदर खींच लिया और चालक से बस चलाने के लिए कहा। इस दौरान बस में मौजूद दो आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास महिला को बस से फेंककर वहां से भाग गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिसमें पता चला कि बस दिल्ली से बिहार के बीच चलती है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मंगलवार को बस को जब्त कर आरोपी बस चालक और हेल्पर को गिर तार कर उन्हें जेल भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बैंक खाता फ्रीज करना जीवन के अधिकार में बाधा, अदालत ने एक याचिका पर सुनवाई में की टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि बैंक खाता व्यक्ति के आर्थिक अस्तित्व का मूल है और बिना किसी आरोप, एफआईआर या न्यायिक आदेश के इसे फ्रीज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की। याचिकाकर्ता का प्राइवेट बैंक में खाता नवंबर 2024 में गुजरात साइबर क्राइम पुलिस की शिकायत पर फ्रीज कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा, बैंक खाता फ्रीज करना व्यक्ति के जीवन के अधिकार में बाधा डालता है। अदालत ने बैंक को याचिकाकर्ता का खाता तुरंत अनफ्रीज करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति कौरव ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता से किसी अपराध से जुड़ाव का कोई सबूत न होने पर खाता फ्रीज करना पूरी तरह से मनमाना और कानून की नजर में अस्थिर है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि बिना किसी ठोस आधार या कानूनी प्रक्रिया के बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि यह व्यक्ति की आजीविका और आर्थिक स्वतंत्रता को प्रभावित करता है। याचिकाकर्ता ने गुजरात साइबर क्राइम पुलिस की शिकायत के आधार पर बिना नोटिस या सुनवाई दिए अपने खाते को फ्रीज किए जाने को चुनौती दी थी। कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं थी और न ही कोई अदालती आदेश था। इस फैसले से उन हजारों लोगों को राहत मिलने की उ मीद है जिनके खाते साइबर फ्रॉड या अन्य शिकायतों के आधार पर बिना उचित प्रक्रिया के फ्रीज कर दिए जाते हैं।

NAME CHANGE
I Surendra Singh S/0 Rajpal Singh R/0 VP0 Sarurpur Khurd Meerut U.P.250344 Changed my Name to Surendra Singh Jat

NAME CHANGE
I Surendra Singh Jat S/0 Rajpal Singh R/0 VP0 Sarurpur Khurd Meerut U.P.250344 my minor son Yashvardhan Singh Changed my Son Name to Yashvardhan Singh Jat

NAME CHANGE
I,KUSAM LATA KAPOOR W/o Subash Chander Kapoor R/o H.No.71/111, Prem Nagar, Janak Puri, Delhi-110058, have changed my name to KUSUM LATA KAPOOR permanently.

NAME CHANGE
I MAHINDER SINGH S/O SHANKER DASS THAKUR R/O HOUSE NO-192 FLAT NO-S204 S/F CHANDER VIHAR I P EXTENSION MANDAWALI FAZALPUR LAXMI NAGAR DELHI 110092 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHINDER SINGH THAKUR

NAME CHANGE
I, MOHD CHAND S/O ILIYAS R/o Mohalla Ganj, Jansath, PO.Jansath, Dist, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251314, have changed my name to CHAND MOHAMMAD permanently

NAME CHANGE
I, MAYANK BHATHEJA S/O RAVI KANT BHATHEJA R/O B101, 2ND FLOOR, MAYFIELD GARDEN, B-BLOCK, SECTOR-50, SOUTH CITY-II, GURGAON, HARYANA-122018 HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME "SARGUN " to "SARGUN BHATHEJA" FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, NEHA W/O MAYANK BHATHEJA R/O B101, 2ND FLOOR, MAYFIELD GARDEN, B-BLOCK, SECTOR-50, SOUTH CITY-II, GURGAON, HARYANA-122018 HAVE CHANGED MY NAME TO NEHA SIDANA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, FAIZAN MIYAN S/O ABRAR AHMAD Residing at S-56/14 5TH FLOOR GALI NO-24 MAIN ROAD BRAHAMPURI SEELAMPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to FAIZAN AHMAD for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RICHA PURI W/o MUKESH ANAND D/o DEVENDER KUMAR PURI R/o House No. B-124, IInd Floor, West Patel Nagar, Central Delhi , Delhi - 110008 declare that name of mine has been wrongly written as RICHA ANAND in my minor daughter SAMAIRA ANAND , aged 15 years in her School Records. The actual name of mine is RICHA PURI , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KM NADIRA MAHMOOD WIFE OF NAUSHAD ALI R/O H NO.C-12/8, C-BLOCK, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NADRA KHATOON FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, RITA DHAKA W/O NAVEEN KUMAR R/O A-218, Nehru Vihar, Civil Line, Delhi-110054 have changed my name to Rita.

NAME CHANGE
I, RUBY W/O YOGESH JAIN R/O B-117, BLOCK-B, SURAJMAL VIHAR, DELHI-110092 HAVE CHANGED MY NAME TO NEETU JAIN.

NAME CHANGE
I,JITENDER S/O SHIV SHANKAR TIWARI R/O V-72, GALI NO.1, ARVIND NAGAR, GHONDA, GARHI MENDU, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO JITENDER TIWARI.

NAME CHANGE
I, ABHISHEK KUMAR GUPTA S/O MANOJ KUMAR GUPTA R/O H NO-D-190, GALI NO-02, WEST VINOD NAGAR, DELHI-110092. HAVE CHANGED MY NAME TO ABHISHEK GUPTA.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती गीता रानी पत्नी श्री प्रभु दयाल, संपत्ति संख्या E-49 एवं श्व-49/1, क्षेत्रफल 78 वर्ग गज, जो कि कुल भूमि क्षेत्रफल 33 + 100 = 133 वर्ग गज में से स्थित है, विश्वकर्मा कॉलोनी, एम.बी. रोड, नई दिल्ली, को श्रीमती दीपिका चावला एवं श्री दिनेश चावला से क्रय करना चाहती हैं। उक्त संपत्ति के प्रारम्भिक मूल मालिक श्री मिथिलेश कुमार गुप्ता एवं श्री राज कुमार गर्ग थे, जिन्होंने उक्त संपत्ति को श्रीमती दीपिका चावला एवं श्री दिनेश चावला के पक्ष में दो पृथक नोटराइज्ड GPA, ATS एवं Will के माध्यम से हस्तांतरित किया। जिनमें Plot No. E-49/1 के संबंध में दिनांक 05.12.1986 की नोटराइज्ड GPA, ATS एवं Will तथा Plot No. E-49 के संबंध में दिनांक 21.05.2003 की नोटराइज्ड GPA, SPA, ATS एवं Will निष्पादित की गई। फलस्वरूप, श्रीमती दीपिका चावला एवं श्री दिनेश चावला उक्त संपत्ति के स्वामी बने। उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, देयता अथवा अन्य किसी दावे से मुक्त बताया गया है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल: kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I GHULE LAHANU SANTU legally father of Army no - 2816397P, Rank - NK, Name - GHULE SAMADHAN LAHANU, Presently Residing At - KOMALWADI, Post- VADANGALI, Teh - SINAAR, Dist - NASHIK, State- MAHARASTRA, Pin - 422103 have changed my name from GHULE LAHANU SANTU to LAHANU SANTU GHULE for all future purposes, Vide Affidavit dated 14/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I MANGAL legally mother of Army no -2816397P, Rank - NK, Name - GHULE SAMADHAN LAHANU, Presently Residing At - KOMALWADI, Post- VADANGALI, Teh - SINAAR, Dist - NASHIK, State- MAHARASTRA, Pin - 422103 have changed my name from MANGAL to MANGAL LAHANU GHULE for all future purposes, Vide Affidavit dated 14/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, CHAVAN KIRTI wife of No.-15816023Y, Rank-HAV, Name-CHAVAN MUKTESHWAR GULABRAO residing at VILL-KINGAON, PO & TEHSIL-PHULAMBRI, DIST-AURANGABAD (CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR), MAHARASHTRA-431111, have changed my name from CHAVAN KIRTI to CHAVAN KIRTI MUKTESHWAR for all future purposes vide Affidavit dated 14/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Parul Agarwal D/o Hansraj Agarwal A-31, First Floor, Uppal Southend Floors, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, have changed my minor son's name from Kushagra Punatar to Kushagra Agarwal for all purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MAYA DEVI W/o Late Mohan Chandra, R/o D-1 61/3, Bhopura Sahibabad Ghaziabad, I.E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, declare that name of mine has been wrongly written as MAYA CHANDRA in my husband's PPO No. Postal/2014/UP/71119/RP-3804/GP4-P-III. The actual name of mine is MAYA DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JAYDA BEGAM W/o Mohd Idris R/o H.NO.64, STREET NO.3, NEAR MARKAZI CHOWK, JAFRABAD, NEW SEELAM PUR, DELHI-110053, have changed my name to ZAYADA BEGAM permanently.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि उत्तम नगर, नई दिल्ली स्थित शाखा कार्यालय वाली **पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ,** श्री सन्नी देओल भारती को, ओम साई एन्क्लेव, गांव रोजा जलालपुर, परगना, तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-203207 में स्थित खसरा संख्या 252 के भूखंड संख्या 25 (जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज यानी 41.8 वर्ग मीटर है) के बदले वित्तीय सहायता प्रदान करने का इरादा रखती है। उक्त संपत्ति श्रीमती खुशबू भारती के स्वामित्व में थी, जिन्होंने श्रीमती अर्पणा से दिनांक 31.05.2025 को विधिवत पंजीकृत दस्तावेज़ संख्या 28960 के माध्यम से विक्रय विलेख द्वारा इस पर अपना स्वामित्व प्राप्त किया था। श्रीमती खुशबू भारती ने आगे यह निवेदन किया है कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, प्रभार, ग्रहणाधिकार, दावों, मुकदमों, अधिग्रहण कार्यवाही, कुर्की, विवादों और तृतीय-पक्ष हितों से मुक्त है। तदनुसार, उक्त संपत्ति और/या पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में प्रस्तावित बंधक के संबंध में किसी भी प्रकार का दावा, अधिकार, हक, हित, आपत्ति, ग्रहणाधिकार या भार रखने वाले किसी भी व्यक्ति को एतद्द्वारा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्तियां लिखित रूप में, सहायक दस्तावेजों सहित, अधिवक्ता ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल नंबर: +91-9340118309) को प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जाता है। ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि ऐसा कोई दावा या आपत्ति मौजूद नहीं है और प्रस्तावित लेनदेन तदनुसार पूर्ण किया जाएगा।
ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता: आरजेड-29, ऊपरी भूतल, भगवती गार्डन जैन रोड, द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर: +91- 9340118309

PUBLIC NOTICE
My clients Noor Mohd and his wife Sahnaj Begam both R/o Plot No. A-9,Near Barkatiya Maszid, Block A,Shiv Vihar, Vikas Enclave, Uttam Nagar, Delhi-110059 son namely Chand Khan Shaima from all their moveable/immovable properties/assets and severed all their relations with them has disowned/debarred their both Tara and daughter in law Saista, due to their misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with them in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My clients shall not responsible for any kind of acts done by their daughter in law and son.
Dinker Verma Advocate
Chamber: 121, Lawyer Block, Saket Court, New Delhi-110017.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SHIVAM RAWAT S/O VIJAY KUMAR R/O E-108A, LAJPAT NAGAR, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 declare that name of my mother has been wrongly written as RANJANA in my 10th class educational documents. The actual name of my mother is RANJANA RAWAT, which may be amended accordingly.

Name Change
I, hitherto known as VANDNA ARYA W/O Pawan Kumar, R/O Flat No-FF-01, Plot No-1 And 2, Near Mhagunpuram, Krishna Tanushree Kunj, kavi Nagar, VTC: Ghaziabad, PO: Kavi Nagar, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh, PIN Code: 201002, have changed my name and shall hereafter be known as Km Vandana.

Name Change
I, No-8038728P Rank-NK Name-RATHVA AJAYBHAI AMARABHAI legal father of HIMANIBEN AJAYBHAI RATHVA R/o VPO-SINGLA, TEH & DIST-CHHOTAUDEPUR, GUJRAT-391168 have changed my minor daughter's name from HIMANIBEN AJAYBHAI RATHVA to RATHVA HIMANIBEN AJAYBHAI for all future purposes vide affidavit dated 14/05/2026 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client (1) Mr. Chandra Bhan S/o Mr. Gangolimal (2) Mr. Vikas S/o Mr. Chandrabhan are the owner and in possession of a Freehold Residential Northern Plot area measuring 72 sq. yard., out of MU No. 35, Killa No. 14 (7-7), 15 (8-0), Situated at Waka Mauja Ballabhgarh (Subhash Colony) Tehsil Ballabhgarh District Faridabad, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 25.03.2015, Which is duly regd., vide Doc. No. 14964, Book No. 1, SRO-Ballabhgarh. In the chain of documents, (1) Original Sale Deed dated 03.02.1986 (Doc No. 3095) in the name of Mrs. Geeta Devi w/o Mr. Mukut Bihari & (2) Original Sale Deed dated 31.05.2010 executed by Mrs. Geeta Devi W/o Mr. Mukut Bihari in favour of Mr. Kumar Pal Tevatiya S/o Late Mr. Brij Lal Tevatiya Which is duly regd., vide Doc. No. 2338, Book No. 1, SRO-Ballabhgarh is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mr. Rinku the said property is presently financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Faridabad, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

Date of Birth Change
I MAHABEER SINGH legally father of Army No - 21000769H, Rank - LHav, Name - Sudheer kumar, Presently Residing At - Nagla Girdhar, Post- onha, Teh -karhal, Dist - Mainpuri, State- UP, Pin - 205268, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/03/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1971, Vide Affidavit dated 14/05/2026 before Notary Public Delhi.

Date of Birth Change
I SHEELA DEVI legally mother of Army No - 21000769H, Rank - LHav, Name - Sudheer kumar, Presently Residing At - Nagla Girdhar, Post- onha, Teh -karhal, Dist - Mainpuri, State- UP, Pin - 205268, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/04/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1969, Vide Affidavit dated 14/05/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Rahul Jhain respect of **Built Up, Front side Upper Ground Floor, Flat No. 3, without Roof Rights, area measuring 90 Sq. Yds., property bearing Plot No. A-100, out of Total area measuring 147 Sq. Yds., out of Khasra No. 221, situated in Abadi known as Bhagwati Apartments Extn., Block A, Uttam Nagar, New Delhi-110059** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री राम प्रकाश, निवासी मकान संख्या 155, तहसील सहावर, नाथुपुर, पोस्ट सहावर, जिला कासगंज, उत्तर प्रदेश 207245, एक आवासीय खाली प्लॉट संख्या 02, जिसका क्षेत्रफल क्षेत्रफ़ल 50 वर्ग गज, पुराना खसरा संख्या 1090, नया खसरा 2405, स्थित तुलसी विहार कॉलोनी, ग्राम दादरी, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री विलेख दिनांक 20.08.2025, क्रमांक 43362, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 32338, पेज 127-146, सब रजिस्ट्रार-दादरी, द्वारा है। उक्त कथित संपत्ति का पीछे का ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 09.02.2001, क्रमांक 634, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 1330, पेज संख्या 17-20, सब रजिस्ट्रार दादरी और ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 17.10.2017, क्रमांक 15143, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 11002, पेज संख्या 131-156, सब रजिस्ट्रार दादरी, कही खो गया, जिसके बावत खोने की ऑनलाइन रिपोर्ट दिनांक 02.05.2026, एल आर नं0 273148/2026 एवं 273168/2026 को थाना संगम विहार/इ-पुलिस स्टेशन, जिला साउथ डिस्ट्रिक्ट/क्राइम ब्रांच, दिल्ली, में दर्ज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित मुव्किकल उक्त संपत्ति को श्रीमती रानी कुमारी पत्नी श्री आशुतोष कुमार को बेच रहे हैं, जो इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि0, शाखा दादरी-2, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003

NAME CHANGE
I, LAXMI, is legally mother of Army No. 2812510F, Rank – L Hav, Name – MORE SANTOSH SUDAM, presently residing at Vill – Modhave, Post – Murti, Teh – Baramati, Dist – Pune, State – Maharashtra, Pin – 412304, have changed my name from LAXMI to LAXMI SUDAM MORE and date of birth from 12/04/1957 to 01/01/1971 for all future purposes. Vide affidavit dated 14/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KOMAL, is legally spouse of Army No. 2812510F, Rank – L Hav, Name – MORE SANTOSH SUDAM, presently residing at Vill – Modhave, Post – Murti, Teh – Baramati, Dist – Pune, State – Maharashtra, Pin – 412304, have changed my name from KOMAL to KOMAL SANTOSH MORE for all future purposes. Vide affidavit dated 14/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I ALKABAI legally mother of Army no -2815011X, Rank - SEP, Name - SAINDANE ATUL BHANUDAS, Presently Residing At - JAIL ROAD NASIK RD Post- NASHIK ROAD, Teh - NASHIK ROAD, Dist - NASHIK, State- MAHARASTRA, Pin - 422101, have changed my name from ALKABAI to SAINDANE ALKABAI BHANUDAS for all future purposes. Vide affidavit dated 14/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, DHARAMVIR S/O GOPAL KRISHAN resident of RAILWAY ROAD NEAR GIRDHARI DAIRY WARD NO-5 HODAL PALWAL HR-121106 have changed my name to DHARAMVIR BINDAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, No.-8432080F Rank-HAV/CLK Name-MANISH KUMAR legal father of MANYA residing at- FLAT NO-303, PLOT NO-141/142, VIPIN GARDEN, DWARKA MOR, DELHI-110059, have changed my minor daughter's name from MANYA to MANYA SINGH for all future purposes vide affidavit dated 14/05/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Jay Prakash Singh S/O Babu Lal Singh R/O Flat No. 1821, Block -C, Gaur Atulyam , Omicron -1, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201310, have changed the name of my minor daughter Yashvi Singh aged 13 years and she shall hereafter be known as Aradhya Singh

NAME CHANGE
I HOSHIYAR SINGH CHAUHAN S/O RAM KISHAN SINGH R/O 212/C1 RAILWAY COLONY DAYA BASTI DELHI NORTH DELHI DELHI 110007 HAVE CHANGED MY NAME TO HOSHYAR SINGH

Public Notice
I Govardhan R/O 30 Gulab Dharamshala, Kalka Ji Mandir, Ali, South Delhi, Delhi - 110019, UNDERTAKE THAT I GOVARDHAN CHANGE MY NAME NAIRA I GOVARDHAN HENCEFORTH BE KNOWN D/O NARESH CHAKERWATI THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS THUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF . IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARDS AR ANY STAGE ,I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATIONS WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM

PUBLIC NOTICE
I/WE (1) NAZIM s/o Mohd. Usman, and (2) SAGIRA BEGUM W/O Nazim, both R/o H. No.3327, Gali Kucha Syed Jalal Bukhari, Lal Gali, Darya Ganj, New Delhi-110002, Have severed all relations and disowned/debbared my son namely MOHD. SALMAN, from my/our all moveable immoveable properties, due to his misconduct/misbehaviour. So I will not be liable and responsible for him any acts/deeds/deal in Future

NAME CHANGE
I, AJAY SINGH S/o BHAN SINGH residing at House No.- C-3/36A, Street No.-3 ,Block – C , Near David Model Sr.Sec School, Dayalpur , Karawal Nagar Road , Dayalpur, Seelampur, North East Delhi ,Delhi 110094 have changed the name of my minor Son AADVIK RAWAT aged 1 Year and he shall hereafter be known as TANVISH RAWAT .

NAME CHANGE
I hitherto Known as KISHMEET REHNU D/o GURPAL SINGH residing at 45/8 , Lal Quarter, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed my name and shall hereafter be known as KISHMEET KAUR . I have changed my name only not my religion.

NAME CHANGE
I, ZISHAN, S/o. NASIM AHMAD, R/o. WZ-15, GALI NO-3, SHAH NAGAR, MANGLA PURI, NEW DELHI-110045, have changed my name from ZISHAN to JISHANT AHMAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Hari Singh S/O Bhagawan Sahay Sharma R/O 47,Ancharu Khurd , PO: Anchrookalan , Dist: Bulandshahr, Uttar Pradesh -202395, have changed my name and shall hereafter be known as Harish Chand Sharma

NAME CHANGE
I, Aman Singh S/O Satyendra Mohan Singh R/O House Number-89, Behind Vanasthali Public School, Sector -10- B, Vasundhra, Vasundhra, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201012, have changed my name and shall hereafter be known as Shubhrajeet Singh

NAME CHANGE
I, Sarvesh Kumari W/O Vinod Kumar Yadav R/O 180-A, Kamna, Sector-1 Vaishali, I.E.Sahibabad, PO: I.e.sahibabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010, have changed my name and shall hereafter be known as Sumitra Devi

NAME CHANGE
I, Amit Sharma S/O Ravinder Sharma R/o 342, Second floor, Lane No. 05, Shakti Khand 4, Indirapuram, Ghaziabad Uttar Pradesh -201014, have changed the name of my minor daughter Preesha Sharma aged 09 years and she shall hereafter be known as Prerna

NAME CHANGE
I, Prasat S/O Kali R/O Hoshiyarpur , Sector -51,Noida , Gautam Buddha Nagar, Noida Uttar Pradesh -201301, have changed my name and shall hereafter be known as Prasant

PUBLIC NOTICE
This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. General Power of Attorney, Agreement to Sale and Purchase, WILL Dated 20.03.1978 Which executed by Sh. R.S. Kataria S/o Sh. Telu Ram in favour of Smt. Chanchal Devi W/o Sh. Om Prakash pertaining to "Property No. RZ- 2109, Gai No.28, Measuring 200 Sq. Yds., Comprised in Khasra No. 423, Situated at Tughlakabad Extn., New Delhi.,". (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller namely 1.Sh. Pappu Kumar Jaiswal 2. Sh. Vipin Kumar Singh has Agreed to sell the same to Our Borrower i.e. Sh. Rizwan Ahmad Siddiqui 2. Hina Jamal and same shall be funded/ Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., GREEN PARK BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.
Dated: 15-05-2026 Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
I, Rahul Harit S/o Kuldip Kumar residing at House No. D-74, 3rd floor, Pushpanjali enclave, Ptampura, Delhi-110034, have changed my name to Rahul Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I MANISHA legally wife of Army no-2806143k, Rank - Hav, Name - RAKH ASHOK BHAUSAHEB, Presently Residing At- Savargaon (sone) Post - Bensur, Teh-patoda Dist - Beed, State - Maharashtra, Pin- 414204 have changed my name from MANISHA to RAKH MANISHA ASHOK for all future purposes, Vide Affidavit dated 14/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I LOKHANDE SHANKAR JOTIRAM legally father of Army no -23004616H, Rank - Gnr(OFC), Name - Lokhande Sachin Shankar, Presently Residing, At - Birnal, Post - Revnal, Teh - Jath, Dist - Sangli State- Maharashtra Pin - 416404 have changed my name from LOKHANDE SHANKAR JOTIRAM to SHANKAR JOTIRAM LOKHANDE for all future purposes, Vide Affidavit dated 14/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as KUSUM W/o AJAY KUMAR, R/o Dholana Road, Sadra Patti, Sapanawat, PO: Sapnawat, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-245101, have changed my name and shall be hereafter known as SANTOSH, for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MAYA DEVI W/o Late Mohan Chandra, R/o D-1 61/3, Bhopura Sahibabad Ghaziabad, I.E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, declare that name of mine has been wrongly written as MAYA CHANDRA in my husband's PPO No. Postal/2014/UP/71119/RP-3804/GP4-P-III. The actual name of mine is MAYA DEVI, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे ग्राहक निवास हाउसिंग फाइनेंस (पूर्व में इंडोस्टार होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) से विद्या सागर ने नई दिल्ली के लक्ष्मी नगर में होम लोन के लिए संपर्क किया है। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि दस्तावेजों की श्रृंखला में मूल नोटरी प्रमाणित वसीयतनामा दिनांक 20.10.2014, श्री प्रताप सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री जीवन सिंह द्वारा श्रीमती कपूरी देवी पत्नी श्री सत्यपाल और श्री अनिल वर्मा पुत्र श्री सत्यपाल के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में निष्पादित किया गया था, और नोटरी प्रमाणित वसीयतनामा दिनांक 10.08.2021, श्री अनिल कुमार और श्री सुनील पुत्र श्री सत्यपाल सिंह वर्मा द्वारा श्री राजेश कुमार पुत्र श्री राम किशोर के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में निष्पादित किया गया था, लेकिन आवासीय प्लॉट संख्या 117, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या के संबंध में ये दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। 53 नंबर का आवासीय प्लॉट, जो हदबस्त गांव हकीकतपुर उर्फ खुदाबंस परगना और तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद में स्थित है, और श्रीमती कपूरी देवी के नाम पर उनके कानूनी वारिसों के पक्ष में पंजीकृत एसएमसी (SMC) उपलब्ध नहीं है/कहीं खो गया है। उक्त संपत्ति, जिसका आवासीय प्लॉट नंबर 117 है, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा नंबर 53, जो हदबस्त गांव हकीकतपुर उर्फ खुदाबंस परगना और तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को निवास हाउसिंग फाइनेंस (पूर्व में इंडोस्टार होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) के पास लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली के होम लोन के लिए गिरवी रखा जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति या उसके किसी भाग पर उत्तराधिकार, आवंटन, गिरवी, प्रभार, कब्ज़ा, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप में कोई दावा (खसरा संख्या पर आपत्ति), मांग, अधिकार या हित है, तो उसे एतद्द्वारा प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर दस्तावेजी साक्ष्य सहित लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी, अन्यथा उक्त व्यक्ति/व्यक्तियों का कोई दावा, यदि कोई हो, तो उसे त्याग दिया गया और निपटा दिया गया मान लिया जाएगा।
सुश्री रानी शिल्पी (अधिवक्ता)
कार्यालय पता: मकान नंबर टी/181, यूजीएफ, शूकर बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
मोबाइल नंबर: 9717780057

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.PC./84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **विकास कुमार पाठक**, मैसर्स ऋषभ एंटरप्राइजेज **कार्यालयः** दुकान सं. 27, चौधरी कॉम्प्लेक्स, पोस्ट चिक्कंबरपुर, साईं मंदिर के सामने, उत्तर प्रदेश सीमा, गाजियाबाद 201006, ने **CT 2364/2019, थानाः गांधी नगर, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **विकास कुमार पाठक**, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **विकास कुमार पाठक**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CT 2364/2019, थानाः गांधी नगर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **विकास कुमार पाठक**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन, एलडी,
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी—03
पूर्वी जिला, कमरा सं. 18
कड़कड़डूमा न्यायालय दिल्ली

DP/5616/SHD/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना ही जनप्रतिनिधि का दायित्वः आरती राव

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रदेश की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राजनीति मेरे लिए केवल पद नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम है। जनता का विश्वास और आशीर्वाद ही उन्हें लगातार बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। कैबिनेट मंत्री जाटौली मंडी में मार्केट कमेटी पटौदी के चेयरमैन मनोज मोकलवास के पद ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम में पटौदी की विधायक बिमला चौधरी भी मौजूद रही। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने चेयरमैन मनोज मोकलवास के कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि विधायक बनने और मंत्री पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनकी प्राथमिकता जनता के बीच रहकर काम करना है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल के दौरान उन्होंने लगातार क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए कार्य किया है। शुरुआत में लोगों के मन में यह सवाल था कि उनसे मुलाकात कहां और कैसे होगी, लेकिन अब लगातार संवाद और कार्यशैली के माध्यम से जनता का विश्वास मजबूत हुआ है।

निकाय चुनाव में जनता ने सरकार की नीतियों पर लगाई मुहर : नायब सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निकाय चुनाव में जीत दर्ज करने पर सभी विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आम जनता ने निकाय चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर जीत की मुहर लगाई है। मुख्यमंत्री नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद है, उनके नेतृत्व में नॉन स्टॉप भारतीय जनता पार्टी की सरकारें बन रही हैं। प्रधानमंत्री की नीतियों पर लगातार आम जनता का विश्वास बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार झूठ का सहारा लेकर लोगों के बीच में जाती है। लोग कांग्रेस के चेहरे को जान गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते है, उसे पूरा करते हैं। उनके नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत दर्ज की, असम में भारी बहुमत से भाजपा ने जीत दर्ज की। इसी तरह हरियाणा में हुए निकाय चुनाव में एकतरफा जीत दर्ज की गई है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता ने कांग्रेस के चेहरे से नकाब उतारा है। कांग्रेस झूठ बोलने का काम करती है। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर विश्वास जताया है।

नगर निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत विकास और जनविश्वास की जीत : अनिल विज

चण्डीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने प्रदेश के नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के मेयर तथा पार्षद प्रत्याशियों की शानदार जीत पर सभी विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल भाजपा प्रत्याशियों की नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता के विकास, सुशासन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी नीतियों पर विश्वास की जीत है। विज ने अम्बाला सिटी से भाजपा की विजयी मेयर प्रत्याशी अक्षिता सैनी, सोनीपत से राजीव जैन तथा पंचकूला से श्यामलाल बंसल को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि जनता ने विकास और पारदर्शी प्रशासन के पक्ष में अपना स्पष्ट जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र पर कार्य किया है और इसी कारण जनता लगातार भाजपा को अपना आशीर्वाद दे रही है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि नगर निकायों में भाजपा की जीत यह दर्शाती है कि प्रदेश की जनता विकास कार्यों, मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर नागरिक सुविधाओं और जनहित की योजनाओं से संतुष्ट है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नव निर्वाचित मेयर तथा पार्षद अपने-अपने शहरों के समग्र विकास, स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, पेयजल, सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को और मजबूत करने का कार्य करेंगे।

प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने शुरू की योजना

चंडीगढ़। नायब सरकार ने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने की ओर बड़ा कदम उठाते हुए किसानों को अगले पांच वर्षों तक प्रति एकड़ प्रति वर्ष 10 हजार रुपये का अनुदान देने का फैसला लिया है। इसके तहत, 800 एकड़ सरकारी भूमि पर भी 10 वर्षों तक प्राकृतिक और जैविक खेती कराई जाएगी। किसानों को प्रमाणन, विशेष मंडी स्थान और आधुनिक लैब जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि हरियाणा सरकार प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए ठोस और दूरगामी कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि बदलते समय में उपभोक्ता भी स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं और जैविक उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में हरियाणा सरकार किसानों को इस दिशा में प्रोत्साहित कर रही है ताकि उन्हें अपनी उपज का बेहतर बाजार मूल्य मिल सके। जो किसान प्राकृतिक या जैविक खेती अपनाएंगे, उन्हें अगले पांच वर्षों तक प्रति एकड़ प्रति वर्ष 10,000 रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

शहीद स्मारक में लगा तिरंगा लोगों को राष्ट्रभक्ति का संदेश देगा, अम्बाला में यह सबसे ऊंचा तिरंगा होगा : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा की वीर भूमि, अम्बाला छावनी में बना 'आजादी की पहली लडाई का शहीद स्मारक' न केवल राज्य के लिए बल्कि पूरे देश के लिए देशभक्ति का एक नया केंद्र बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की यादों को समेटे शहीद स्मारक में अब एक और भव्य अध्याय जुड़ने जा रहा है, जिसके तहत शहीद स्मारक परिसर में 210 फुट ऊंचाई का तिरंगा फहराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह तिरंगा स्मारक में 206 फुट ऊंचे मेमोरियल टॉवर से भी ऊंचा होगा, जो दूर से ही लोगों को राष्ट्रभक्ति का संदेश देगा तथा अम्बाला में यह सबसे ऊंचा तिरंगा होगा। विज ने तिरंगा लगाने के स्थान को लेकर शहीद स्मारक में मुआयना किया और अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने तिरंगा जल्द लगाने के दिशा-निर्देश दिए। मौके पर मौजूद शहीद स्मारक के निदेशक डा. कुलदीप सैनी ने बताया कि तिरंगा फ्लैग फाउंडेशन ऑफ

इंडिया द्वारा लगाया जाएगा और जल्द तकनीकी टीम इसको लेकर शहीद स्मारक में आ रही है। शहीद स्मारक में 210 फुट की ऊंचाई पर लहराता तिरंगा इस बात का प्रमाण होगा कि शहीदों का बलिदान सर्वोच्च है। यह स्मारक आने वाले समय में कुरुक्षेत्र और अन्य ऐतिहासिक स्थलों की तरह दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करेगा। शहीद स्मारक न केवल हरियाणा का बल्कि भारत का एक प्रमुख ऐतिहासिक गंतव्य बनेगा।

किसी भी स्मारक में तिरंगा सबसे ऊंचा होना चाहिए, यह भावना सम्मान और संप्रभुता का प्रतीक है। अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि जब कोई पर्यटक स्मारक को देखे, तो सबसे पहले उसकी नजर देश की आन-बान और शान 'तिरंगे' पर पड़े। 1857 में देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित शहीद स्मारक का निर्माण ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी में किया जा रहा है। अम्बाला-दिल्ली जीटी रोड पर 22 एकड़ भूमि पर निर्मित शहीद स्मारक में 1857 में शहीद हुए अनसंग वीरों को नमन किया जा सकेगा। लगभग 700 करोड़ रुपए की लागत से शहीद स्मारक बन चुका है जिसका आने वाले दिनों में जल्द उद्घाटन होगा। अम्बाला छावनी वीरों की भूमि है जहां से 1857 में स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला फुटी थी। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से शहीदों को नमन करने हेतु शहीद स्मारक का निर्माण किया है। इसी प्रकार अम्बाला छावनी में नेता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सुभाष पार्क में उनकी विशाल मूर्ति स्थापित की गई है। इसी प्रकार, शहीद ए-आजम भगत सिंह की मूर्ति एसडीएम कार्यालय में स्थापित की गई है जहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज द्वारा अब जल्द यहां पर सुखदेव सिंह और राजगुरू की मूर्ति भी स्थापित की जाएगी। इसी तरह, ऊर्जा मंत्री अनिल विज द्वारा सदर बाजार चौक पर वीर महाराणा प्रताप की मूर्ति स्थापित कराई गई है जबकि बहुत जल्द 12 क्रास रोड पर बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति भी स्थापित होगी।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने लिया सप्ताह में एक दिन बिना वाहन काम करने का संकल्प

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और संसाधनों के उपयोग के आह्वान पर नायब सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। खुद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सप्ताह में एक दिन बिना वाहन काम करने का संकल्प लिया है। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने अपने फ्लीट में न्यूनतम वाहनों के उपयोग का फैसला लिया है।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने लिखा कि सभी मंत्री, विधायक और अधिकारी यात्रा के दौरान सीमित वाहनों का उपयोग करें। उनके कारकेड में सुरक्षा की दृष्टि से केवल आवश्यक वाहन ही शामिल किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रहित में ईंधन की बचत और सरकारी संसाधनों का उचित उपयोग सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। साथ ही अधिकतम बैठकों को वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने पर भी जोर दिया गया है, ताकि अनावश्यक यात्रा और ईंधन

खर्च को कम किया जा सके। सरकार ने इस पहल को जनभागीदारी से जोड़ते हुए प्रदेशवासियों से भी अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईंधन बचत केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है और सभी को इस अभियान में सहभागी बनना चाहिए।

यमुनानगर के खेतों में दिखाई दिए तीन तेंदुए, ग्रामीणों में दहशत

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के व्यासपुर क्षेत्र के संधाय गांव में देर रात खेतों के समीप तीन तेंदुओं के दिखाई देने से ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, रात के समय खेतों की ओर जाते दौरान टॉर्च की रोशनी में तीनों वन्य जीव स्पष्ट दिखाई दिए। सूचना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीण बबलू ने बताया कि वह मंगलवार देर रात वाहन से खेतों के रास्ते घर लौट रहा था। इसी दौरान उसे खेतों में कुछ हलचल दिखाई दी।

संदेह होने पर उसने वाहन रोककर टॉर्च की रोशनी डाली तो वहां तीन तेंदुए बैठे नजर आए। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार तीनों एक कतार में मौजूद थे और वाहन पास आने पर सतर्क हो गए। उसने बताया कि जैसे ही रोशनी उनकी ओर पड़ी, तीनों तेंदुए खेतों की दूसरी दिशा में बढ़ गए। ग्रामीणों का कहना है कि इनमें से एक तेंदुआ चलते समय लंगड़ाता हुआ दिखाई दिया, जिससे उसके घायल होने की आशंका जताई जा रही है। संधाय गांव के आसपास घना जंगल क्षेत्र होने के कारण यहां पहले भी जंगली जानवरों की गतिविधियां सामने आती रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार करीब पांच वर्ष पूर्व भी एक तेंदुआ आबादी वाले इलाके में पहुंच गया था, जिसे वन विभाग की टीम ने काफी प्रयास के बाद पकड़कर जंगल में छोड़ा था। ग्रामीणों ने बताया कि जंगल क्षेत्र गांव से अधिक दूरी पर नहीं है, जिसके चलते रात के समय खेतों में वन्य जीवों की आवाजाही बनी रहती है। हालांकि एक साथ तीन तेंदुओं का दिखाई देना लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। घटना के बाद ग्रामीणों ने बच्चों और पशुओं की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है।

प्राचीन हस्तलिखित धरोहरों के संरक्षण में संबंधित अधिकारी व आमजन निभाएं अहम भूमिका - एडीसी ज्योति

एजेंसी

तावडू। अतिरिक्त उपायुक्त एवं राष्ट्रीय हस्तलिपि सर्वे अभियान की जिला नोडल अधिकारी ज्योति ने ज्ञान भारतम् मिशन के तहत राष्ट्रीय हस्तलिपि सर्वे अभियान के संबंध में जिला के विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली तथा उन्हें इस सर्वे को व्यापक स्तर पर फैलाने तथा अधिक से अधिक जानकारी जुटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान देश की प्राचीन धरोहर एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। एडीसी ज्योति ने बताया कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वे का कार्य 16 मार्च से 15 जून तक चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिले में उपलब्ध प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों का सर्वे, संरक्षण तथा दस्तावेजीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि

इस अभियान में ग्राम सचिवों की भूमिका बेहद अहम रहेगी। सभी बीडीपीओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे ग्राम सचिवों से प्रतिदिन रिपोर्ट प्राप्त करें, ताकि संबंधित जानकारी समय पर पोर्टल पर अपलोड की जा सके। एडीसी ने स्पष्ट किया कि सर्वे के तहत केवल वही पांडुलिपियां शामिल की जाएंगी, जो लगभग 70 से 80 वर्ष या उससे अधिक पुरानी तथा हस्तलिखित हों। बैठक में अभिलेख दान अभियान को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। एडीसी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य आमजन, संस्थाओं एवं परिवारों के पास सुरक्षित ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा प्रशासनिक महत्व के अभिलेखों, पांडुलिपियों, पत्रों, डायरियों, नक्शों एवं अन्य दस्तावेजों का संरक्षण सुनिश्चित करना है। उन्होंने जिलावासियों से भी अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा परिवार के पास प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियां या महत्वपूर्ण अभिलेख उपलब्ध हैं, तो वे उन्हें एडीसी कार्यालय, संबंधित एसडीएम कार्यालय अथवा खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में जमा करवाएं, ताकि इन अमूल्य ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखा जा सके। एडीसी ज्योति ने कहा कि जिले की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने में आमजन की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है और इस अभियान के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण धरोहरों को सुरक्षित रखा जा सकेगा।

गुरुग्राम में स्वास्थ्य मंत्री ने 2.86 करोड़ की स्वास्थ्य परियोजनाएं की जनता को समर्पित

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने गुरुवार को गुरुग्राम जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में करीब 2.86 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाएं जनता को समर्पित कीं। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम में पटौदी की विधायक बिमला चौधरी भी मौजूद रही। स्वास्थ्य मंत्री ने उपमण्डल नागरिक अस्पताल हेलीमण्डी में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से स्थापित ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) का उद्घाटन किया। यह यूनिट पटौदी ब्लॉक के लिए डायग्नोस्टिक हब के रूप में कार्य करेगी, जहां एचबी, ईएसआर, आरबीएस, डेंगू, मलेरिया, ब्लड ग्रुप सहित विभिन्न लैब जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री ने गांव चन्दू में लगभग 89.45 लाख रुपये की लागत से निर्मित आम उप स्वास्थ्य केंद्र भवन, नूरगढ़ और महचाना गांवों में निर्मित नए उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों का भी उद्घाटन

किया। नूरगढ़ उप स्वास्थ्य केंद्र भवन लगभग 81.89 लाख रुपये तथा महचाना उप स्वास्थ्य केंद्र भवन लगभग 64.83 लाख रुपये की लागत से तैयार किए गए हैं। इन परियोजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा। अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि गुरुग्राम हरियाणा का सर्वाधिक आबादी वाला जिला होने के कारण यहां स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या और तेज शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है, ताकि आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। नए अस्पताल भवनों, उप स्वास्थ्य केंद्रों, ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स तथा आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को लगातार मजबूत किया जा रहा है। आरती सिंह राव ने कहा कि गुरुग्राम में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई नई विकास परियोजनाएं भी पाइपलाइन में हैं। उन्होंने बताया कि जिले के बाघनकी क्षेत्र में एक नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की स्थापना की जाएगी, जबकि घामड़ोज गांव में नया सब हेल्थ सेंटर बनाया जाना प्रस्तावित है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष के बजट में गुरुग्राम जिले के लिए स्वास्थ्य अधोसंरचना को और मजबूत करने पर विशेष फोकस किया गया है।

निजी स्कूल में खामियों पर छह के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के जगाधरी स्थित एक निजी शिक्षण संस्थान में जिला प्रशासन की संयुक्त जांच के दौरान अनेक गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। छात्रों और अभिभावकों की शिकायतों के बाद शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संस्थान परिसर का निरीक्षण किया, जिसमें अवैध रेजिडेंशियल कोचिंग, हॉस्टल में निजता का उल्लंघन, खराब व्यवस्थाएं तथा बिना अनुमति संचालित मेडिकल सुविधा जैसी खामियां सामने आईं। मामले में शहर जगाधरी थाना पुलिस ने स्कूल प्रबंधन सहित छह लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलता ने बताया कि प्रशासन के निर्देश पर डीईईओ अशोक कुमार के साथ बिलासपुर रोड स्थित करियर डिफेंस स्कूल का निरीक्षण किया गया।जांच के दौरान छात्रों और अभिभावकों ने लिखित शिकायतें सौंपते हुए अत्यधिक फीस वसूली, खराब भोजन, पेयजल की अव्यवस्था, गंदगी और छात्रों के साथ दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। निरीक्षण में पाया गया कि संस्थान को केवल पहली से

बारहवीं तक की कक्षाएं संचालित करने की अनुमति प्राप्त थी, जबकि परिसर में एनडीए, आईआईटी और सैनिक स्कूल की रेजिडेंशियल कोचिंग अवैध रूप से चलाई जा रही थी। छात्रों से इसके लिए भारी शुल्क लिया जा रहा था। टीम को हॉस्टल कमरों में सीसीटीवी कैमरे भी मिले। अधिकारियों के अनुसार यह विद्यार्थियों की निजता का गंभीर उल्लंघन है। पूर्व निरीक्षण में इन्हें हटाने के निर्देश दिए गए थे।

भाजपा ने पूर्व सीएम हुड्डा के गढ़ में लगाई सेंध, सांपला में खिला कमल, प्रवीन कोच बने चेयरमैन

एजेंसी

रोहतक। भाजपा ने पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के गढ़ में सेंध लगाते हुए सांपला में कमल खिला दिया है। भाजपा के उम्मीदवार प्रवीन कोच ने अपने निर्दलीय उम्मीदवारों को पराजित कर 4391 मतों से जीत हासिल की है। सांपला नगर पालिका चुनाव में 16 वार्डो में से 7 भाजपा के और 9 निर्दलीय पार्षद बने है। हालांकि वार्ड नंबर तीन से भाजपा समर्थित पार्षद पहले ही निर्विरोध चुना जा चुका था। दस मई को सांपला नगर पालिका के चेयरमैन व पार्षदों के लिए चुनाव हुए थे। बुधवार सुबह आठ बजे सांपला स्थित तहसील कार्यालय के सरल केन्द्र हाल में वोटों की गिनती शुरू हुई।

जिला प्रशासन द्वारा मतगणना को लेकर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। भाजपा के उम्मीदवार प्रवीन कोच 4391 मत प्राप्त कर चेयरमैन बनने में कामयाब हुए, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार अंकित को 3704, अनिल कुमार को 1081, सुधीर ओहल्याण को 1984, मंजीत को 222, राकेश कुमार को 335, रामनिवास को 41, विकास को 482, सुशील को 17 व अंकित को 80 वोट मिले है। साथ ही सांपला के 16 वार्डो में से सात वार्डो में भाजपा

के उम्मीदवार पार्षद बने है, जिनमें वार्ड नंबर छह से विकास, वार्ड नौ से अजीत, वार्ड 10 से मिनाक्षी, वार्ड 11 से रविका, वार्ड 12 से मनीष, वार्ड 16 से अश्वनी व वार्ड नंबर तीन से पहले ही निर्विरोध पार्षद चुना जा चुका था।

वहीं निर्दलीय पार्षदों में जीत हासिल करने वालों में वार्ड 13 से आरती, वार्ड 14 से सुषमा, वार्ड 15 से सोनिया, वार्ड आठ से सुमित, वार्ड से पिंकी, वार्ड पांच से सुनील, वार्ड चार से अनीष, वार्ड दो से सुमित व वार्ड नंबर एक से मोहन लाल शामिल है। सांपला नगर पालिका का चुनाव भाजपा ने पार्टी सिब्बल पर लड़ा है, जबकि पूर्व सीएम हुड्डा ने भाजपा को हराने वाले मजबूत निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन में मतदान करने की अपील की थी। सांपला नगर पालिका चेयरमैन की कुर्सी की दौड़ में दस उम्मीदवार अपना भागय अजमा रहे थे, जबकि 16 वार्डो के लिए 44 उम्मीदवार पार्षदों की रेस में शामिल थे। चुनाव में 15625 में से 12371 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था। सांपला नगर पालिका का चुनाव भाजपा के लिए अहम था, क्योकि गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का गढ़ रहा है। आए चुनाव नतीजों ने भाजपा ने पूर्व सीएम हुड्डा के गढ़ अब सेंध लगा दी है। भाजपा के नेताओं का कहना है कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा सबका साथ सबका विकास की नीतियों की जीत है।

हरियाणा में खत्म होगी सफाई एवं फायर ब्रिगेड कर्मियों की हड़ताल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में सफाई तथा फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हो जाएगी। एक मई से हड़ताल पर चल रहे सफाई कर्मचारियों और एक महीने से अधिक समय से हड़ताल पर चल रहे अग्निशमन कर्मचारियों की करीब एक दर्जन मांगों को मानने के लिए प्रदेश सरकार सहमत हो गई है। हरियाणा निवास में शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता के साथ दो चरणों में छह घंटे चली वार्ता सिरे चढ़ने के बाद नगर पालिका और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी नेताओं ने गुरुवार को रोहतक में प्रदेश और जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है, जिसमें सरकार के साथ हुई बातचीत के बिंदु रखे जाएंगे। उसी समय यदि सहमति बनी तो हड़ताल को वापस लेने का निर्णय लिया जा सकता है। हरियाणा सरकार ने भरोसा दिलाया है कि मांगों को 30 जून तक पूरा कर दिया जाएगा। बैठक में नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री और महासचिव मांगेराम तथा हरियाणा अग्निशमन कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिनद व महासचिव गुलशन भारद्वाज सहित कई पदाधिकारियों ने अपना पक्ष रखा। इस दौरान ठेके पर लगे सफाई कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 15 हजार 220 रुपये करने पर सहमति बनी, जो अभी तक सात से आठ हजार रुपये दिया जा रहा है। गड़बड़ी पर ठेकेदार का लाइसेंस रद कर दिया जाएगा। इन्हें राज्य कर्मचारी बीमा (ईएसआइ) और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) का लाभ भी मिलेगा। कर्मचारियों को बैंक के माध्यम से वेतन दिया जाएगा। स्वीपिंग में लगे कर्मचारियों को तेल-साबुन भी दिया जाएगा। हाई कोर्ट में केस जीतने वाले फरीदाबाद के 111 कर्मचारियों के साथ ही 150 अन्य कर्मचारियों को पक्का करने पर सहमति बनने की सूचना आई है। कर्मचारियों की मौत पर दी जाने वाली सहायता राशि को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख किया जाएगा ।

जींद में आठ क्विंटल 15 किलो डोडा पोस्त बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना की टीम ने मोहलखेड़ा पुल के निकट पंजाब के दो नशा तस्करों को कैंटर सहित काबू किया है। टीम ने उनसे आठ क्विंटल 15 किलोग्राम डोडा पोस्त की खेप बरामद की है।

सीआईए प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों की पहचान बरनाला पंजाब निवासी गुरचरण सिंह, गांव पालखेड़ी चित्तोडग़ढ़ (राजस्थान) निवासी महेश राव मराठा के तौर पर हुई है। पुलिस दोनों से पूछताछ में जुटी हे।नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए सीआईए नरवाना की टीम इंद्रा कॉलोनी नरवाना में मौजूद थी। तभी टीम को सूचना मिली कि पंजाब व राजस्थान के दो नशा तस्कर एक कैंटर में डोडा पोस्त की भारी खेप लेकर पंजाब की तरफ जाने वाले हैं। सीआईए टीम तुरंत हरकत में आई और उच्च अधिकारियों को मुखबरी बारे सूचित किया व तत्परता से कारवाई करते हुए खनौरी रोड पर मोहलखेड़ा रेलवे ओवरब्रिज के नजदीक नाकाबंदी शुरू की। थोड़ी देर बाद बताए गए नंबर का कैंटर जींद की तरफ से आता दिखाई दिया।

सीआईए टीम ने आरोपितों को कैंटर सहित मौका पर ही काबू कर लिया। सीआईए टीम ने राजपत्रित अधिकारी कि हाजरी में आरोपितों व कैंटर की तलाशी ली तो कैंटर के अंदर तिरपाल के नीचे 39 कट्टों में कुल आठ क्विंटल 15 किलोग्राम डोडापोस्त बरामद हुआ। जिस पर आरोपितों के खिलाफ थाना शहर नरवाना में नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने आमजन से अपील की है कि नशा तस्करी अथवा अन्य अपराध संबंधी किसी भी सूचना को तुरंत पुलिस के साथ साझा करें ताकि समाज को सुरक्षित और नशामुक्त बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास सफल हो सकें।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने किया हड़ताल का ऐलान, 15-16 मई को प्रदेशभर में होगी दो दिवसीय हड़तालः सीटू

एजेंसी

झज्जर। आज कर्मचारी भवन रोहतक में आयोजित ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा की राज्य स्तरीय कार्यकर्ता मीटिंग में लिया गया। कार्यकर्ता मीटिंग की अध्यक्षता राज्य प्रधान बसाऊराम ने की तथा संचालन उपमहासचिव देवीराम में किया। कार्यकर्ता बैठक में वक्ताओं ने हरियाणा सरकार की दलित और कर्मचारी विरोधी नीतियों की आलोचना करते हुए सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार बात अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के उत्थान का करती है और सेवा बड़े पूंजीपति और ठेकेदारों की कर रही है। लेबर कोड्स लागू करना इसी कड़ी का हिस्सा हैं। वक्ताओं ने कहा कि शहरी और ग्रामीण सफाई कर्मचारी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। पॉलिसी बनाकर पक्का करने, 31 दिसंबर 2025 के उच्च न्यायालय का आदेश लागू करने, 400 की आबादी पर एक कर्मचारी की भर्ती करने, मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 26 हजार और 27 हजार रूपये वेतन लागू करने, एक्सग्रेसिया नीति बनाने तथा कर्मचारी की मृत्यु होने पर 50 लाख मुआवजा देने की मांग आदि को लेकर लगातार आंदोलन करते आ रहे हैं लेकिन सरकार सफाई कर्मियों की आवाज को अनसुना कर रही है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि ये सरकार कितना दलित हितैषी है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता कि मार्च 2024 के बजट सत्र में निवर्तमान मुख्यमंत्री ने 1000 की आबादी पर एक ग्रामीण सफाई कर्मचारी की भर्ती करने की घोषणा की थी, जिसको आज तक लागू नहीं किया और 9700 पद ग्रामीण सफाई कर्मियों के खाली पड़े हैं। 24 नवंबर 2024 को मुख्यमंत्री ने 26 हजार वेतन की घोषणा की, उसके बाद 11 जून 2025 को 2100 रुपए बढौतरी की घोषणा की जो आज तक लागू नहीं किया गया और ना ही 8 दिसंबर की वार्ता की मुताबिक पक्का करने की पॉलिसी बनाने का वायदा भी आज तक पूरा नहीं किया। संगठन के नेता ने कहा कि जब से भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद पिछले 12 साल में एक भी सफाई कर्मचारी और सिवरमैन स्थाई की स्थाई भर्ती नहीं की और ना ही एक भी कच्चे सफाई कर्मचारी को पक्का नहीं किया और अब नगरपालिका का कर्मचारी जब हड़ताल पर चला गया तो ।

6 साल में सरकार ने कमाए सोने के आयात से 1,22,428 करोड़

नई दिल्ली ।

देश में सोने के बढ़ते आयात से केंद्र सरकार की कमाई लगातार बढ़ रही है। बीते छह वर्षों में सोने पर लगाए गए आयात शुल्क से सरकार को कुल 1,22,428 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। वर्ष 2025-26 में सोने का आयात 72 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे सरकार को 37,341 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इससे पहले 2024-25 में 58 अरब डॉलर के आयात पर 26,402 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहारों, शादी सीजन और निवेश के रूप में सोने की बढ़ती मांग के कारण आयात में तेजी आई है। सरकार को आयात शुल्क के जरिए बड़ा राजस्व मिल रहा है, लेकिन इससे व्यापार घाटे पर भी असर पड़ रहा है।

वर्ष	सोने का आयात (अरब डॉलर)	शुल्क से मिला राजस्व (करोड़ रु.)
2020-21	34.6	8,269
2021-22	46.1	20,376
2022-23	35.1	12,293
2023-24	45.5	17,747
2024-25	58	26,402
2025-26	72	37,341

गोल्ड मार्केट में चीन सबसे बड़ी ताकत, अप्रैल 2026 में 8 टन सोना खरीदा

चीन सोना खरीदकर अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता करना चाहता है कम

नई दिल्ली।

चीन इन दिनों दुनिया भर के गोल्ड मार्केट में सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। चीन का केंद्रीय बैंक लगातार बड़े पैमाने पर सोना खरीद रहा है और अप्रैल 2026 तक यह सिलसिला जारी रहा। अब इस खरीदारी ने ग्लोबल मार्केट और डॉलर आधारित वित्तीय व्यवस्था पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अप्रैल 2026 में अकेले 8 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही चीन के आधिकारिक गोल्ड रिजर्व बढ़कर 7 करोड़ 28 लाख ट्रॉय औंस तक पहुंच गए हैं। मार्च के आखिर तक इन रिजर्व की कुल कीमत करीब 342.76 अरब डॉलर आंकी गई। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यह खरीदारी सिर्फ सामान्य निवेश नहीं है, बल्कि इसके पीछे लंबी आर्थिक और रणनीतिक सोच है। चीन लगातार अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। यही वजह है कि वह विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा अब सोने में बदल रहा है। हाल के वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव, प्रतिबंधों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता ने बीजिंग को नई रणनीति अपनाने पर मजबूर किया है। चीन मानता है कि सोना ऐसा एसेट है, जिसे कोई देश फ्रीज नहीं कर सकता यानी अगर भविष्य में आर्थिक प्रतिबंध या वैश्विक संकट बढ़ते हैं, तो सोना उसके लिए सुरक्षा कवच का काम करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक एक और बड़ी वजह चीन की अपनी मुद्रा युआन को मजबूत बनाना भी मानी जा रही है। चीन चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर की जगह युआन का इस्तेमाल बढ़े। ऐसे में मजबूत गोल्ड रिजर्व उसकी वित्तीय साख बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सोने की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद चीन लगातार खरीदारी कर रहा है। इससे साफ संकेत मिलता है कि बीजिंग शॉर्ट टर्म मुनाफे के बजाय लॉन्ग टर्म रणनीति पर काम कर रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन फिलहाल बाजार को हिलाने के लिए नहीं, बल्कि धीरे-धीरे एक मजबूत और सुरक्षित रिजर्व तैयार करने के मिशन पर है, लेकिन लगातार बढ़ती मांग का असर ग्लोबल गोल्ड मार्केट पर साफ दिख रहा है। चीन के साथ-साथ आम निवेशकों की खरीदारी भी बढ़ रही है, जिससे सोने की कीमतों को लगातार सपोर्ट मिल रहा है।

आरबीआई दे सकता है रिकॉर्ड डिविडेंड

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार को बड़ी राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इस वर्ष केंद्र सरकार को अब तक का सबसे बड़ा डिविडेंड देने की तैयारी में है। मिडिल ईस्ट संकट और वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच यह रकम सरकार के लिए बड़ा वित्तीय सहारा साबित हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, आरबीआई बोर्ड की इस महीने होने वाली बैठक में सरकार को दिए जाने वाले डिविडेंड और सरप्लस ट्रांसफर की अंतिम राशि पर फैसला लिया जाएगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 789, निफ्टी 277 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 789.74 अंक बढ़कर 75398.72 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 277 अंक उछलकर 23689.60 के स्तर पर बंद हुआ। आज लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी रही। कारोबार के दौरान दूरसंचार, फार्मा और निजी बैंकिंग शेयरों में में उछाल आया । सेंसेक्स शेयरों में, भारती एयरटेल सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसके शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की तेजी आई। वहीं एटरनल के शेयरों में 3.32 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2.67 फीसदी की बढ़त हुई, जिससे सेंसेक्स में सबसे अधिक लाभ इन्हीं शेयरों के कारण हुआ। . अदानी पोर्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी उछले। दूसरी ओर इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी इंडिया के शेयर नीचे आये।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुले। सुबह बाजार खुलते ही बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा ऊपर आया जबकि निफ्टी 23,500 के स्तर से ऊपर पहुंच गया। सुबह सेंसेक्स 338 अंक बढ़कर 74,947.12 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 118 अंक उछलकर 23,530 पर पहुंच गया। वहीं आज एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स करीब 0.47 फीसदी उछला जबकि हांगकांग का हैंग सेंग लगभग 1 फीसदी बढ़ा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज भारतीय रुपय तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 95.72 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोरी के साथ खुला और अपने ऑल-टाइम लो (सर्वकालिक निचले स्तर) पर पहुंच गया। रुपया सुबह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर 95.86 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर खुला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 95.74 पर खुला और बाद में और गिरकर 95.86 के स्तर तक आ गया। वहीं बुधवार को रुपया 95.75 पर बंदु हुआ था। मजबूत अमेरिकी डॉलर और ऊंची ऊर्जा कीमतों के कारण बढ़ती मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई।

डॉलर के मुकाबले क्यों टूट रहा रुपया..जाने कारण

मुंबई।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहा है, गुरुवार को शुरुआती कारोबार में यह 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरा दिन है जब रुपए ने डॉलर के मुकाबले नया रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ है। बीते तीन दिनों में रुपए में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो घरेलू मुद्रा पर बढ़ते दबाव को दिखाता है। बुधवार को यह 95.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं, जिसमें कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और अमेरिकी डॉलर की मजबूती शामिल हैं। इन कारकों के चलते, रुपया इस साल एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गया है, जिसमें अब तक छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला और जल्द ही निचले स्तर पर पहुंच गया। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत आयात करता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव (जिसे लेख में ईरान युद्ध से जोड़ा गया है) के कारण अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 106.10 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, और कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ने और देश के व्यापार घाटे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भी भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल रहे हैं, बुधवार को उन्होंने 4,703.15 करोड़ रुपये के शेयर की ब्रिकी की है। जिससे रुपए पर और दबाव बढ़ा।

समय के साथ भारत ने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को किया मंजूर

नई दिल्ली।

कर्नाटक ने 2023 में कारखाना श्रमिकों के लिए 12 घंटे की शिफ्ट की अनुमति दी तब ट्रेड यूनियनों ने जिनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में तर्क दिया कि यह बदलाव भारत की उस प्रतिबद्धता का उल्लंघन है जो उसने आईएलओ के काम के घंटे समझौते 1919 के तहत जताई थी। इसके तहत श्रमिकों को अधिकतम प्रतिदिन आठ घंटे और प्रति सप्ताह 48 घंटे काम करने का प्रावधान है। इस प्रकार जो बहस घरेलू स्तर पर उत्पादकता, वेतन और श्रमिकों की पसंद के बीच संतुलन पर होनी चाहिए थी वह एक अंतरराष्ट्रीय मामले में बदल गई। यह अपनी तरह की कोई इकलौती घटना नहीं है। यह एक सदी पहले लिए गए फैसला का परिणाम है। भारत ने काम के घंटों को लेकर खुद को आईएलओ के नियमों के सबसे हस्तक्षेपकारी हिस्से से आबद्ध कर लिया था। भारत आईएलओ का संस्थापक सदस्य है और वह 1922 से ही उसकी संचालन संस्था का स्थायी सदस्य रहा है। समय के साथ हमने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को मंजूर किया। इनमें से 39 अभी तक जारी हैं।

यह समस्या उतनी गंभीर नहीं होती यदि यह समझौता सार्वभौमिक सहमति को दर्शाता। आईएलओ के 187 सदस्य देशों में से केवल 52 ने सी001 को अनुमोदित किया है और केवल 30 ने इसके साथ जुड़े काम के घंटे समझौते, 1930 (सी030) को अनुमोदित किया है। प्रमुख विनिर्माण शक्तियों जैसे अमेरिका, जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया और वियतनाम ने सी001 को अनुमोदित नहीं किया है। वहीं न्यूजीलैंड ने विपरीत रास्ता अपनाया। कई दशकों तक इस संधि का पालन करने के बाद उसने इसे नामंजूर कर दिया और अब कार्य समय को राष्ट्रीय कानून और सामूहिक सौदेबाजी के जरिए नियंत्रित करता है।

भारत एक बड़ा, औद्योगीकरण की प्रक्रिया में शामिल श्रम-संपन्न अर्थतंत्र है जिसने स्वयं को 1919 के युग की कार्य समय संधि के अधीन कर लिया है, जिसे इसके अधिकांश निर्यात प्रतिस्पर्धियों ने टाल दिया है। केवल कार्य समय ही नहीं, बल्कि भारत ने अपनी 47 अनुमोदित संधियों के साथ अन्य बड़े विनिर्माण देशों की तुलना में कहीं ज्यादा सक्रियता दिखाई है। जैसे अमेरिका ने 14 और चीन ने 28 को ही किया है। भारत के संविधान में श्रम को समवर्ती सूची में रखा गया है।

आईएलओ की संधियां केवल सिफारिशें नहीं हैं। आईएलओ का प्रत्यक्ष शिकायत तंत्र और त्रिपक्षीय स्वरूप उसको संयुक्त राष्ट्र की अन्य संस्थाओं से अलग बनाता है। किसी भी नियोक्ता या श्रमिक संगठन, किसी अन्य सदस्य राज्य, अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के किसी प्रतिनिधि, या आईएलओ की अपनी संचालन संस्था द्वारा शिकायत या प्रस्तुति दर्ज की जा सकती है। गंभीर और लगातार मामलों में यह एक आयोगीय जांच का रूप ले सकता है। यदि कोई सरकार आयोग की सिफारिशों को लागू करने से सहमत नहीं होती, तो आईएलओ की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन को 'ऐसी कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है जिसे वह उचित और आवश्यक समझे।' आईएलओ के फैसले व्यापार और सहायता की शर्तों में भी शामिल होते हैं। विशेषकर यूरोपीय संघ के साथ और ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण बन सकते हैं।

अप्रैल 2026 में थोक महंगाई 8.3 प्रतिशत पहुंची, ईंधन-कच्चे तेल ने बढ़ाया दबाव

नई दिल्ली।

देश में अप्रैल 2026 के दौरान थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) तेजी से बढ़कर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मार्च में 3.88 प्रतिशत थी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन, कच्चे तेल और धातुओं की कीमतों में भारी उछाल इसकी मुख्य वजह है। इस अवधि में थोक मूल्य सूचकांक बढ़कर 167 हो गया, जो मार्च में 160.8 था, जिससे महीने-दर-महीने आधार पर 3.86 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र में महंगाई सबसे अधिक बढ़ी, जिसकी दर अप्रैल में 24.71 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह महज 1.05 प्रतिशत थी। फ्यूल एंड पावर इंडेक्स 181.7 पर पहुंच गया। खनिज तेल की कीमतों में 29.37 प्रतिशत, पेट्रोल में 32.4 प्रतिशत और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) में 25.19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कच्चे पेट्रोलियम की महंगाई 88.06 प्रतिशत तक पहुंच गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और भू-राजनीतिक तनाव ने विभिन्न क्षेत्रों की लागत बढ़ाकर थोक महंगाई पर दबाव बढ़ाया है।

प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई भी अप्रैल में बढ़कर 9.17 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 6.36 प्रतिशत थी। इसमें कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की कीमतों में महीने-दर-महीने 16.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रमुख रही। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई भी मार्च के 3.39 प्रतिशत से बढ़कर 4.62 प्रतिशत हो गई। बेसिक मेटल्स, टेक्सटाइल और केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में कीमतों में खास बढ़ोतरी हुई। डब्ल्यूपीआई के तहत आने वाले 22 विनिर्मित समूहों में से 21 में अप्रैल के दौरान कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, डब्ल्यूपीआई खाद्य सूचकांक अप्रैल में 2.31 प्रतिशत रहा, जो ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की तुलना में अपेक्षाकृत नियंत्रित कही जा सकती है, भले ही इसमें मार्च के 1.85 प्रतिशत से कुछ वृद्धि हुई हो। कुल मिलाकर, अप्रैल 2026 में बढ़ी हुई थोक महंगाई देश की अर्थव्यवस्था पर लागत-प्रेरित दबाव को दर्शाती है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता और संबंधित वस्तुओं की कीमतों में उछाल है।

दूध हुआ महंगा- अमूल, मदर डेयरी और पराग ने बढ़ाए दाम, जनता में आक्रोश

नई दिल्ली ।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि के बाद अब लोगों को दूध की महंगाई का भी सामना करना पड़ रहा है। देश की प्रमुख दूध कंपनियों जैसे अमूल, मदर डेयरी और पराग ने अपने दूध के दामों में करीब 2 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। अमूल की नई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो चुकी हैं, जबकि पराग की बढ़ी हुई दरें 15 मई से प्रभावी होने की संभावना है। इस मूल्य वृद्धि को लेकर वाराणसी सहित देश के कई हिस्सों में आम लोगों के बीच गहरी नाराजगी देखने को मिली है।

लोगों का कहना है कि जहां गैस सिलेंडर की कीमतें अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से जोड़ी जा रही थीं, वहीं दूध महंगा करने का कोई स्पष्ट कारण नजर नहीं आता। एक निवासी ने बताया कि उन्होंने खबरों में 2 रुपए की वृद्धि देखी थी, लेकिन बाजार में अमूल गोल्ड 3 रुपए तक महंगा हो गया है, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। कई लोगों का आरोप है कि रोजमर्रा की चीजों की लगातार बढ़ती कीमतों से महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है, और दूध के दाम बढ़ने के बावजूद गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ है।

उनका मानना है कि इस फैसले से मध्यम वर्गीय परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होगा।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी प्रमुख शहरों में जानें ताजा भाव

नई दिल्ली।

14 मई 2026 को देशभर में पेट्रोल और डीजल के नए दाम जारी किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच लोगों की नजरें ईंधन के दामों पर टिकी हुई हैं। हालांकि, दिल्ली और मुंबई सहित कई बड़े शहरों में आज कीमतों में बड़ा बदलाव नहीं देखा गया, लेकिन कुछ अन्य शहरों में हल्की बढ़ोतरी या कमी दर्ज की गई है। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है, इसके बाद वैश्विक बाजार में कीमतों का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जेब पर पड़ता है। मध्य-पूर्व में जारी तनाव के कारण दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बना हुआ है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आने की आशंका है। इसकारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से बिना जरूरत वाहन का उपयोग कम करने, ईंधन की बर्बादी रोकने और ऊर्जा बचाने वाली आदतों को अपनाने का आग्रह किया है। उन्होंने गैर-जरूरी सोने की खरीदारी टालने और खाद्य तेल का सीमित उपयोग करने की सलाह भी दी। आंकड़ों के अनुसार, नई दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर रहा, जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.54 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर बिका। कोलकाता में पेट्रोल 105.45 रुपये और चेन्नई में 100.80 रुपये प्रति लीटर दर्ज किया गया। केंद्र सरकार की ओर से फिलहाल ईंधन राशनिंग या देशभर में कीमतों में बड़े बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सरकारी सूत्र लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं और सप्लाई चेन को सामान्य बनाए रखने की कोशिश जारी है।

अमेरिका कंपनियों से बोले शी, चीन में काम करने के बड़े मौके आपके सामने

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी कंपनियों के लिए देश में और भी बड़े अवसर पैदा होने का भरोसा दिलाया है। यह बयान उन्होंने बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी ऐतिहासिक मुलाकात के दौरान अमेरिकी अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं से मुलाकात करने के दौरान दिया। ट्रंप के साथ टेस्ला के एलन मस्क, एप्पल के टिम कुक और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग जैसे दिग्गज बिजनेस लीडर्स का एक बड़ा दल भी बीजिंग पहुंचा था। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शी ने कहा, चीन के खुलने का दरवाजा और भी बड़ा होता जाएगा। चीन, अमेरिका के साथ आपसी फायदे वाले सहयोग को मजबूत करने का स्वागत करता है। उन्होंने विश्वास जताया कि चीन में अमेरिकी कंपनियों के लिए और भी बड़े मौके मिलने वाले है। इस उच्च-स्तरीय अमेरिकी सीईओ समूह में एयरोस्पेस, टेक्नोलॉजी, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं जैसे विविध उद्योगों के दिग्गज शामिल थे। ब्लैकरॉक, ब्लैकस्टोन, बोइंग, कारगिल, सिटी, सिस्को, गोल्डमैन सैक्स, मास्टरकार्ड, मेटा और क्वालकॉम जैसी कंपनियों के सीनियर एग्जीक्यूटिव्स भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिनपिंग के साथ बैठक की शुरुआत में इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने दुनिया के शीर्ष 30 लोगों को आमंत्रित किया था, और हर किसी ने हां कह दिया। उन्होंने कहा कि वे यहां चीन को सम्मान देने और व्यापार करने के लिए उत्सुक थे, केवल सर्वोच्च स्तर के प्रतिनिधियों को ही चुना गया था। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की संभावनाओं को दर्शाती है।

केंद्र से आया आदेश और धड़ाम हो गए चीनी कंपनियों के शेयर

मुंबई ।

गुरुवार को चीनी बेचने वाली कंपनियों के शेयरों की कीमतों में गिरावट देखी गई है। बलरामपुर चीनी मिल्स और धामपुर शुगर मिल्स के शेयरों में गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। बता दें, भारत ने चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक प्रतिबंध किया गया है। मोदी सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद बलरामपुर चीनी का शेयर 4.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 525 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया। वहीं, धामपुर के शेयर 4 प्रतिशत तक की गिरावट के बाद 147.55 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया।

भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज के शेयर 3 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354 रुपये और श्री रेणुका और ईआईडी पेरी के शेयरों में 2-2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। डीजीएफटी ने कहा, कच्ची चीनी, सफेद चीनी और परिष्कृत चीनी) की निर्यात नीति को प्रतिबंधित श्रेणी से बदलकर निषिद्ध श्रेणी में तत्काल प्रभाव से 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कर दिया गया है। भारत ने तब यह फैसला लिया है, जब दुनिया में सबसे अधिक चीनी का उत्पादन करने वाला देश ब्राजील ने अपनी चीनी मिल्स को 1.59 मिलियन मैट्रिक टन एक्सपोर्ट करने को कहा है। देश के अंदर चीनी की खपत से ज्यादा उत्पादन होने के बाद यह फैसला हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत में कुल 275 लाख टन चीनी के उत्पादन की उम्मीद है। 50 लाख टन के ओपनिंग स्टॉक को अगर मिला लें, तब यह कुल 325 लाख टन तक पहुंच गया। घरेलू स्तर पर भारत की कुल खपत 280 लाख टन है। यानी इसके बाद करीब 45 लाख टन चीनी बचेगी।

जोकि 2016-17 के बाद का सबसे न्यूनतम स्तर है। बता दें, 2016-17 के दौरान चीनी की इंवेंट्री 39-40 लाख टन तक आई थी। मोदी सरकार अगले गन्ने के सीजन को लेकर भी चिंतित है।

बारिश कम होने की वजह से इसका भी प्रोडक्शन घट सकता है। बता दें, अल-नीनो के प्रभाव की वजह से इस बार मानसून में कम बारिश की उम्मीद है।

कुछ निवेशक ने पत्रकारिता की गुणवत्ता और दायरा बढ़ाने में किया निवेश

फिल्म 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' पत्रकारिता की रवायत को बचाने की कहानी

नई दिल्ली।

डेविड फ्रैंकल निर्देशित फिल्म 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' फैशन की दुनिया के बारे में नहीं बल्कि पत्रकारिता की रवायत को बचाने से जुड़ी है। 2006 की उस सुपरहिट फिल्म का सीक्वल, जिसकी कहानी फैशन की दुनिया पर आधारित थी, लेखन, तथ्यों और लोगों तक अनकही कहानियां पहुंचाने के माध्यम की स्तुति है। फिल्म की एक किरदार, ऐंडी सैक्स इस फिल्म में एक फैशन पत्रिका, 'रनवे' में फीचर संपादक के रूप में नजर आईं। पहली फिल्म में वह मिरांडा प्रिस्टली की सहयोगी थीं, जो एक सख्त लेकिन सफल संपादक की भूमिका में थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित तौर पर अब कहानी वर्ष 2026 की है। डिजिटल दौर ने प्रकाशन संस्थानों की दुनिया पर व्यापक और गहरा असर डाला है। इन प्रकाशन कंपनियों के सलाहकार लागत घटाने, कर्मचारी और फीचर आदि को कम करने में लगे हुए हैं। काफी संघर्ष के बाद, सैक्स और प्रिस्टली को एक निवेशक मिल जाता है जो उस तरह की पत्रकारिता के लिए फंड देने को तैयार हैं जिसे वे करना चाहती हैं और इस तरह कहानी खुशनुमा मोड़ पर खत्म होती है। बता दें अगस्त 2013 में, मशहूर निवेशक जेफ बेजोस ने वॉशिंगटन पोस्ट को 25 करोड़ डॉलर नकद में खरीद लिया। उन्होंने इसे डिजिटल बनाने के साथ ही इसे मुनाफे में लाने में सफलता पाई और बार-बार इसके संपादकीय रुख के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई, लेकिन वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनावों से पहले, परंपरा तोड़ते हुए उन्होंने कहा कि यह अखबार डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन नहीं करेगा। इसके अलावा कर्मचारियों में एक-तिहाई कटौती की गई और अखबार की संपादकीय नीति बदल गई। अन्य निवेशकों ने भी स्थानीय समाचार पत्रों को खरीदते समय यही किया यानी लागत कम करने के साथ ही कर्मचारियों में कटौती की और ब्रांड मूल्य को शून्य के स्तर पर पहुंचा दिया। हालांकि कुछ निवेशक ऐसे भी रहे जिन्होंने पत्रकारिता की गुणवत्ता और उसके दायरे को बढ़ाने में निवेश किया जैसे कि फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के जॉन हेनरी ने 'द बॉस्टन ग्लोब' के जरिये ऐसा किया जिसे उन्होंने 2013 में खरीदा।

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

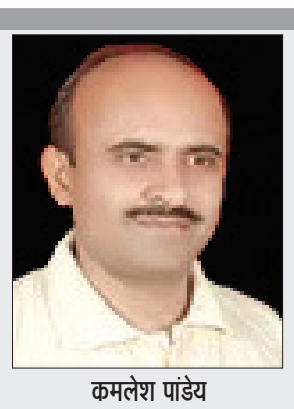

कमलेश पांडेय

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है।

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा।

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है।

समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125% तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े।

हाल के अमेरिका/इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10% की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है।

दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा।

 # आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के चीन दौरे पर भारत की नजर क्यों है?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है- या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें। चूंकि भारत हाल के वर्षों में अमेरिका भारत का अहम रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। दूसरी ओर चीन भी भारत का अहम पड़ोसी देश है, जिसके साथ सीमा विवाद के बाद भी रिश्ते व्यवहारिक समझ पर वापस लौट रहे है। ऐसे में दोनों देशों के आपसी संबंध और इस दौरे के निष्कर्ष भी भारत पर असर डालेगा। अमेरिका और चीन के रिश्ते एक लंबे वक्त तक असहजता के दायरे में रहे, जिसके जियोपॉलिटिकल प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा है। ट्रंप का यह दौरा 2017 के बाद हो रहा है। चीन पहुंचने पर बुधवार को ट्रंप का स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया, जो 2017 से अच्छा स्वागत होने को दशार्ता है।

चीन मामलो के जानकार बताते हैं कि भारत जानना चाहेगा कि ट्रंप और चिनफिंग के बीच बातचीत का क्या निष्कर्ष निकला। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में जिस तरह चीन का प्रभाव बढ़ा है, इसी बैलेस ऑफ पावर के मद्देनजर अमेरिका और भारत रणनीतिक और सामरिक मुद्दों पर लगातार नजदीकी स्तर पर काम करते रहे। ऐसे में अमेरिका और चीन अपने सबंधों को अगर फिर से नया आयाम देने का फैसला करते है तो अमेरिका व चीन दोनों के रिश्तों के मुताबिक भारत को भी अपनी विदेश नीति में बदलाव करना होगा।

संपादकीय

दवा नहीं दिल में खोट

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है।

निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है। दरअसल, यह संकट एक राज्य का नहीं, पूरे देश के सामने मौजूद है। नियामक एजेंसियों की लापरवाही, कड़े कानूनों का अभाव व दोषियों को समय पर कड़ी सजा न मिलना इस अमानवीय धंधे के फलने-फूलने की वजह बन रहा है।

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे।

अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था।

उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

भगत सिंह के मस्तिष्क शहीद सुखदेव को हमने कितना याद रखा?

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास की एक अजीब फितरत होती है। वह कभी-कभी किसी महानायक के महाकाय प्रभाव में उसके सबसे बड़े मददगार और हमसफर को परदे के पीछे धकेल देता है। 23 मार्च 1931 की शाम को जब लाहौर की सेंट्रल जेल में तीन नौजवान फांसी के फंदे की तरफ बढ़ रहे थे, तब भारत की जुबान पर एक नाम ऐसा चढ़ा कि बाकी दो नाम उसके साए में थोड़े सिमट गए। हम बात कर रहे हैं क्रांति के तीन शहीदों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की। इस अटूट तिकड़ी में भगत सिंह क्रांति का चमकता हुआ चेहरा थे और राजगुरु अचूक निशानेबाज, लेकिन इन सबके पीछे जो बेहद शांत, गंभीर और तीखा दिमाग काम कर रहा था, वह नाम था क्रांतिकारी सुखदेव थापर का।

आज 15 मई को उनकी जयंती पर यह सोचना बहुत जरूरी है कि इस जमीनी रणनीतिकार को हमने अपनी यादों और इतिहास में कितना स्थान दिया। पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव और भगत सिंह सिर्फ साथ में देश के लिए लड़ने वाले साथी नहीं थे, बल्कि दोनों के बीच एक बेहद गहरी और बेमिसाल दोस्ती थी। लाहौर के नेशनल कॉलेज के दिनों से शुरू हुआ यह साथ देश की आजादी का सबसे बड़ा हथियार बन गया। जब देश में नौजवानों को एकजुट करने के लिए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन हुआ, तो पंजाब की पूरी जिम्मेदारी सुखदेव को सौंपी गई। यहीं से उनके संगठन बनाने और उसे चलाने के लाजवाब हुनर की शुरूआत होती है। वे कागजों पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाने और उन्हें चुपचाप जमीन पर सच कर दिखाने में माहिर थे।अक्सर स्कूल-कॉलेज की किताबों में सुखदेव को भगत सिंह के एक साथी के रूप में ही दिखाकर छोड़ दिया जाता है, जो उनके साथ एक तरह की नाइंसाफी है। असलियत तो यह है कि ब्रिटिश पुलिस ने जब अदालत में मशहूर लाहौर षड्यंत्र केस का मुकदमा दर्ज किया था, तो उसकी पहली एफआईआर में आरोपी नंबर एक कोई और नहीं, बल्कि खुद सुखदेव थापर थे। अंग्रेज सरकार भी बहुत अच्छी तरह जानती थी कि इस पूरी सशस्त्र क्रांति की डोर असल में किसके हाथ में है।

लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए जब जेपी सांडर्स को सजा देने की योजना बनी, तो उसके पीछे असली दिमाग सुखदेव का ही था। उन्होंने ही राजगुरु और भगत सिंह को इस बड़े मिशन के लिए तैयार किया, उनके छिपने के गुप्त ठिकाने ढूंढे और काम पूरा होने के बाद वहां से सुरक्षित निकलने का पूरा रास्ता साफ किया। सुखदेव कभी वाहवाही लूटने या अखबारों की सुर्खियों में रहने वाले नेता नहीं थे। वे खुद को हमेशा पीछे रखकर संगठन को मजबूत करते रहे, गलियों-कस्बों में जाकर युवाओं के दिलों में आजादी की अलख जगाते रहे। सुखदेव के बारे में इतिहास का एक पन्ना ऐसा भी है जो अमूमन चचाओं से गायब रहता है। जेल की कालकोठरी में रहते हुए जब राजनीतिक कैदियों के मानवीय अधिकारों का हनन हुआ, तब सुखदेव ने जेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने जेल के भीतर बिना अन्न-जल के लगातार 63 दिनों तक ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी। इस कड़े और जानलेवा उपवास ने ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर रवैये को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया था। इस बात से सिद्ध हो जाता है कि वे सिर्फ बम और पिस्तौल की रणनीति ही नहीं जानते थे, बल्कि वैचारिक और सत्याग्रही मोर्चे पर भी उनका कोई सानी नहीं था। उनकी सोच कितनी खुली और साफ थी, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे किसी भी तरह के अंधविश्वास और रूढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। जेल की सलाखों के पीछे रहते हुए उन्होंने महात्मा गांधी को एक खुला खत लिखा था, जिसमें उन्होंने देश के युवाओं की दशा पर बेहद कड़े और सीधे सवाल पूछे थे। यह चिट्ठी बताती है कि उनका दिल देश के भविष्य के लिए कितना तड़पता था। लेकिन आजादी मिलने के बाद हमारे देश के नीति-निमार्ताओं और इतिहासकारों ने सुखदेव के योगदान को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। हमने उन्हें सिर्फ एक शहीद तिकड़ी के हिस्से के रूप में याद रखा। फिल्मों से लेकर बड़े-बड़े सरकारी विज्ञापनों तक में उन्हें वह मुख्य स्थान कभी नहीं मिल पाया। सुखदेव का जीवन हमें सिखाता है कि असली काम शोर मचाकर नहीं, बल्कि शांत रहकर किया जाता है। सुखदेव सिर्फ 23 साल की उम्र में देश पर न्योछावर हो गए। 15 मई का यह दिन देश के उस सच्चे सिपाही को सलाम करने का दिन है जिसने परदे के पीछे रहकर आजादी की सबसे बड़ी इबारत लिखी थी।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और ह्यमैंह्ल का अहंकार ह्यहमह्ल की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे ह्लअहिंसा की प्रयोगशालाह्व बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

संक्षिप्त समाचार

हंगरी में 16 साल बाद नई सरकार, मंत्रियों ने संभाले पदभार

बुडापेस्ट, एजेंसी। यूरोपीय देश हंगरी में 16 साल के बाद व्यवस्था बदल गई है। मंत्रियों ने पदभार संभाल लिए हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में मंगलवार को प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल मंत्रियो को शपथ दिलाई गई। सत्ता हस्तांतरण से पहले मैग्यार की प्रो-यूरोपीय तिस्ज़ा पार्टी ने पिछले महीने ओर्बन की फ़िडेज़ पार्टी को हराकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इसी के साथ 16 साल से चला आ रहा ओर्बन के राजनीतिक सिस्टम का पटाक्षेप हो गया है। पीटर मैग्यार ने अपनी नीतियों का संकेत देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली नई सरकार सभी हंगरीवासियों की होगी और मंत्री राष्ट्र सेवा की भावना के साथ काम करेंगे। मैग्यार ने भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, सार्वजनिक धन की वसूली, लोकतांत्रिक संस्थाओं को बहाल करने जैसे लुभावने वादे भी किए। नई सरकार में 16 मंत्रालय हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के लिए अलग विभाग हैं। इसका लक्ष्य यूरोपीय संघ के जमे हुए करीब 17 अरब यूरो के फंड को वापस लाना है, जिस पर विदेश मंत्री अनीता ओर्बन ने भी जोर दिया।

मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर हार्मोन का निधन

न्यूयार्क, एजेंसी। वन लाइफ टु लिव और हाउ टु सरवाइव ए मैरिज जैसे लोकप्रिय सोप ओपेरा के लिए मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर हार्मोन का निधन हो गया है। वह 82 साल की थीं। परिजनों ने बताया कि जेनिफर ने शनिवार को न्यूयॉर्क में आखिरी सांस ली। हार्मोन ने अपने लगभग पांच दशकों के करिअर में ब्रॉडवे मंच (थिएटर) पर 21 बार अपनी कला का प्रदर्शन कर विशिष्ट पहचान बनाई थी। वे रंगमंच की दुनिया का एक प्रतिष्ठित चेहरा थीं। जेनिफर हार्मोन लोकप्रिय टीवी शो 'वन लाइफ टू लिव' में 'कैथी' का किरदार निभाने के लिए जानी जाती थीं। वह इस भूमिका को निभाने वाली पांचवीं अभिनेत्री थीं। उन्होंने 1976 से 1978 तक यह रोल किया और इसके लिए डे-टाइम एमी अवॉर्ड के लिए नामांकन भी मिला था। इससे पहले उन्होंने 1974-75 में ह्व्ह्र के शो 'हाउ टू सरवाइव ए मैरिज' में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। जेनिफर हार्मोन का जन्म 3 दिसंबर 1943 को कैलिफोर्निया के पासाडेना में हुआ था। वह न्यू ऑरलियन्स में बड़ी हुईं। उन्होंने मिसिसिपी और मिशिगन विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। इसके बाद न्यूयॉर्क जाकर उन्होंने थिएटर में काम शुरू किया। 1965 में जेनिफर ने ब्रॉडवे पर डेब्यू किया। उनके करियर में 'द स्कूल फॉर स्कैंडल', 'ब्लाइथ स्पिरिट', 'द ग्लास मेनेजरी', 'बेयरफुट इन द पार्क' जैसे कई प्रसिद्ध सीरियल्स में काम किया है। उन्होंने कई दशकों तक ब्रॉडवे पर अपनी अच्छे अभिनय का लोहा मनवाया। 'वन लाइफ टू लिव' में 1990 के दशक में वह एक वकील के रोल में भी वापस लौटी थीं। उन्होंने 'अनदर वर्ल्ड', 'गाइडिंग लाइट' और 'लविंग' जैसे कई सोप ओपेरा में भी काम किया।

एक और पर्वतारोही की माउंट एवरेस्ट पर मौत, अब तक 3 मरे

काठमांडू, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट पर एक और नेपाली पर्वतारोही की दरार में गिरने से मौत हो गई। पिछले दो हफ्तों के भीतर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर होने वाली यह तीसरी मौत है। अधिकारियों ने बताया कि 21 वर्षीय फुरा ग्यालजेन शेरपा कैंप-3 के पास बर्फ पर फिसलकर लगभग 7,200 मीटर की ऊंचाई पर हादसे का शिकार हुए। इससे पहले खूंबू आइसफॉल और बेस कैंप के रास्ते में दो अन्य नेपाली पर्वतारोहियों बिजय घिमिरे बिश्वकर्मा (35) और लक्पा देंडी शेरपा (51) की जान गई थी।

आईडीएमसी रिपोर्ट में खुलासा : युद्ध और हिंसा ने दुनिया में मचाई तबाही, अपने ही देश में बेघर हुए 8.2 करोड़ लोग

जिनेवा, एजेंसी। दुनियाभर में संघर्ष, गृहयुद्ध, सांप्रदायिक हिंसा और जलवायु आपदाओं ने करोड़ों लोगों को अपने ही देश में बेघर कर दिया है। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर (आईडीएमसी) व नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की ताजा ग्लोबल रिपोर्ट ऑन इंटरनल डिस्प्लेसमेंट 2026 के अनुसार 2025 के अंत तक 104 देशों में 8 करोड़ 22 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित जीवन जी रहे थे। यह संख्या जर्मनी की आबादी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में यह आंकड़ा दोगुने से अधिक हो गया है और पहली बार युद्ध तथा हिंसा ने प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा लोगों को विस्थापित किया। रिपोर्ट के मुताबिक 8 करोड़ 22 लाख विस्थापितों में 6 करोड़ 86 लाख लोग संघर्ष और हिंसा के कारण बेघर हुए। रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में इस्त्राइल और ईरान के बीच हुए 12 दिन के संघर्ष ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी एकल आंतरिक विस्थापन घटना पैदा की। इस्त्राइली सैन्य कार्रवाई और निकासी चेतावनियों के बाद तेहरान से करीब एक करोड़ लोगों को भागना पड़ा।

डेमोक्रेटिक नेताओं ने दी ईरान में बढ़े पैमाने पर युद्ध बढ़ने की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि ट्रंप प्रशासन अमेरिका को मध्य पूर्व में एक और लंबे युद्ध की तरफ धकेल सकता है। ईरान के साथ चल रहे तनाव और युद्ध को लेकर अमेरिकी सीनेट में हुई एक अहम सुनवाई के दौरान नेताओं के बीच गहरे मतभेद सामने आए। इस दौरान युद्ध की बढ़ती आर्थिक और सैन्य लागत पर भी चिंता जताई गई। यह बहस उस समय हुई जब राष्ट्रपति ट्रंप के 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट प्रस्ताव पर सीनेट की रक्षा संबंधी उपसमिति में चर्चा चल रही थी। कई डेमोक्रेट सीनेटर्स ने मौजूदा हालात की तुलना अमेरिका के पुराने इराक और अफगानिस्तान युद्धों से की। उनका कहना था कि सरकार के पास इस संघर्ष को खत्म करने की कोई स्पष्ट और लंबी रणनीति दिखाई नहीं दे रही है। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि प्रशासन किसी व्यापक राजनीतिक योजना के बिना, युद्ध के मैदान में मिलने वाली छोटी-मोटी जीतों पर ही केंद्रित लग रहा है। कून्स ने कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में पहले एक आम सहमति हुआ करती थी कि अमेरिका को युद्ध में तभी उतरना

चाहिए जब हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई खतरा हो, जब बाकी सभी विकल्प खत्म हो चुके हों, और जब हमारे पास स्पष्ट उद्देश्य और यह योजना हो कि युद्ध का अंत कैसे होगा। ' कून्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बार-बार यह सवाल किया कि प्रशासन अब तक होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह सुरक्षित क्यों नहीं बना पाया। इस समुद्री रास्ते पर ईरान के दबाव की वजह से दुनियाभर में तेल और ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को कुछ सैन्य सफलताएं जरूर मिली हैं, लेकिन रणनीतिक स्तर पर अमेरिका को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सीनेटर क्रिस्टोफर मर्फी ने भी सवाल उठाया कि क्या प्रशासन ईरान की, लंबे समय तक आर्थिक और सैन्य दबाव झेलने की क्षमता को कम करके आंक रहा है। मर्फी ने कहा, 'यह एक बहुत जोखिम भरी रणनीति है।' उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान तो शायद वर्षों तक प्रतिबंधों और सैन्य दबाव को झेल जाए, लेकिन अमेरिकी परिवारों को ईंधन की आसमान छूती कीमतों के कारण भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

मर्फी ने तर्क दिया कि 'इस मामले में समय हमारे पक्ष में नहीं है,' क्योंकि तेल की बढ़ती कीमतें पहले से ही अमेरिकी किसानों और आम परिवारों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

सीनेटर पैटी मरे ने रक्षा बजट में भारी बढ़ोतरी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार घरेलू जरूरतों से ज्यादा युद्ध पर पैसा खर्च कर रही है। मरे ने कहा, 'आप परिवारों की गाढ़ी कमाई से दिए गए टैक्स के पैसों को एक ऐसे युद्ध पर खर्च कर रहे हैं जिसका बहुत से लोग पुरजोर विरोध करते हैं। आप अगले साल के लिए युद्ध के बजट में आधा ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी करना चाहते हैं। डेमोक्रेट नेताओं ने यह सवाल भी उठाया कि क्या ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए सरकार के पास कानूनी अधिकार हैं या नहीं। उनका कहना था कि इतने बड़े संघर्ष के लिए कांग्रेस की औपचारिक मंजूरी जरूरी होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान रक्षा मंत्री हेगसेथ ने ट्रंप प्रशासन का बचाव किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप ने वह हासिल किया है जो पिछली सरकारें नहीं कर सकीं। उनका कहना था कि अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबाव बनाने की ताकत है और यह अभियान ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जरूरी है। पेंटागन अधिकारियों के मुताबिक अब तक ईरान संघर्ष पर करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। सीनटरों ने चेतावनी दी कि अगर सैन्य अभियान लंबे समय तक जारी रहा और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को और नुकसान हुआ, तो यह खर्च और तेजी से बढ़ सकता है।

पूरी बहस से यह साफ दिखाई दिया कि वॉशिंगटन में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि ईरान के साथ यह टकराव आगे चलकर एक बड़े और लंबे युद्ध में बदल सकता है। ठीक ऐसे समय में अमेरिका पहले ही चीन, रूस और यूक्रेन से जुड़े मामलों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

नहीं डालेंगे हथियार, इजरायल के लिए बना देंगे नरक; हिजबुल्लाह प्रमुख ने दी सीधी धमकी

तेहरान, एजेंसी। हिजबुल्लाह के वरिष्ठ नेता नईम कासिम ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि समूह की सैन्य क्षमताएं और हथियार पूरी तरह से लेबनान का आंतरिक मामला हैं। इजराइल के साथ चल रही शत्रुता के दौरान इन्हें किसी भी सौदेबाजी की मेज पर नहीं रखा जाएगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कासिम ने टेलीविजन संबोधन में इजरायली सैन्य दबाव का मुकाबला करते हुए कहा कि हम मैदान नहीं छोड़ेंगे। हम इजरायल के लिए इसे नरक बना देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके लड़ाके लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस दौरान कासिम ने लेबनानी सरकार के साथ भविष्य के सहयोग की रूपरेखा भी पेश की, जिसमें पांच प्रमुख उद्देश्य शामिल हैं... इजरायली आक्रामकता समाप्त कर लेबनान की संप्रभुता सुनिश्चित करना कब्जे वाले सभी क्षेत्रों से इजरायली सैनिकों की पूर्ण वापसी

बंदियों की रिहाई : विस्थापित नागरिकों की दक्षिणी लेबनान में सुरक्षित वापसी व्यापक स्तर पर पुनर्निर्माण कार्य वहीं, विदेशी हस्तक्षेप पर कासिम ने कहा कि लेबनान के बाहर किसी भी देश या पक्ष को हथियारों, प्रतिरोध आंदोलन या आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। हिजबुल्लाह प्रमुख ने साफ किया कि प्रतिरोध के हथियार अंतरराष्ट्रीय वार्ताकारों के लिए चर्चा का विषय नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह

लेबनान का आंतरिक मामला है और दुश्मन के साथ किसी भी बातचीत का हिस्सा नहीं होगा। नईम कासिम ने आगे बताया कि पांच बिंदुओं को हासिल करने के बाद लेबनान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के तहत आंतरिक मामलों को व्यवस्थित करेगा, जिसमें प्रतिरोध आंदोलन सहित अपनी सभी क्षमताओं का उपयोग किया जाएगा। बता दें कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब लेबनान-इजरायल सीमा पर अस्थिरता बरकरार है। मई 2026 के मध्य तक अमेरिका की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम, जो मूल रूप से 17 अप्रैल को लागू हुआ था, अब कागजी घोषणा बनकर रह गया है। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के बफर जोन में अपनी मौजूदगी बनाए हुए है और रोजाना झड़पें जारी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च से अब तक इजरायली बलों ने लेबनान के लगभग 6 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। बता दें कि 2 मार्च को संघर्ष बढ़ने के बाद स्थिति बेहद खराब हो गई है। अल जजीरा के अनुसार, इजरायली अभियानों में 2840 से अधिक लोग मारे गए और 8700 से ज्यादा घायल हुए हैं। एक लाख से अधिक नागरिक विस्थापित हो चुके हैं।

धमाके से दहला पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा, आत्मघाती हमले में 9 लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक भीड़-भाड़ वाले बाजार में हुए ब्लास्ट में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जाता है कि यह ब्लास्ट नौरंग बाजार में हुआ जो खैबर पख्तूनख्वा का काफी व्यस्त कारोबारी केंद्र माना जाता है।

आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ाया : प्राथमिक सूचना के मुताबिक यह एक आत्मघाती हमला था। हमलावर विस्फटकों से लैस एक ऑटो रिक्शा में सवार हो कर भीड़ भरे बाजार में पहुंचा और धमाका कर दिया। इस ब्लास्ट में दो सुरक्षा अधिकारी समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोग घायल हो गए। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में हुई। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने नौरंग बाज़ार के फाटक चौक पर विस्फोटकों से भरे अपने ऑटो रिक्शा में धमाका कर दिया।

मृतकों में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी शामिल : अधिकारियों ने बताया कि इस ब्लास्ट में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक महिला समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सराय नौरंग स्थित तहसील मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिस वक्त यह आत्मघाती हमला हुआ उस वक्त बाजार में काफी भीड़-भाड़ थी। कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आगे के इलाज के लिए बन्नू और पेशावर के अस्पतालों में रेफर कर दिया गया है। घायलों की तादाद को देखते हुए अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है और सभी मेडिकल स्टाफ को बुला लिया गया है। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता शाहदाब खान ने बताया कि ब्लास्ट की सूचना मिलते ही राहत कार्यों के लिए घटनास्थल पर एंबुलेंस और टीमें भेजी गई। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सुहैल अफरीदी ने इस ब्लास्ट का संज्ञान लिया और पुलिस महानिरीक्षक को घटना पर एक डिटेल्ड रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'इस मुश्किल समय में हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं, और प्रांतीय सरकार उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराएगी।

अर्जेंटीना: राष्ट्रपति मिलेई के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना में मंगलवार को हजारों लोग देशभर के बड़े शहरों की सड़कों पर उतर आए। इन लोगों ने राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की ओर से सरकारी विश्वविद्यालयों की फंडिंग में कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस संकटग्रस्त देश में सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था लोगों के लिए गर्व का विषय मानी जाती है। राजधानी ब्यूनस आयर्स में भारी भीड़ ने सरकारी मुख्यालय तक रैली निकाली और विश्वविद्यालयों के बजट में कमी का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि फंड की कमी से देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था कमजोर हो रही है। अर्जेंटीना की सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था देश के शिक्षित कार्यबल की मजबूत नींव मानी जाती है और मध्यम वर्ग के लिए यह गर्व की बात है। यहां 1949 से पढ़ाई मुफ्त है और इसी व्यवस्था ने पांच नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं। पिछले साल संसद ने विश्वविद्यालयों के खर्च और शिक्षकों के वेतन को बढ़ती महंगाई के हिसाब से बढ़ाने के लिए कानून पारित किया था। लेकिन सरकार ने अभी तक इसे लागू नहीं किया और अदालत में इस कानून को चुनौती दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह मिलेई भी अक्सर विश्वविद्यालय परिसरों को 'वोक विचारधारा' फैलाने वाली जगह बताते हैं। मिलेई ने सरकारी खर्च में भारी कटौती की अपनी योजना के तहत शिक्षा क्षेत्र की फंडिंग कम कर दी है। उनका कहना है कि पिछली वामपंथी सरकारों ने लापरवाही से खर्च किया, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ा। मंगलवार के प्रदर्शन में हर उम्र और अलग-अलग राजनीतिक विचारधारा के लोग शामिल हुए। यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है, जब आर्थिक गतिविधियों में गिरावट, कम होती तनख्वाह और बढ़ती बेरोजगारी के कारण मिलेई की लोकप्रियता घट रही है। हाल के दिनों में भ्रष्टाचार के कई मामलों ने भी सरकार को घेरा है। खास तौर पर कैबिनेट प्रमुख मैनुअल अडोर्नी के कथित खर्चों की जांच चर्चा में है। आरोप है कि उनका खर्च उनकी सरकारी तनख्वाह और घोषित संपत्ति से मेल नहीं खाता। एक छात्र के पोस्टर पर लिखा था, अडोर्नी पर हमारा कितना पैसा खर्च हो रहा है? विश्वविद्यालय मामलों के उप सचिव अलेजांद्रो अल्वारेज ने मंगलवार के प्रदर्शन को 'पूरी तरह राजनीतिक' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने विश्वविद्यालयों के बढ़े हुए खर्च के लिए अतिरिक्त पैसा दिया है। लेकिन शिक्षक संगठनों ने इसे अपर्याप्त बताया है। सरकार का कहना है कि जिस कानून को चुनौती दी गई है, उसमें यह स्पष्ट नहीं बताया गया अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होने की संभावना है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने देश की सर्वोच्च अदालत से 'जनता की आवाज सुनने' की अपील की। मुख्य शिक्षक संघ के अनुसार, 2023 के आखिर में मिलेई के सत्ता में आने के बाद महंगाई को देखते हुए विश्वविद्यालय शिक्षकों की वास्तविक आय में करीब 33 फीसदी की गिरावट आई है। ब्यूनस आयर्स विश्वविद्यालय के कुलपति रिकार्डो गेल्पी ने कहा कि खरीदने की क्षमता घटने के कारण इंजीनियरिंग और विज्ञान विभाग के कम से कम 580 शोध प्रोफेसरों ने सरकारी संस्थान छोड़ दिए हैं।

अमेरिका में एफडीए प्रमुख डॉ मकरी का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक संस्था एफडीए के कमिश्नर डॉक्टर मार्टी मकरी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले काफी समय से प्रशासन के भीतर और बाहर से उन पर दबाव बनाया जा रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने मकरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक कठोर परिश्रमी डॉक्टर बताया। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि ट्रंप उन्हें बर्खास्त करने की योजना को पहले ही मंजूरी दे चुके थे। अब उनकी जगह काइल डायमांटास कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे।

फ्लेवर्ड ई-सिगरेट पर छिड़ा था 'शीत युद्ध' : डॉक्टर मकरी के इस्तीफे के पीछे सबसे बड़ी वजह ई-सिगरेट नीति को माना जा रहा है। पिछले सप्ताह एफडीए ने पहली बार फ्रूट-फ्लेवर्ड ई-सिगरेट को बाजार में उतारने की मंजूरी दी थी। मकरी इस फैसले के सख्त खिलाफ थे। उनका मानना था कि फलों के स्वाद वाले वेप्स बच्चों और युवाओं को नशे की लत में धकेल देंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इसी वैचारिक मतभेद के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। प्रशासन के अन्य अधिकारी इस मंजूरी के पक्ष में थे, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी।

आंतरिक कलह के बाद शीर्ष अधिकारियों का पलायन : मकरी का एक साल का कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। उनके नेतृत्व में एफडीए के भीतर भारी अस्थिरता देखी गई। एजेंसी के लगभग सभी वरिष्ठ करियर अधिकारियों ने या तो इस्तीफा दिया या उन्हें हटा दिया गया। हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर के हस्तक्षेप और राजनीतिक हितों के कारण वैज्ञानिक सिद्धांतों से समझौते के आरोप लगे। ड्रग सेंटर में एक साल के भीतर छह अलग-अलग निदेशक बदले गए। इससे कर्मचारियों का मनोबल गिर गया और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे।

फार्मा दिग्गज और एक्टिविस्ट भी थे नाराज : डॉक्टर मकरी को चौतरफा विरोध का सामना करना पड़ा। फार्मा कंपनियों के सीईओ उनकी नीतियों से असंतुष्ट थे। उनका आरोप था कि मकरी की कार्यशैली से दवाओं की मंजूरी में अनिश्चितता पैदा हुई है। दूसरी ओर, गर्भपात विरोधी समूह भी उन पर हमलावर थे। इन समूहों का आरोप था कि मकरी गर्भपात की दवा मिफेप्रिस्टोन की समीक्षा में जानबूझकर देरी कर रहे हैं। वहीं, वेपिंग लॉबिस्टों ने ट्रंप से शिकायत की थी कि मकरी उनके उत्पादों के रास्ते में रोड़ा अटका रहे हैं।

अधर में लटकीं मकरी की नई योजनाएं : मकरी ने दवा समीक्षा प्रक्रिया को तेज करने के लिए कई पहल की थीं। उन्होंने इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल पर जोर दिया था। लेकिन उनके इस्तीफे के बाद इन योजनाओं का भविष्य धुंधला गया है। इनमें से अधिकांश कार्यक्रमों को अभी तक कानूनी रूप से लागू नहीं किया गया था। ऐसे में नए प्रमुख इन फैसलों को आसानी से पलट सकते हैं। विपक्षी दल भी इन योजनाओं की वैधता पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं।

ईरान पर नई मुसीबत, अमेरिका से तनाव के बीच भूकंप से दहली राजधानी तेहरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के साथ युद्ध के बीच ईरान पर नई मुसीबत आ गई है। खबर है कि मंगलवार को राजधानी तेहरान में भूकंप आया है। इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई है। हालांकि, इस दौरान किसी जान और माल के नुकसान की खबर नहीं है। फिलहाल, मुल्क के कई शहरों में राहत टीमों को अलर्ट कर दिया गया है। इससे पहले 3 मार्च को भी ईरान के गेराश क्षेत्र में भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.3 रही थी। आईआरआईबी यानी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, भूकंप के एक घंटे के बाद तक भी नुकसान की कोई खबर नहीं थी। साथ ही कहा गया है कि इस दौरान किसी तरह का आर्थिक नुकसान भी नहीं हुआ है। एजेंसी ने लिखा, 'तेहरान, माजनदरान, कोम और अलबोर्ज में रेड क्रीसेंट फोर्सेज को अलर्ट पर रखा गया है।' शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया है कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे तेहरान-माजनदरान प्रांत सीमा के पास था। यह राजधानी तेहरान से 41 किमी और करज से 77 किमी दूरी पर है। भूकंप के झटके तेहरान प्रांत के पूर्वी हिस्सों और माजनदरान प्रांत के शहरों में महसूस किए गए हैं। 3 मार्च को आए भूकंप का केंद्र भूमि की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी कम गहराई वाले भूकंप प्राकृतिक टेक्टोनिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं और इस भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ऐसे झटके असामान्य नहीं माने जाते। 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद अब तक स्थायी समझौता नहीं हो सका है। हाल ही में दोनों मुल्कों के बीच शांति प्रस्ताव एक बार फिर खारिज हो गया है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान डील नहीं करता है, तो वह उस मुल्क को खत्म कर देंगे। साथ ही कहा है कि स्थिति अमेरिका के नियंत्रण में है और ईरान को खत्म करने के लिए उन्हें चीन की जरूरत नहीं है। एजेंसी वार्ता ने सीएनएन के हवाले से लिखा है कि ट्रंप पश्चिमी एशिया में फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इससे पहले, ट्रंप के साथ बातचीत के बाद फॉक्स न्यूज ने कहा था कि वाइट हाउस होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की आवाजाही बहाल करने के लिए 'ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है। ट्रंप को संघर्ष को सुलझाने के लिए हो रही बातचीत में ईरान के रुख से लगातार निराशा हाथ लगी है और अब वह बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि होर्मुज के बंद रहने से अमेरिकी राष्ट्रपति का धैर्य जवाब दे रहा है।

ट्रंप के रक्षा बजट पर बवाल: ईरान युद्ध पर अमेरिकी संसद में घमासान, हेगसेथ बोले- अब भी हमारे हाथ में सारे पत्ते

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान का जोरदार बचाव किया। उन्होंने कहा कि तमाम तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी संकट के बावजूद अमेरिका अब भी सभी पत्ते अपने हाथ में रखता है। सीनेट विनियोग उपसमिति के समक्ष रक्षा मामलों की सुनवाई के दौरान हेगसेथ ने डेमोक्रेट सांसदों के साथ तीखी बहस की। इस बैठक में जॉइंट चीफ्स चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे। सुनवाई का मुख्य मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित 1.5 ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट, ईरान युद्ध की बढ़ती लागत, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से बढ़ती तेल कीमतें और चीन-यूक्रेन को लेकर अमेरिकी रणनीति रही। हेगसेथ ने कहा कि ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने दावा किया कि 47 वर्षों से ईरान अमेरिका पर हमला करता रहा है और परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर झूठ बोलता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने आखिरकार कार्रवाई करने का साहस दिखाया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की पूरी पारंपरिक नौसेना अब फारस की खाड़ी के तल में पड़ी है और मौजूदा स्थिति में अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबदबा है। हालांकि डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि यह युद्ध बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य और अंत की योजना के लड़ा जा रहा है, जिसकी कीमत अमेरिकी जनता चुका रही है। वहीं सीनेटर पैटी मरे ने बढ़ती ईंधन और खाद्य कीमतों के बीच भारी रक्षा खर्च पर सवाल उठाए। पेंटागन के मुताबिक ईरान

संघर्ष पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं, हालांकि अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का पूरा आकलन अभी बाकी है। सुनवाई के दौरान सबसे बड़ा सवाल होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर उठा। वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम इस समुद्री मार्ग में व्यवधान के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका के पास 'सैन्य विकल्प मौजूद हैं ', लेकिन वाशिंगटन अब भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है ताकि ईरान 'अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में समुद्री डकैती' बंद करे। जॉइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन ने भी माना कि ईरान अपनी सैन्य गतिविधियों के जरिए दुनिया की अर्थव्यवस्था को बंधक बनाए हुए है, लेकिन उन्होंने सैन्य योजनाओं पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। सुनवाई में मिच मैककोनेल ने नाटो सहयोगियों और यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समय में जब अमेरिका के विरोधी देश एकजुट हो रहे हैं, सहयोगियों से दूरी बनाना खतरनाक हो सकता है। वहीं चीन को लेकर भी अमेरिका की रणनीति पर चर्चा हुई। ट्रंप की संभावित बीजिंग यात्रा से पहले मैककॉनेल ने पूछा कि क्या ताइवान और दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी प्रतिबद्धताएं कायम रहेंगी। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने सहयोगियों जापान, ताइवान और फिलीपींस के साथ साझेदारी और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

फलों से करें अपनी पाचनक्रिया दुरुस्त!

फलों में प्राकृतिक मिठास के साथ-साथ ऐसे-ऐसे मिनरल होते हैं जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं साथ ही ये ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। यदि शरीर में विटामिनों और पाचनक्रिया में कोई कमी आ जाए तो आपको अपने रोजाना के आहार में फलों को शामिल करना चाहिए जिनमें कि सभी पोषक तत्व और प्रोटीन हों। एक्सपर्ट्स के अनुसार सभी को रोजाना दो से तीन तरह के फल खाने चाहिए ताकि आवश्यक ऊर्जा मिल सके। फल आपके शरीर को शुद्ध भी करते हैं।केला और पपीता जैसे फल सुबह खाली पेट खाने चाहिए। इन दोनों में फाइबर और सोडियम की प्रचुर मात्रा होती है जो कि आपको दिनभर एक्टिव बनाए रखते हैं। साथ ही कुछ ऐसे फल हैं जो कि खाना खाने के बाद खाने चाहिए। ऐसे फल पाचन को सही बनाए रखते हैं, नाशपती और अनानास ऐसे ही फल हैं जिनमें एंजाइम्स और फाइबर की अधिकता होती है जिससे गैस्ट्रोइंटेस्टीनल सिस्टम सही तरह काम करता है। यह पचने में मुश्किल होने वाले खाद्य पदार्थों को भी विभाजित कर उनसे प्रोटीन निकालने में मददगार है। अच्छी पाचन क्रिया के लिए ऐसे ही कुछ फल हैं जो आपको खाने के बाद खाने चाहिए।

बेहतर पाचन क्रिया के लिए ये फल खाएं

1. नाशपती : ये पेट के लिए अच्छा फल है जिसे आप सप्ताह में एक बार खा सकते हैं। हाल ही में हुए अध्ययन के अनुसार नाशपती में फाइबर होता है जिससे दस्त साफ लगता है। नाशपती सोडियम फ्री, कोलेस्ट्रॉल फ्री, और फैट फ्री होता है और इसमें 190 मिलीग्राम पोटेशियम होता है जो कि पाचन को मजबूत करता है।

2. सेब: इसमें भी फाइबर की अधिकता होती है यदि आपको पाचन से संबंधित समस्या है तो यह आपके लिए एक अच्छा फल है। खाने को सही तरह पचाने के लिए खाना खाने के 15 मिनट बाद एक सेब खा सकते हैं।

3. रसभरी : यदि आपको मधुमेह और पाचन की समस्या भी है तो रसभरी आपके लिए एक अच्छा विकल्प है। इनमें फाइबर अधिक मात्रा में है और शुगर कम होता है। इनमें कैलोरीज भी कम होती हैं, यह पाचन क्रिया के लिए एक अच्छा फल है।

4. पपीता : यदि आप 24 घंटे के अंदर ही अपने पाचन को सुधारना चाहते हैं तो कच्चा पपीता आपके लिए अच्छा है। यदि आंत की कमजोरी के कारण आप में विटामिन्स का संचय नहीं होता है तो आप इससे विटामिन ''सी' प्राप्त कर सकते हैं। इसमें पपाइन होता है जो कि प्रोटीन को विभाजित करता है और खाने को पाचन योग्य बनाता है।

5. केला : यह आपके आंतों के कार्य को सही बनाए रखता है, आप इसे खाना खाने के बाद या पहले कभी भी खा सकते हैं। दोनों ही तरीकों से यह आपके पेट के लिए फायदेमंद है।

6. अनानास : पाइन एप्पल जीभ पर अजीब स्वाद छोड़ने के कारण कई लोग अनानास का सेवन नहीं करते हैं। लेकिन यह पाचन के लिए अच्छा फल है, इसमें ब्रोमेलिन इंजाइम होता है जो कि खाने को पचाने में मददगार है।

7. अंजीर : एक कप सूखे अंजीर में 15 ग्राम फाइबर होता है जो कि खाने को विभाजित कर उसे पचाने के लिए पर्याप्त है। खाने के बाद एक कप अंजीर का सेवन पाचन क्रिया के लिए सही है।

8. एवोकैडो : इस फल में पोषक तत्वों, विटामिन्स और एनर्जी की भरपूर मात्रा होती है। भारी खाने को पचाने के लिए खाने के बाद आधे एवोकैडो का सेवन फायदेमंद होता है।

दिमागी सेहत पर गंभीर असर डाल रही हैं सोशल साइट्स

टोरंटो। जो किशोर फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर प्रतिदिन दो घंटे से ज्यादा समय बिताते हैं, उनके लिए यह नया अध्ययन कुछ जानकारियों का खुलासा करता है। इसके हिसाब से सोशल नेटवर्किंग साइट्स के ज्यादा लंबे समय तक प्रयोग से किशोरों में आत्महत्या की भावना बढ़ाने वाले विचारों, मनोवैज्ञानिक परेशानियों और मानसिक विकारों के बढ़ने का खतरा रहता है और यह उनके मानसिक स्वास्थ्य को भी खराब करता है।शोधार्थियों का कहना है कि जो किशोर लंबे समय तक सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग करते हैं, उन्हें मानसिक स्वास्थ्य सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन अभिभावकों को तो महत्वपूर्ण संदेश देता ही है, साथ ही मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवा प्रदाताओं के लिए अवसर भी है कि वे इन साइटों पर अपनी पहुंच बढ़ाएं। कनाडा में ओटावा पब्लिक हेल्थ के ह्यूग्यूस सांपसा-कयिंगा और रोजमंड लुईस ने सातवीं से 12वीं कक्षा तक के छात्रों के ओंटेरियो छात्र दवा उपभोग एवं स्वास्थ्य सव्रेक्षण आंकड़ों का विश्लेषण किया। इनमें से लगभग 25 प्रतिशत छात्रों को दो घंटे से ज्यादा सोशल नेटवर्किंग साइट्स प्रयोग करने का आदी पाया गया। शोधार्थियों ने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर बिताए वक्त की तुलना किशोरों के मनौवैज्ञानिक परीक्षणों और आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य सहायता जरूरतों से की। कैलिफोर्निया के सैन डिएगो के इंटरेक्टिव मीडिया इंस्टीट्यूट की ब्रेंडा के. वीडरहोल्ड ने कहा ''यह वह है जहां हम सोशल नेटवर्किंग साइट्स को पाते हैं, जो किसी के लिए परेशानी का सबब हैं और किसी के लिए समाधान।' उन्होंने कहा कि जैसा कि किशोर इन साइटों का प्रयोग करते हैं तो यह जन स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए अवसर की तरह है कि वे इस विस्तृत जनसंख्या तक पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं और सहायता का यहां पर प्रचार करें। यह अध्ययन साइबर साइकलोजी, बिहेवियर एंड सोशल नेटवर्किंग जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

झूठको बढ़ावा दे रहा मोबाइल

आम आदमी की जरूरत बन चुका मोबाइल फोन झूठ बोलने की संस्कृति को हवा दे रहा है। व्यस्त जीवनशैली के बीच काम के बोझ तले पेशेवर लोग जाने-अनजाने झूठ बोलने की आदत का शिकार हो रहे हैं और यह उन्हें सिखा रहा है मोबाइल फोन। इससे मनोचिकित्सक भी इत्तेफाक रखते हैं कि मोबाइल क्रांति ने आम आदमी की जीवनशैली को पूरी तरह बदल दिया है।

मोबाइल फोन के लाभ अनेक हैं मगर हानियां भी कम नहीं हैं। समय की पाबंदी के बीच एक समय कई ग्राहकों को एक साथ निपटाने की जद्दोजहद में पेशेवर लोग कई बार ग्राहक को संतुष्ट करने के लिहाज से अपनी स्थिति और काम के बारे में झूठी जानकारी देते हैं और धीरे-धीरे उनकी यह आदत कब उनकी कार्यपग्राली में समा जाती है, इसका उन्हें भी पता नहीं चलता है। किंग जार्ज चिकित्सा विविद्यालय (केजीएमयू) में मनोरोग विभाग के प्रभारी डा पीके दलाल ने शनिवार को यहां कहा ''बचपन से हमें नसीहत दी जाती रही है कि झूठ बोलना गंदी बात है मगर यह गंदी आदत दशकों पुरानी है और बात-बात में झूठ बोलने वाले लोगों की पहले भी कोई कमी नहीं थी। हालांकि इस बात से कतई इनकार नहीं किया जा सकता कि मोबाइल फोन के बढ़ते प्रचलन ने झूठ बोलने की आदत को बढ़ावा दिया है।'

डा. दलाल ने कहा कि काम के बोझ तले झूठ बोलने वाले लोग इस बात से अनजान रहते हैं कि उनकी बातों को उनका बच्चा भी सुन रहा है। बच्चे जिज्ञासु होते हैं और वे घर और आसपास के बुजुगरे से ही संस्कार लेते हैं। ऐसे में वे बड़ों की देखा-देखी झूठ बोलने की आदत भी सीख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बात-बात पर झूठ बोलने की आदत के शिकार लोग 'पैथॉलॉजिकल लाइंग डिसआर्डर' का शिकार हो सकते हैं। इसे 'एंटी सोशल पर्सनॉलिटी' की एक शाखा के रूप में जाना जाता है।

मनोचिकित्सक ने कहा कि अमेरिका से प्रकाशित पत्रिका 'कम्प्रेहेंसिव टेक्सट बुक ऑफ साइकोथेरैपी' के अनुसार भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देशों में आमतौर पर 30 प्रतिशत लोग झूठ बोलने में तनिक भी नहीं हिचकिचाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में झूठ बोलने की आदत से निजात पाने का उपाय है, लेकिन यह 25 वर्ष से कम उम्र के लोगों पर ही अधिक प्रभावी रहता है जबकि इससे अधिक उम्र के लोगों की मानसिक क्षमता के स्थायित्व के कारण यह इलाज अधिकतर निष्प्रभावी ही साबित होता है। ऐसे लोग यदि स्वयं चाहें तो ही उन्हें इस रोग से मुक्ति मिल सकती है।

इस बारे में कानपुर के जानेमाने मनोचिकित्सक कलीम अहमद ने कहा 'पैथॉलॉजिकल लाइंग डिसआर्डर' का एक पहलू यह भी है कि बच्चों में पनपती ऐसी आदतों में यदि अभिभावक जल्द ध्यान नहीं देते हैं तो यह किशोरावस्था से ही अपराध के दलदल में फंस सकते हैं। अमेरिका समेत कई विकसित देशों में ऐसे मरीजों के लिए 'करेक्शन होम' होते हैं, जहां ''बिहेवियर थेरैपी' के जरिए उन्हें इस समस्या से छुटकारा दिलाया जाता है जबकि अपने देश में इस नाम को 'बाल सुधारगृह' के नाम से जाना जाता है। झूठ बोलने से ग्रसित बच्चों के अभिभावक से कहा जाता है कि वे बच्चे के सच बोलने पर उसे प्रोत्साहन के तौर पर उपहार दें जबकि झूठ बोलने पर दंड की हिदायत दें। बच्चों से यह भी कहें कि यदि उसने झूठ बोला तो उसकी कोई भी मांग नहीं मानी जाएगी। अभिभावक को यह भी चाहिए कि वे बच्चों के सामने आपस में कभी न झगड़ें और न ही झूठ का सहारा लें। घर में अनुशासन का माहौल बनाएं। झूठ बोलने पर बच्चों को मारने-पीटने की जगह कुछ समय के लिए उससे बात करना बंद कर दें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

हंसी के फव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई,तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.'दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली,तो पत्नी को जगाते हुए बोली,'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली,'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई ?'दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

काकुरो पहेली - 4054

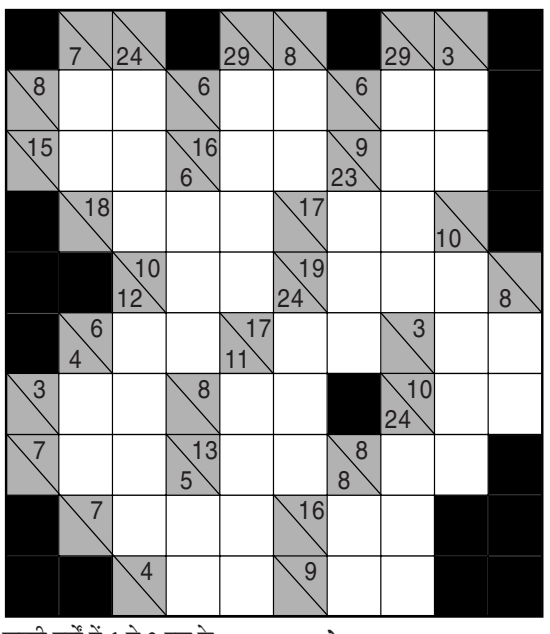

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

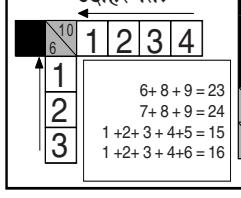

6+ 8 + 9 = 23
7+ 8 + 9 = 24
1 +2+ 3 + 4+5 = 15
1 +2+ 3 + 4+6 = 16

काकुरो - 4053 का हल

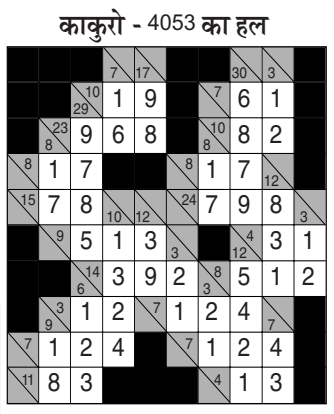

फिल्म वर्ग पहेली- 4054

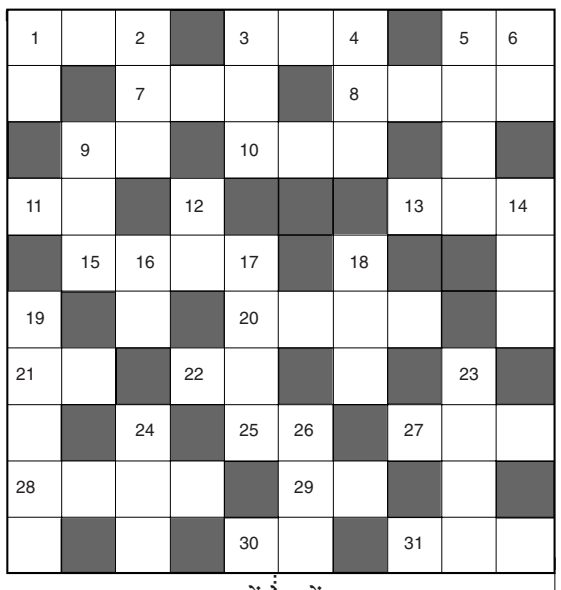

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4053

ए	ल	ओ	सी		जा	नी	दु	श्म	न
क		म		दि	ल		श्म		गी
रि	श्ते		फू	ल		अ	न	जा	ना
श्ता		शू		वा	स्त	व		नू	
	दि	ल	ज	ले		ता	रा		प्रि
	ल्ल		ख्म		आ	र	जू		य
सं	गी	त		खु	शी		चा	ह	त
ग		ला	वा		वीं		चा		मा
म	हे	श		आ	द	मी		बू	
	मा		रं	ग		ना	ग	म	णि

सूडोकु 4054

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1	9	8	6
6					4	5	7	1
		8	9	6		4	3	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु4053 ा हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 4054

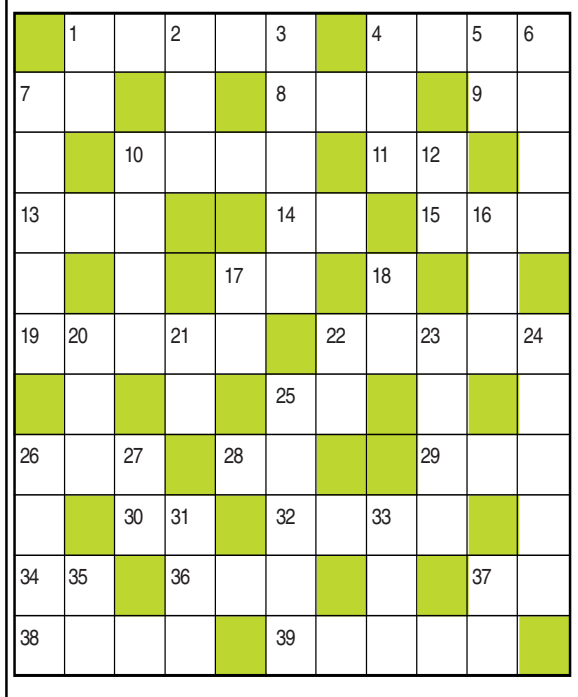

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपडे की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली 4053 का हल

	व	र	दा	न		म	क	स	द	
म			न		अ		ल			नि
न		व्य	व	हा	र	कु	श	ल		य
मा	न	व			दा			कि	म	त
नी		था		आ	स	न		र	न	
	र		हा	रा		ह	त्या		का	
	क	वि		म	क	र		क		रा
ह	म	ला			ल			म	वे	शी
वे		प	र	व	र	दि	गा	र		फ
ली			स		व		य			ल
	र	ह	म	त		घ	ब	रा	ना	

हिमंत बिस्व सरमा 2.0 सरकार : 26 मई को सदन में पेश होगा यूसीसी बिल

एजेंसी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए गये। बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने आज से अधिकारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया है तथा मंत्रियों के विभागों की घोषणा शीघ्र की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने 26 मई को सदन में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है। हालांकि, जनजातीय समुदायों तथा सभी प्रकार की धार्मिक परंपराओं और रीति-रिवाजों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा। प्रस्तावित यूसीसी में मुख्य रूप से विवाह की न्यूनतम आयु, संपत्ति अधिकार, लिव-इन रिलेशनशिप तथा बहुविवाह जैसे विषय शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि असम विधानसभा का सत्र 21, 22, 25 और 26 मई को आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प पत्र ही नई सरकार के संचालन का आधार बनेगा। सरकार ने दो लाख सरकारी नौकरियों के लक्ष्य को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव सभी विभागों के साथ चर्चा कर अगले पांच वर्षों में युवाओं को सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने की रूपरेखा पर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

चोरी कर बाहर ले जाई गईं 653 मूर्तियां व वस्तुएं प्रधानमंत्री मोदी के अभियान से वापस आईं : गजेन्द्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत की प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व की मूर्तियां केवल कला की वस्तुएं नहीं हैं बल्कि हमारी हजारों वर्षों की सभ्यता की निरंतरता का जीवंत प्रतीक हैं। गजेंद्र शेखावत ने संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश की बहुमूल्य और खोई हुई सांस्कृतिक विरासत की सफल वापसी के उपलक्ष्य में दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह बात कही। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा यह भारत की विरासत को पुनः प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत की वापसी को लेकर महत्वपूर्ण उपलब्धियां साझा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'विरासत संरक्षण' अभियान के तहत अब तक कुल 666 प्राचीन कलाकृतियाँ भारत वापस लाई जा चुकी हैं। विशेष बात यह है कि इनमें से 653 वस्तुएं अकेले वर्ष 2014 के बाद स्वदेश लौटी हैं। जबकि 1972 से 2014 के बीच केवल 13 पुरावस्तुएं भारत लाई जा सकी थीं।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने शिवराज सिंह के साथ की बैठक

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यहां कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। मान ने चौहान के साथ पंजाब के किसानों, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और कृषि के स्थायी भविष्य को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। चौहान ने स्पष्ट किया कि सरकार पंजाब के साथ मिलकर ऐसी ठोस रणनीति पर काम करेगी, जिससे किसानों को लाभ हो, खेती टिकाऊ बने, पानी और मिट्टी बचे तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पंजाब की समृद्ध कृषि विरासत सुरक्षित रह सके। चौहान ने बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से कहा कि पंजाब केवल एक राज्य नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है। उन्होंने पंजाब की महान जनता को नमन करते हुए कहा कि देश पर आने वाले हर संकट को सबसे पहले अपने सीने पर झेलने वाला यदि कोई राज्य रहा है तो वह पंजाब है और इसी कारण पंजाब देश के गर्व और गौरव का प्रतीक है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यहां कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। मान ने चौहान के साथ पंजाब के किसानों, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और कृषि के स्थायी भविष्य को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। चौहान ने स्पष्ट किया कि सरकार पंजाब के साथ मिलकर ऐसी ठोस रणनीति पर काम करेगी, जिससे किसानों को लाभ हो, खेती टिकाऊ बने, पानी और मिट्टी बचे तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पंजाब की समृद्ध कृषि विरासत सुरक्षित रह सके।

पंजाब के मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ को बम से उड़ाने की धमकी मिली

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ को जान से मारने और बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह ई-मेल मिलने के बाद पंजाब और दिल्ली की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। पंजाब सरकार और प्रशासन को भेजे गए ई-मेल में लिखा गया है कि पंजाब मुख्यमंत्री कार्यालय और भाजपा कार्यालयों में बम धमाके किए जाएंगे। ई-मेल में भगवंत मान और सुनील जाखड़ को 'सिखों का दुश्मन' बताया गया है। ई-मेल में दावा किया गया है कि पंजाब मुख्यमंत्री ऑफिस में दोपहर 1 बजकर 11 मिनट पर धमाका किया जाएगा और पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की तरह हमला करने की धमकी दी गई है। इसके अलावा पंजाब और दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालयों में रात 9 बजकर 11 मिनट पर बम धमाके करने की बात भी लिखी गई है। धमकी भरे ई-मेल में यह भी कहा गया है कि सुनील जाखड़ को 6 जून तक निशाना बनाया जाएगा। साथ ही ई-मेल में उनके पिता और पूर्व लोकसभा स्पीकर बलराम जाखड़ का भी जिक्र किया गया है।धमकी मिलने के बाद पुलिस, खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों ने मुख्यमंत्री कार्यालय समेत संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी है।

सूरत की कपड़ा फैक्टरी से 91 बाल मजदूर मुक्त, सात वर्ष तक के बच्चे भी शामिल

एजेंसी

सूरत। सूरत में बाल मजदूरी और मानव तस्करी के खिलाफ प्रशासन, पुलिस और सामाजिक संगठनों की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली। शहर की एक कपड़ा फैक्टरी में छापा मारकर 91 बाल मजदूरों को मुक्त कराया गया, जिनमें सबसे छोटा बच्चा मात्र 7 साल का है। बच्चों से बेहद कम पैसों में लंबे समय तक काम कराया जा रहा था। कार्रवाई की भनक लगते ही फैक्टरी संचालक और ट्रैफिकिंग से जुड़े आरोपित मौके से फरार हो गए। मुक्त कराए गए बच्चों में अधिकांश राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रों से लाए गए थे जबकि कुछ बच्चे उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार के बताए जा रहे हैं। सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया है। मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई गायत्री सेवा संस्थान (जीएसएस) की सूचना और निगरानी के आधार पर की गई। संस्था पिछले

करीब एक महीने से फैक्टरी पर नजर रखे हुए थी। बच्चों की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, राजस्थान पुलिस, सूरत पुलिस और सामाजिक संगठन एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) के साथ संयुक्त छापा मारा गया। गायत्री सेवा संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेंद्र पंड्या ने बताया कि बच्चों की निशानदेही पर टीम एक ऐसी इमारत तक पहुंची जो बाहर से बंद थी। अंदर जाने पर पता चला कि वहां छोटे-छोटे बच्चों से कपड़ा इकाई में मजदूरी कराई जा रही थी। कई बच्चे डरे हुए और बदहवास हालत में मिले। उनसे करीब 12 घंटे की शिफ्ट में काम लिया जा रहा था। उन्होंने बताया कि कुछ बच्चों की हालत बेहद दयनीय थी। एक 8 वर्षीय बच्चा बिना शर्ट के मिला, जो दूसरे बच्चों से कपड़ा मांग रहा था ताकि अधिकारियों के सामने आ सके। पुलिस और अन्य एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई के कारण इतने बड़े स्तर पर बच्चों को मुक्त कराया जा सका। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बाल तस्करी से जुड़े गिरोह बच्चों को सुबह-सुबह फैक्टरी में लाते थे और दिनभर इमारत को बाहर से बंद रखा जाता था। शाम को काम खत्म होने के बाद ही दरवाजे खोले जाते थे, ताकि किसी को अंदर बच्चों की मौजूदगी का पता न चले। बच्चों को आसपास की कॉलोनियों में बेहद खराब परिस्थितियों में रखा गया था। छोटे-छोटे कमरों में 10 से 12 बच्चे एक साथ रहते थे, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव था। पूछताछ में कुछ बच्चों ने बताया कि उनके माता-पिता को मजदूरी की जानकारी थी, जबकि कई छोटे बच्चों को घुमाने के बहाने यहां लाया गया था। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ बच्चे पिछले तीन-चार वर्षों से फैक्टरी में काम कर रहे थे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष ने साइकिल से कार्यालय पहुंचने का लिया संकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में ईंधन संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश वासियों को दिए गए संदेश को आगे बढ़ाते हुए, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने पेट्रोल एवं डीज़ल के सीमित करने का निर्णय लिया है। इस पहल के अंतर्गत उन्होंने गुरुवार से साइकिल से भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय अपने कार्यालय पहुंचने का संकल्प लिया है। इस कदम का उद्देश्य आम नागरिकों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति प्रेरित करना तथा पर्यावरण हितैषी जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। जमाल सिद्दीकी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ईंधन की बचत केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि यह देश की ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने देशवासियों से अपील की, कि वे भी दैनिक जीवन में संभव होने पर साइकिल, पैदल चलने या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और ऊर्जा संरक्षण में योगदान दें। मोर्चा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी फैसल मुमताज़ ने बताया राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी अपने सुरक्षाकर्मियों, सहायक, सहयोगी के साथ 3 गाड़ियों से ले चलते थे, अब सुरक्षाकर्मी, सहायक और सहयोगी सभी लोग साईकल से उनके साथ चलेंगे। जमाल सिद्दिकी की यह पहल ऊर्जा संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में सकारात्मक जागरूकता फैलाने का एक प्रयास है।

केन्द्र सरकार के किसान हितैषी निर्णयों से मध्य प्रदेश के किसान भी होंगे लाभान्वितः मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विपणन सत्र 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि के लिए आभार माना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में लगातार निर्णय लिए जा रहे हैं। इससे मध्य प्रदेश के किसान भी लाभान्वित होंगे।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि को स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस निर्णय से अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने किसानों के हित संवर्धन के लिए ठोस कदम उठाए हैं। मध्य प्रदेश के किसान इन सभी प्रावधानों का लाभ प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

प्रत्येक माह किसानों के कल्याण के लिए उन्नत यंत्रों की प्रदर्शनियां, किसान हितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ ही किसानों को नई कृषि तकनीक के प्रशिक्षण का लाभ दिलवाया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि किए जाने से मध्य प्रदेश और देश के किसान प्रत्यक्ष तौर पर लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश श्रीअन्न उत्पादन में आगे है। इस नाते प्रदेश के रागी, मक्का,ज्वार और बाजरा उत्पादक किसानों को इस फैसले से विशेष लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमंडलीय समिति ने सूरजमुखी बीज के एमएसपी में सबसे अधिक 622 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि के साथ कपास में 557 रुपये प्रति क्विंटल, नाइजर सीड में 515 रुपए प्रति क्विंटल और तिल में 500 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है। उत्पादन लागत पर किसानों को अनाजों में सर्वाधिक मूंग में सबसे अधिक 61 प्रतिशत लाभ रहने का अनुमान है। इसके बाद बाजरा और मक्का में 56 प्रतिशत और अरहर में 54 प्रतिशत लाभ का अनुमान है। जहां उड़द में यह प्रतिशत 51 है, वहीं रागी, हाइब्रिड ज्वार और धान में लागत पर 50 प्रतिशत लाभ किसानों को मिलेगा। तिलहन फसलों में मूंगफली, सूरज मुखी के बीज, तिली सोयाबीन, तिल, नायजर सीड और मध्यम रेशे के कपास में किसानों को लागत पर मार्जिन 50-50 प्रतिशत का अनुमान है।

न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों ने मप्र के साथ साझा की शहद प्रसंस्करण और विपणन की आधुनिक तकनीकें

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ की उत्पादन इकाई लघु वनोपज प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केंद्र बरखेड़ा पठानी भोपाल में आयोजित 'वनधन संवाद' कार्यशाला में न्यूजीलैंड से आए विशेषज्ञों ने शहद संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन की आधुनिक तकनीकों पर विस्तृत जानकारी साझा की।कार्यशाला का उद्देश्य वन समितियों और वनधन केंद्रों को शहद संग्रहण, ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग की उन्नत तकनीकों से जोड़ना तथा मध्य प्रदेश के शहद को वैश्विक बाजार में नई पहचान दिलाना है। कार्यशाला में न्यूजीलैंड के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ईशान जयवर्धने, बायरन पीटर टेलर एवं प्रियम अरोरा ने सहभागिता करते हुए वनधन विकास केंद्रों के प्रतिनिधियों को शहद उत्पादन की उत्कृष्ट पद्धतियों, गुणवत्ता नियंत्रण तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रसंस्करण तकनीकों से अवगत कराया। विशेषज्ञों ने प्रस्तुतिकरण

के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए और बताया कि वैज्ञानिक तरीकों एवं आधुनिक प्रबंधन से शहद उत्पादन को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जा सकता है।

कार्यशाला में मध्य प्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ की प्रबंध संचालक कमलिका मोहंता ने वनधन केंद्रों एवं वन समितियों को सशक्त बनाने पर बल देते हुए शहद के ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन और निर्यात को बढ़ावा देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के अनुभवों से प्रदेश के वनधन केंद्रों को नई दिशा मिलेगी। न्यूजीलैंड से आये प्रतिनिधिमंडल ने एमएफपी पार्क की प्रयोगशाला तथा शहद प्रसंस्करण इकाई का भ्रमण भी किया और वहां संचालित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कार्यशाला में ट्रायफेड, एपीडा तथा विश्व बैंक के प्रतिनिधियों सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वन विभाग के अधिकारियों एवं वनधन केंद्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कर्नाटक सरकार की शिक्षण संस्थानों में नई यूनिफॉर्म गाइडलाइन- हिजाब को अनुमति, भगवा शॉल पर रोक

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य के सरकारी स्कूलों, अनुदानित शिक्षण संस्थानों, निजी स्कूलों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में हिजाब पहनने की अनुमति देते हुए नई यूनिफॉर्म गाइडलाइन जारी की है जबकि भगवा शॉल पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने वर्ष 2022 में तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा जारी हिजाब प्रतिबंध आदेश को वापस लेते हुए यह नया निर्देश लागू किया है।

बेंगलुरु स्थित सर्वशिक्षा कार्यालय में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'बच्चों के मानसिक हित और शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो, इसी उद्देश्य से सरकार ने यह निर्णय लिया है। सभी धर्मों के पारंपरिक प्रतीकों को सीमित रूप से अनुमति दी गई है।' नई गाइडलाइन के अनुसार छात्र-छात्राएं निर्धारित यूनिफॉर्म के साथ पगड़ी/टर्बन,

जनेऊ या पवित्र धागा, शिवधार, रुद्राक्ष, सिर ढकने वाला वस्त्र अथवा हिजाब जैसे पारंपरिक प्रतीक धारण कर सकेंगे। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि ये प्रतीक यूनिफॉर्म के मूल उद्देश्य को प्रभावित नहीं करने चाहिए तथा अनुशासन, सुरक्षा और विद्यार्थियों की पहचान में बाधा नहीं बनना चाहिए।शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि 'भगवा शॉल को धार्मिक या पारंपरिक प्रतीक की श्रेणी में नहीं माना गया है, इसलिए स्कूलों और कॉलेजों में इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी।' सरकार के आदेश में कहा गया है कि यह अनुमति प्राप्त धार्मिक या पारंपरिक प्रतीकों को धारण करने के कारण किसी भी छात्र को कक्षा, परीक्षा कक्ष या अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता। साथ ही किसी भी विद्यार्थी को ऐसे प्रतीक पहनने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा और न ही सरकार द्वारा अनुमति प्राप्त प्रतीकों को हटाने के लिए मजबूर किया जाएगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2022 में भाजपा सरकार द्वारा जारी हिजाब प्रतिबंध आदेश को निरस्त कर नई गाइडलाइन लागू की गई है। आदेश में कहा गया है कि इसका क्रियान्वयन समानता, गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, वैज्ञानिक सोच, तार्किकता और शिक्षा के अधिकार जैसे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए। पत्रकार सम्मेलन में मंत्री दिनेश गुंडू राव तथा विधायक रिजवान अरशद भी उपस्थित थे।

तमिलनाडु सरकार ने ज्योतिषी रिकी रतन पंडित वेत्रिवेल की नियुक्ति रद्द की

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के राजनीतिक सलाहकार के रूप में राज्य सरकार द्वारा विशेष अधिकारी नियुक्त किए गए रिकी रतन पंडित वेत्रिवेल के भारी विरोध के बाद उनकी नियुक्ति रद्द कर दी गई है। मुख्यमंत्री विजय के निजी ज्योतिषी माने जाने वाले रिकी रतन पंडित वेत्रिवेल को हाल ही में तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) ने पार्टी प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किया था। इसके बाद विजय के मुख्यमंत्री पद संभालने के पश्चात तमिलनाडु सरकार ने उन्हें मुख्यमंत्री के राजनीतिक प्रभाग में विशेष अधिकारी के रूप में नियुक्त किया। इस नियुक्ति का टीवीके सरकार को समर्थन देने वाली कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और विदुथलाई चिरुथैगल काची सहित कई दलों ने कड़ा विरोध किया। आज विधानसभा में हुए विश्वास मत प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भी डीएमडीके, वीसीके, कम्युनिस्ट दलों, मानवतावादी जनता पार्टी और मानवतावादी लोकतांत्रिक पार्टी समेत कई दलों ने सरकारी पद पर ज्योतिषी की नियुक्ति का विरोध जताया। डीएमडीके विधायक प्रेमलता विजयकांत ने तीखी आपत्ति दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री विजय से सीधे सवाल करते हुए उनसे पूछा कि उनके ज्योतिषी को सरकारी पद क्यों दिया गया।

इसी बीच तमिलनाडु सरकार ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में रिकी रतन पंडित की नियुक्ति वापस ली जा रही है। उधर, रिकी रतन पंडित की नियुक्ति के खिलाफ तिरुवल्लूर जिले के कीलानूर की अधिवक्ता आर. रति ने मुख्यमंत्री विजय और तमिलनाडु सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव को कानूनी नोटिस भेजा है।

आंध्र प्रदेश में ईंधन बचत की पहल तेज, सीएम के बाद मंत्रियों ने भी घटाया अपना काफिला

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के बाद, राज्य के सूचना एवं मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश और अन्य मंत्रियों ने भी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर ईंधन संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद अपने काफिलों को कम करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायडू के पुत्र और मंत्री नारा लोकेश ने गुरुवार को अपने सुरक्षा कर्मचारियों को अपने काफिले में वाहनों की संख्या में 50 प्रतिशत की कमी करने का निर्देश दिया। इस फैसले का मतलब यह होगा कि उनके काफिले में केवल दो वाहन होंगे। पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता और अन्य अधिकारियों के साथ हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायडू ने उन्हें जिला दौरों के दौरान अपने काफिले में वाहनों की संख्या आधी करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य वीआईपी को आधिकारिक कार्यक्रमों और दौरों के दौरान वाहनों का उपयोग कम से कम करने का निर्देश भी दिया। मुख्यमंत्री के इस फैसले के बाद उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी इसी तरह की घोषणा की। उन्होंने अपने

सुरक्षाकर्मियों को अपने आधिकारिक काफिले में वाहनों की संख्या 50 प्रतिशत कम करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी फैसला किया है कि जिलों के दौरे के दौरान उनके काफिले में वाहनों की संख्या आधी कर दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों को सलाह दी कि वे ऊर्जा संसाधनों का समझदारी से उपयोग करें और वे स्वयं भी इनका पालन कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने राज्य में भी इसी भावना को कायम रखने का संकल्प लिया है। पवन कल्याण के अलावा, केंद्रीय संचार राज्यमंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने भी ऐसा ही किया है। उन्होंने भी अपनी आधिकारिक यात्राओं के दौरान प्रोटोकॉल अधिकारियों और वाहनों की संख्या कम करने का निर्णय लिया है। एक जनसभा में मुख्यमंत्री नायडू ने फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बड़े काफिलों में यात्रा करना आजकल सभी के लिए एक प्रमुख चलन बन गया है।

उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों को अपने काफिलों का आकार कम करके एक उदाहरण पेश करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को भी कम किया जाना चाहिए और यह विवेकपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण होनी चाहिए। मुख्यमंत्री की अपील का जवाब देते हुए कई राज्य मंत्रियों ने भी अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम कर दी है। एक उदाहरण पेश करते हुए, सिंचाई मंत्री निम्मला रामनैडु गुरुवार को बिना किसी सुरक्षा वाहन के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर आईं।

मंत्री अनीता, संध्या रानी, ??पी. केशव, कोल्लू रविंद्र, सविता और अन्य मंत्री भी कम वाहनों के साथ वहां पहुंचे।

इस बीच, प्रधानमंत्री द्वारा की गई अपील के अनुरूप और अधिक मितव्ययिता उपायों पर चर्चा और निर्णय लेने के लिए कैबिनेट की बैठक निर्धारित है। मंत्रिमंडल आंध्र प्रदेश राज्य की संसाधन संरक्षण और आत्मनिर्भरता संबंधी कार्य योजना पर चर्चा करेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रस्तावित इस कार्य योजना में ईंधन संरक्षण, सार्वजनिक परिवहन, ऊर्जा दक्षता, घरेलू पर्यटन, प्राकृतिक कृषि, स्वदेशी प्रोत्साहन, व्यवहार परिवर्तन पहल और संबंधित क्षेत्रीय हस्तक्षेपों से जुड़े उपाय शामिल हैं।

'वीबी-ग्राम जी' एक जुलाई से देशभर में लागू की जाएगी : केन्द्रीय राज्य मंत्री पासवान

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि 'वीबी-ग्राम जी' विकसित ग्राम से विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल है। यह व्यवस्था ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को मजबूत करेगी तथा गांवों को आत्मनिर्भर और विकासोन्मुख बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि 'वीबी-ग्राम जी' आगामी एक जुलाई से देशभर में लागू किया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री नवा रायपुर अटल नगर स्थित न्यू सर्किट हाउस में 'वीबी-ग्राम जी' के कार्यान्वयन के संबंध में आयोजित सेमिनार एवं समीक्षा बैठक को संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनपद पंचायतों तथा जिला पंचायतों के अध्यक्ष एवं सदस्य शामिल रहे। अपने संबोधन में पासवान ने कहा कि 'वीबी-ग्राम जी' ग्रामीण विकास योजनाओं के

बेहतर क्रियान्वयन और निगरानी के लिए एक सशक्त प्रणाली के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के संचालन में जिन नियमों में व्यावहारिक कठिनाइयां थीं अथवा जिनमें सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, उन्हें संशोधित कर 'वीबी-ग्राम जी' में समाहित किया गया है। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब कम होगा और ग्रामीण जनता को समयबद्ध तरीके से लाभ मिल सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, 'वीबी-ग्राम जी' के माध्यम से ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त बनाया जाएगा। गांवों में विकास कार्यों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग, कार्यों की पारदर्शी स्वीकृति, समय पर भुगतान, सामाजिक अंकेक्षण की मजबूती तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं के चयन को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण अधोसंरचना, रोजगार सृजन, जल संरक्षण, सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण तथा आजीविका संवर्धन के कार्यों में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण समुदाय की भागीदारी और अधिक प्रभावी होगी। इसके साथ ही महिलाओं, स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं को भी योजनाओं से अधिक अवसर और लाभ प्राप्त होंगे। पासवान ने कहा कि केंद्र सरकार गांवों को आत्मनिर्भर, सशक्त और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 'वीबी-ग्राम जी' गांवों में सुशासन, पारदर्शिता और विकास की नई कार्यसंस्कृति स्थापित करेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गांवों का विकसित होना अत्यंत आवश्यक है और 'वीबी-ग्राम जी' उसी दिशा में एक मजबूत आधार तैयार करेगा।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सली डंप से 65.52 लाख नकद, एलएमजी सहित 32 हथियार बरामद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के घुर नक्सल प्रभावित रहे इलाकों में लगातार चलाए जा रहे सर्च अभियानों के परिणाम स्वरूप पूर्व माओवादी ठिकानों-डंपों से बुधवार को सुरक्षाबलों की कार्रवाई में 65.52 लाख नगद बरामद किया गया। इसके साथ ही एलएमजी, एसएलआर, कारबाईन रायफल सहित 32 हथियार एवं नक्सल संबंधी सामग्री बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुसार जिला बीजापुर को नक्सलमुक्त घोषित करने के लक्ष्य के अनुरूप जिले में विशेष नक्सल उन्मूलन पर संयुक्त सुरक्षाबलों द्वारा निरंतर अभियान संचालित किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि जिला बीजापुर में तैनात सुरक्षाबलों को ग्रामीणों के सहयोग एवं मजबूत आसूचना तंत्र के आधार पर संचालित संयुक्त कार्रवाई में आज उल्लेखनीय एवं निर्णायक सफलता प्राप्त हुई है। अभियान के दौरान विभिन्न प्रकार के 32 घातक हथियार तथा बड़ी मात्रा में जिंदा राउंड (गोला-बारूद) बरामद किए गए। साथ ही संयुक्त कार्रवाई में कुल 65,52 लाख नगद राशि के साथ एलएमजी, एसएलआर, कार्बाइन, .303 रायफल एवं उनके कारतूस बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई बीजापुर पुलिस, डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा एवं सीआरपीएफ के संयुक्त प्रयासों से सफलता पूर्वक संपन्न की गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 से अबतक सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई में 234 माओवादी मारे गए, 1192 गिरफ्तार एवं 1003 पुनर्वासित हुए। साथ ही 517 हथियार, 1092 आईईडी तथा वर्ष 2024 से अब तक सुरक्षाबलों की कार्यवाही में अब तक कुल 517 हथियार बरामद किए जा चुके हैं। वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 461 हथियार बरमद की जा चुकी है। अब तक की कार्रवाई में 7.2852 करोड़ नकद एवं 08.20 किलोग्राम सोना (मूल्य 12.80 करोड़) सहित कुल 20 करोड़ 08 लाख 52 हजार की संपत्ति बरामद की गई है। यह उपलब्धियां सुरक्षा बलों की प्रभावी रणनीति, सतत अभियान एवं माओवाद उन्मूलन के प्रति दृढ़ संकल्प को दर्शाती हैं। उन्होंने आम जनता एवं ग्रामीणजनों से अपील है कि वे सुरक्षा बलों का सहयोग करते हुए किसी भी प्रकार की संदिग्ध सामग्री, विस्फोटक वस्तु अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस एवं केंद्रीय सुरक्षा बलों को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी सीएसके

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। सुपर जायंट्स की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका प्रयास इस मैच में जीत के साथ ही अपने सत्र का समापन करना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे अपने प्लेऑफ की उम्मीदें बनाये रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

सीएसके के अभी 11 मैचों में 12 अंक लेकर 5वें स्थान पर है और उसे प्लेऑफ के लिए अपने सभी बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से तीन सुपर जायंट्स ने जबकि इतने ही सीएसके ने जीते हैं।

कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके के पास संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज हैं। सैमसन ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और सीएसक को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम के पास गेंदबाजी में अंशुल कंबोज के अलावा नूर अहमद जैसे स्पिनर है। टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो सीएसके जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

वहीं ऋषभ पंत की कप्तानी में उतर रही सुपर जायंट्स का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल तीन मैच जीतकर 6 अंक हासिल कर पायी है। टीम में निरंतरता की कमी

नजर आयी है। उसकी बल्लेबाजी बेहद खराब रही है। गेंदबाजी में केवल युवा प्रिंस यादव ही प्रभावित कर पाये हैं। अन्य गेंदबाजों का प्रदर्शन खराब रहा है। यहां तक की अनुभवी मोहम्मद शमी भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, एडेन मार्करम, अक्षत रघुवंशी, हिम्मत सिंह, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, इम्पैक्ट प्लेयर- आवेश खान

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान) संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, मैट हेनरी/स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, इम्पैक्ट प्लेयर- प्रशांत वीर

सिंधू और लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत बाहर

बैंकाक (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन बृहस्पतिवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ पांच लाख डॉलर इनामी राशि के थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के दूसरे दौर में 28 मिनट के भीतर डेनमार्क की अमेली शूल्ज को 21-13, 21-15 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने चीन के झू शुआन चेन को 21-12, 21-13 से मात दी। सिंधू का सामना अब शीर्ष वरीयता प्राप्त तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा।

वहीं सेन दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुलावुत वितिदसर्न के बीच होने वाले मैच के विजेता से खेलेंगे। पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी अंतिम आठ में पहुंच गए। उन्होंने मलेशिया के ब्रायन जेरेमी और मुहम्मद हाइकल को 21-12, 21-19 से मात दी। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त जापान के ताकुमी नोमूरा और युइची शिमोगामी से होगा।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत चीनी ताइपै के दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सू ली यांग के खिलाफ कड़े मुकाबले में एक घंटा 10 मिनट में 16-21, 21-11, 18-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इस साल थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग को थाईलैंड की पिचामोन ओपात्निपुत ने 23-21, 21-11 से मात दी।

विराट ऑरेंज कैप की दौर में तीसरे नंबर पर भुवनेश्वर पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर पहुंचे

रायपुर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप दावेदारों में बदलाव आया है। केकेआर के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर आरसीबी के विराट कोहली एक बार फिर ऑरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में भी आरसीबी के ही भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर पहुंच गये हैं। विराट ने केकेआर के खिलाफ नाबाद 105 रनों की तेज पारी खेली। यह कोहली के आईपीएल करियर का नौवां शतक था, जिसने उन्हें ऑरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया। वहीं, गेंदबाजी सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 22 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जिससे पर्पल कैप की दौड़ भी तेज हो गई है।

विराट के अब इस सत्र की 12 पारियों में अब तक कुल 484 रन हो गये हैं। उन्होंने यह रन 165.75 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का दिखाते हैहै। इस पारी ने उन्हें सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरा स्थान दिलाया है, जिससे ऑरेंज कैप जीतने की उनकी उम्मीदें और बढ़ गई हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ अब बेहद रोमांचक हो गई है। विराट के आगे अब केवल दो बल्लेबाज सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, जिन्होंने 508 रन बनाए हैं, और गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन, जिनके खाते में 501 रन दर्ज हैं। वहीं चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रनों के साथ मौजूद हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 477 रनों के साथ पांचवें नंबर पर हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 467 रनों के साथ दावेदारों में बने हुए हैं, जिससे आगामी मैच और भी दिलचस्प हो गए हैं। वहीं गेंदबाजी में पर्पल कैप की दौड़ भी रोमांचक हो गयी है। भुवनेश्वर केकेआर के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद 22 विकेट लेकर नंबर एक पर पहुंच गये हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके 21 विकेट हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के युवा अंशुल कम्बोज 19 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान, केकेआर के कार्तिक त्यागी और सनराइजर्स हैदराबाद के इशान मलिंगा सभी 16-16 विकेटों के साथ चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से काबिज हैं।

आरसीबी से हार के साथ ही केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हुईं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अच्छा नहीं रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 11 वें मुकाबले में हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में पहुंची की बची हुई संभावनाएं भी समाप्त हो गयी हैं। केकेआर अभी टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर फिसल गयी है।

अभी के हालातों को देखते हुए केकेआर की कोई संभावना नहीं बची है। टीम ने अब तक खेले गए 11 मैचों में से चार जीते हैं और एक का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार उसके केवल 9 अंक हैं। वहीं लीग स्तर में अब उसे केवल तीन मैच खेलने हैं। वहीं प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कुल 16 अंकों की जरूरत होती है। केवल कुछ अवसरों पर ही 14 अंक में प्लेऑफ की संभावना बन सकती है पर ये तभी होगा जब शीर्ष चार टीमों में से कोई भी 16 अंक तक न पहुंचे। केकेआर अपने बचे हुए तीनों मैच जीत भी लेती है, तो उनके कुल अंक केवल 15 ही हो पाएंगे। यह

आंकड़ा प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कई अन्य टीमों के संभावित अंकों से काफी कम है।

केकेआर के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंक तालिका में उनसे ऊपर मौजूद टीमों का प्रदर्शन है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के पहले ही 16-16 अंक हो गये हैं। इनके अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद 12 मैचों में 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और उसे अभी दो मैच खेलने हैं। दोनों मैच जीतने पर वह 18 अंकों तक पहुंच सकती है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और उसके पास तीन मैच बचे हैं, जिससे वह 19 अंकों तक जा सकती है। इसी तरह, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स भी दौड़ में बनी हुई हैं। दोनों टीमों के पास 12-12 अंक हैं और उन्हें अभी तीन-तीन मैच खेलने हैं। ये दोनों टीमें भी अपने सभी बचे हुए मैच जीतकर 18 अंकों के आंकड़े तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली कैपिटल्स भी इस दौड़ में शामिल है पर उसे भी हर मैच जीतना होगा। इससे साफ है कि केकेआर, अपने अधिकतम 15 अंकों के साथ, इन प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच टिके नहीं रह सकती क्योंकि अन्य सभी 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर सकती हैं।

आईपीएल में पिछले छह सत्र से असफल रहे हैं शाहरुख

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कुछ ऐसे भी खिलाड़ी रहे जो हर सत्र में असफल होने के बाद भी करोड़ों की कमाई करने में सफल रहे हैं। ऐसे ही एक खिलाड़ी है। तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले शाहरुख खान। पिछली छह आईपीएल सत्र में शाहरुख ने अलग-अलग फ्रैंचाइजियों की ओर से खेला है पर एक बार भी वह सफल नहीं हुए हैं। इस प्रकार देखा जाये तो पिछले छह सालों में फ्रेंचाइजी टीमों ने इस खिलाड़ी पर 38 करोड़ रुपये से अधिक लुटा दिये हैं पर परिणाम शून्य रहा है। बल्ले और गेंद से उनका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया है। इस सत्र में भी वह गुजरात टाइटंस की ओर से 9 मैचो में 130.30 की स्ट्राइक रेट से केवल 43 रन बना पाये हैं। इस क्रिकेटर को घरेलू क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी के लिए एक बेहतरीन फिनिशर के तौर पर जाना जाता था। 100 से अधिक टी20 मुकाबलों में निचले क्रम में तेज रन बनाने की क्षमता ने उन्हें आईपीएल फ्रेंचाइजियों की नजरों में ला दिया। सबसे पहले साल 2021 में पंजाब किंग्स ने उन्हें 5.25 करोड़ रुपये में खरीदा पर उनका सत्र सामान्य रहा। पंजाब किंग्स ने उन्हें 2022 और 2023 सीजन के लिए 9-9 करोड़ रुपये में रिटेन किया। शुरुआती कुछ मैचों में उन्होंने अपनी पावर हिटिंग की झलक भी दिखाई, लेकिन निरंतरता का अभाव रहा। इसके बावजूद, आईपीएल 2024 के मिनी ऑक्शन में गुजरात टाइटन्स ने उन्हें 7.4 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। गुजरात ने उन पर लगातार भरोसा बनाए रखा और 2025 तथा 2026 सीजन के लिए 4-4 करोड़ रुपये में रिटेन किया, जिससे उन पर कुल खर्च की गई राशि 38 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गई।

हर कोई बात कर रहा है कि यह आईपीएल अगली पीढ़ी का है, कोहली ने आलोचकों को शतक से जवाब दिया : गावस्कर

रायपुर। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि इस चैम्पियन बल्लेबाज ने साबित कर दिया है कि पुरानी पीढी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है। पिछले दो मैचों में शून्य पर आउट हुए कोहली के 60 गेंदों में नाबाद 105 रन की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने IPL के मैच में KKR को 6 विकेट से हराकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' पर कहा, 'विराट कोहली ने KKR के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। लक्ष्य का पीछा करने में उसका कोई सानी नहीं है। हर कोई बात कर रहा है कि यह सत्र अगली पीढ़ी का है लेकिन कोहली ने दिखा दिया कि वह अभी भी है। उसने आलोचकों को शतक से जवाब दिया और आरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गया। उसने साबित कर दिया कि पुरानी पीढ़ी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है।' उन्होंने कहा, 'टी20 शतकों के मामले में वह 10 शतक के साथ क्रिस गेल और बाबर आजम के बाद तीसरे नंबर पर है। उसने टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे किए और IPL में नौ शतक लगा चुका है। रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं लेकिन कोहली अगर मैच दर मैच, सत्र दर सत्र ऐसे ही खेलता रहा तो किसी को भी वहां तक पहुंचने में लंबा समय लगेगा।' गावस्कर ने यह भी कहा कि चयनकर्ता द्वारा कोहली का कैच टपकाना मैच का निर्णायक पल रहा। उन्होंने कहा, 'RCB के खिलाफ मैच से पहले केकेआर कैच लपकने के मामले में बेहतरीन थी लेकिन यह कैच छोड़ना काफी महंगा पड़ा।'

फीफा विश्व कप के मेगा हाफटाइम शो में नजर आयेंगी मैडोना, बीटीएस और शकीरा

-उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी नोरा फतेही

लॉस एंजेलिस (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मेगा हाफटाइम शो में इस बार पॉप सिंगर मैडोना, पॉप स्टार शकीरा के अलावा दक्षिण कोरिया की बीटीएस भी कार्यक्रम पेश करेगी जबकि उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही कार्यक्रम पेश करेंगी। इस प्रकार ये विश्वकप दूनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस विश्वकप में अमेरिकी सुपर बाउल की तरह ही एक मेगा हाफटाइम शो का आयोजन भी किया जाएगा।

फीफा ने हाल ही में एक टीजर वीडियो जारी कर इस मेगा इवेंट की घोषणा की है। इस वीडियो में मशहूर संगीतकार क्रिस मार्टिन और

लोकप्रिय कार्टून कैरेक्टर एल्मो के साथ मपेट शो के कई किरदार भी दिखे। जिन्होंने मैडोना, बीटीएस और शकीरा जैसे ग्लोबल आइकॉन के नामों की घोषणा की। इसके बाद से ही सोशल मीडिया में प्रशंसकों में उत्साह है।

इस हाफटाइम शो से होने वाली संपूर्ण कमाई फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड को दान की जाएगी। इस नेक पहल का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के जरूरतमंद बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और फुटबॉल की बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है। इस फंड के माध्यम से लगभग 100 मिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि लाखों बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सके।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यू जर्सी में खेला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगा। बॉलीवुड अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही भी समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी। नोरा कनाडा के टोरंटो में स्थित बीएमओ फील्ड में 12 जून को होने वाले इस भव्य समारोह में गायन और नृत्य दोनों प्रस्तुत करेंगी। उनके साथ कनाडा के दिग्गज कलाकार माइकल बुबले, अलानिस मोरिसेट और एलेसिया कारा सहित कई बड़े कलाकार भी मंच पर नजर आयेंगे।

मेसी के अच्छे प्रदर्शन से इंटर मियामी ने सिनसिनाटी को 5-3 से हराया

सिनसिनाटी। कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल की सहायता से इंटर मियामी सीएफ ने एफसी सिनसिनाटी को 5-3 से हरा दिया। इस रोमांचक जीत के साथ ही इंटर मियामी ने एमएलएस रेगुलर सीजन के शुरुआती नौ मुकाबलों में सबसे अधिक क 22 अंक हासिल करने के एफसी सिनसिनाटी (2024) के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। मियामी ने 24वें मिनट में मेसी के गोल से बढ़त हासिल की। यह इस सीजन में उनका 10वां गोल था। इसके बाद मेजबान एफसी सिनसिनाटी ने हाफ टाइम से ठीक पहले, 44वें मिनट में पैनाल्टी कार्नर पर केविन डेन्की के गोल से स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत से ही सिनसिनाटी का प्रदर्शन अच्छा रहा। पावेल बुचा ने 49वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया पर मेसी ने 55वें मिनट में, डी पॉल के सटीक पास को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। यह इस सत्र में उनका 11वां गोल था, सिनसिनाटी ने 64वें मिनट में एवांडर के गोल से एक बार फिर 3-2 से बढ़त बना ली। इंटर मियामी ने इसके बाद जबरदस्त हमले करते हुए बचे हुए समय में गोल दागकर स्कोर 3-3 से बराबरी पर ला दिया। मियामी की ओर से 84वें मिनट में जर्मन बर्टेराम ने गोल कर स्कोर 4-3 पर पहुंचा दिया। वहीं अंतिम क्षणों में सिनसिनाटी के गोलकीपर रोमन कैलेटानो की गलती से एक आत्मघाती गोल हो गया जिससे मियामी ने 5-3 से मुकाबला जीता लिया।

नेशंस कप से पहले अभ्यास के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी वूमेंस नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों के लिए इसी माह ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी। वहीं टीम के कोच स्जोर्ड मारिजने के अनुसार अभ्यास मैचों से खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट से पहले हालातों के अनुसार ढ़लने में सहायता मिलेगी। वहीं हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में वहां की राष्ट्रीय टीम से चार मुकाबले खेलेगी। ये मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में 26, 27, 29 और 30 मई को आयोजित होंगे। इन मुकाबलों के जरिए भारतीय टीम अपनी कमजोरियों को दूर रते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देगी।

इसके अलावा टीम न्यूजीलैंड भी अभ्यास के लिए जाएगी। यहां भी टीम अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अर्जेंटीना दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। अर्जेंटीना दौरे से वापसी के बाद भारतीय महिला टीम ने बेंगलुरु स्थित साई शिविर में अभ्यास किया था। इस दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, पेनल्टी कॉर्नर और डिफेंस पर खास ध्यान दिया गया। वहीं ड्रैग-फ्लिकर्स को नीदरलैंड हॉकी के विशेषज्ञ टकेइ टकेमा 26 मई से 21 जून तक पर्थ और ऑकलैंड में प्रशिक्षण देंगे। कोच ने कहा, हमें खुशी है कि हॉकी इंडिया ने इस दौरे का आयोजन किया। इन मैचों से हमें अपनी कमजोरियां को दूर करने का अवसर मिलेगा। अर्जेंटीना दौरे में हमने टीम का स्तर देखा था और अब हम अपनी प्रगति को परख पाएंगे।

नीरज चोपड़ा का रोम डायमंड लीग में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अगले माह रोम में होने वाले डायमंड लीग भाला फेंक टूर्नामेंट में शायद ही खेल पायें। इसका कारण है कि नीरज अब तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबर पाये हैं। इसी कारण 4 जून को इटली में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए शुरुआती सूची में नीरज का नाम शामिल नहीं है। नीरज अगर नहीं उतरते हैं तो ये प्रशंसकों के लिए निराशाजन होगा। नीरज पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से ही फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे थे। इसी कारण अभी वह तुर्की में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। अभी उनका लक्ष्य पूरी तरह से फिटनपेस हासिल करना है। वहीं भारत के ही युवा खिलाड़ी सचिन यादव इस टूर्नामेंट से डायमंड लीग में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। सचिन ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में नीरज के नहीं खेलने पर वह भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था और एक टूर्नामेंट में चौथा स्थान हासिल किया था। रोम में दुनिया के कुछ शीर्ष एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा से भी सचिन को लाभ होगा। रोम डायमंड लीग में चेक गणराज्य के याकूब वाडलेज और जर्मनी के जूलियन वेबर शामिल जैसे दिग्गज भी शामिल रहेंगे। इसके अलावा पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने का प्रयास करेंगे। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराज इस सीजन की शुरुआत में 89.37 मीटर का प्रभावशाली थ्रो दर्ज करने के बाद में इस इवेंट में एक बड़े दावेदार के तौर पर उतरेंगे। ओलंपिक चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर, अमेरिकी एथलीट कर्टिस थॉम्पसन और पोलैंड के डेविड वेगनर भी यहां नजर आयेंगे।

वैभव सूर्यवंशी की भारतीय टीम में एंट्री, श्रीलंका ट्राई सीरीज में खेलते नजर आएंगे 15 वर्षीय बल्लेबाज

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की पुरुष चयन समिति ने गुरुवार को श्रीलंका में होने वाली आगामी एक दिवसीय ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया टीम की घोषणा की। सीरीज जून में खेली जाएगी। भारतीय स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा टीम की कप्तानी करेंगे जबकि 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी, जिनका IPL 2026 सीजन शानदार रहा है, को भी टीम में शामिल किया गया है।

IPL टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को भारत की आगामी ट्राई-सीरीज के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम में प्रतिभाशाली और होनहार घरेलू खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिनमें प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, विपराज

निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज और अरशद खान शामिल हैं।

यह चयन भविष्य के अंतर्राष्ट्रीय असाइनमेंट के लिए युवा प्रतिभाओं को तराशने पर इंडिया ए के निरंतर फोकस को दर्शाता है, जिसमें कई IPL और घरेलू खिलाड़ियों को ट्राई-सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है। इस ट्राई-सीरीज में मेजबान श्रीलंका ए, इंडिया ए और अफगानिस्तान ए टीमें हिस्सा लेंगी। सीमित ओवरों की ट्राई-सीरीज के बाद इंडिया ए, श्रीलंका ए के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच भी खेलेगी; इन रेड-बॉल मैचों के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। व्हाइट-बॉल सीरीज दांबुला में खेली जाएगी, जबकि मल्टी-डे मैच गाले में होंगे।

श्रीलंका में होने वाली ट्राई-सीरीज 9 जून से शुरू होगी जिसका पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा। दूसरा मैच 11 जून को होगा, जिसमें इंडिया ए का मुकाबला अफगानिस्तान ए से होगा। अफगानिस्तान ए का मुकाबला 13 जून को श्रीलंका ए से होगा। सीरीज का चौथा मैच 15 जून को निर्धारित है, जिसमें इंडिया ए एक बार फिर श्रीलंका ए का सामना करेगी, जिसके बाद 17 जून को इंडिया ए बनाम अफगानिस्तान ए मैच होगा। 19 जून को, टूर्नामेंट के छठे मैच में अफगानिस्तान ए का मुकाबला श्रीलंका ए से होगा। ग्रुप चरण का समापन रविवार, 21 जून 2026 को त्रिकोणीय श्रृंखला फाइनल के साथ होगा।

त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में धनुष ने किया राम चरण को रिप्लेस

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि संजय लीला भंसाली की अगली पौराणिक जंगल ड्रामा में साउथ स्टार राम चरण प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि, कोई और साउथ स्टार प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के आगामी जंगल पर आधारित भव्य फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ये संजय लीला भंसाली का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अब धनुष को इसके लिए फाइनल कर लिया गया है। इसका निर्माण संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जाएगा, जबकि तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन इसका निर्देशन करेंगे। मिथ्रन इरुम्बु थिरई, हीरो और सरदार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। खास बात यह है कि वो धनुष के साथ पहली बार काम करेंगे।

स्क्रिप्ट में किए गए बदलाव

रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पी.एस. मिथ्रन 'राउडी राठौर 2' पर काम कर रहे थे, लेकिन चूंकि यह प्रोजेक्ट फाइनल नहीं हो सका, इसलिए उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर विचार करना शुरू किया। तभी इस फिल्म की कहानी सामने आई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कहानी को अंतिम रूप देने में कई बार बदलाव और सुधार करने पड़े, जो कुछ महीने पहले ही हुआ था। इसी दौरान उन्होंने मुख्य अभिनेता की तलाश शुरू की। राम चरण से बातचीत चल रही थी, लेकिन बात नहीं बनी, इसलिए धनुष को चुना गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम, एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।' रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है।

अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है।' रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया।

रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली।

दादा के रोल में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' में नजर आएंगे। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका निभा रहे हैं। जैकी श्रॉफ की फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका में नजर आएंगे। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ जानकारी दी है कि 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म इस साल 29 मई को रिलीज होगी। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है। इसमें प्रतीक, स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दासानी, शरत सक्सेना, मिहिर गोडबोले और कई कलाकार भी हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, 'इस फिल्म के जरिए हम हर बच्चे के सपने को पूरा कर रहे हैं। अगर आपका दिल हमेशा जवान रहे और 90 साल की उम्र में भी हिम्मत बनी रहे, तो यही आपको सुपरहीरो बनाता है। बच्चों के सपनों को हमेशा सबसे पहले जगह देनी चाहिए।'

हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' की वजह से 'एक दिन' को कहा हां

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'एक दिन' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। इस फिल्म में वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं। अब साई पल्लवी ने खुद बताया कि क्यों उन्होंने 'एक दिन' के लिए हां कहा और स्क्रिप्ट में उन्हें क्या चीज पसंद आई। आमिर खान टॉकीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साई पल्लवी और जुनैद खान का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें दोनों कलाकार अपनी फिल्म 'एक दिन' के बारे में बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान जब जुनैद ने साई से 'एक दिन' को हां करने के फैसले के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि वह यह फिल्म नहीं करेंगी, क्योंकि वह कई भाषाओं में बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म का पैमाना मुझे प्रभावित नहीं करता। उस समय तक मैंने कई गंभीर फिल्में की थीं और मैं कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी। ऐसी फिल्म जिसमें मुझे शूटिंग के दौरान और बाद में भी ज्यादा तनाव न झेलना पड़े। इसलिए जब स्क्रिप्ट आई, तो मुझे लगा कि यह हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' जैसी होगी। क्योंकि मुझे 'बिफोर सनराइज' पसंद है और मुझे लगा कि यह भी वैसी ही होगी। फिल्म में अपनी कास्टिंग को गलत मानती हैं साई साई ने यह भी बताया कि आमिर खान का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना फिल्म को हां कहने का एक बड़ा कारण है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं आमिर खान के करियर को करीब से देखती आ रही हूं। इसमें अलग-अलग तरह की फिल्में और किरदार हैं। इस दौरान साई ने खुलासा किया कि शुरुआत में मुझा लगा था कि 'एक दिन' में मुझे नहीं होना चाहिए था। मेरी कास्टिंग सही नहीं है। प्रीमियर के बाद जब आमिर ने साई से कुछ कहने को कहा, तो साई ने उनसे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं इस भूमिका के लिए बनी थी और मुझे लगता है कि मेरी कास्टिंग गलत हुई है। मुझे लगता है कि यह भूमिका किसी नई एक्ट्रेस को मिलनी चाहिए थी, जिसमें थोड़ी सी चंचलता हो। हालांकि, जुनैद ने साई के इस विचार से असहमति जताते हुए कहा कि यह भूमिका उनके लिए ही बनी है।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है। ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं। इस फिल्म की एक और खास बात इसकी स्टार कास्ट है। दिशा पाटनी के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं। दिशा पाटनी ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनेशनल मूवी में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।' दिशा ने कहा, ''मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे ग्लोबली दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।''

बैंकॉक शिफ्ट होने पर अविका गौर ने दी प्रतिक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' से लोकप्रिय होने वाली अभिनेत्री अविका गौर शादी के बाद अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ बैंकॉक में शिफ्ट हो गई हैं। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने टेलीविजन या फिल्मों से ब्रेक नहीं लिया है। वो अपना काम करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि ये कदम मिलिंद के लिए बेहतर अवसरों को देखते हुए उठाया गया है, जबकि उनके खुद के काम के सिलसिले में मुंबई से बाहर लंबे शेड्यूल तय किए गए हैं।

हम हमेशा एक-दूसरे के करियर में साथ देते हैं

अविका गौर ने कहा कि हम बैंकॉक शिफ्ट हो गए हैं और वहां एक घर भी खरीद लिया है, जिसे मैं अपनी पसंद के हिसाब से सजा रही हूं। पिछले साल शादी से पहले सात साल तक रिलेशनशिप में रहने के दौरान कपल ने हमेशा एक-दूसरे के करियर में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मिलिंद ने लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान उनका साथ दिया, उसी तरह वह भी उन्हें विदेश में अवसर तलाशने से रोकना नहीं चाहती थीं। हम हमेशा से एक-दूसरे की तरक्की में सहयोग करने में भरोसा रखते आए हैं। अगर मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट मिलता है, जिसके लिए मुझे महीनों तक घर से दूर रहना पड़ता है, तो वह पूरी तरह से मेरा साथ देते हैं। इसी तरह मुझे नहीं लगता कि मुझे भी उनकी तरक्की में बाधा डालनी चाहिए।

मैं अपने काम की वजह से यहां हूं

अपने करियर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए अविका ने कहा कि जगह बदलने से उनकी प्रोफेशनल प्रियॉरिटीज में कोई बदलाव नहीं आया है। मुंबई में रहते हुए भी वह अक्सर शूटिंग के लिए हैदराबाद, राजमुंद्री और विशाखापत्तनम जैसे शहरों का सफर करती रहती थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे एहसास हुआ कि जरूरी नहीं कि मुंबई ही मेरा ठिकाना हो। मैं काम के सिलसिले में नियमित रूप से भारत आती-जाती रहती हूं। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरी प्रतिबद्धताएं रहेंगी क्योंकि इन्हीं की वजह से मैं आज इस मुकाम पर हूं।

दोस्तों ने किया समर्थन

अविका ने इस कदम के कारण प्रोजेक्ट छूटने की चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि काम आमतौर पर उनके शेड्यूल के अनुसार ही होता है और सहयोग आपसी प्रयासों पर निर्भर करता है। जब कोई मेरे साथ काम करना चाहता है, तो उसे यह प्रयास करना चाहिए। इंडस्ट्री के मेरे साथियों ने भी मेरे इस फैसले का समर्थन किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही मेरा ठिकाना अब विदेश में है, लेकिन मेरी जड़ें भारत में ही मजबूती से टिकी हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगी अविका

वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन में नजर आएंगी। जल्द ही इस रियलिटी शो की शूटिंग भी शुरू होने वाली है। इस शो को एक बार फिर निर्देशक रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे।

स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है

नींबू पानी

इसमें पानी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और शर्करा मौजूद होती है। नींबू विटामिन सी का बेहतर स्रोत है। इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। आज जानिए नींबू पानी के फायदे के बारे में।

नींबू बहुत ही गुणकारी है। कई रूपों में यह हमारे स्वास्थ्य के लिए फयदेमंद साबित होता है। नींबू विभिन्न विटामिन्स व मिनरल्स का खजाना माना जाता है। इसमें पानी, प्रोटीन, कारबोहाइड्रेट्स और शर्करा मौजूद होती है। नींबू विटामिन सी का बेहतर स्रोत है। इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। आज जानिए नींबू पानी के फायदे के बारे में। नींबू पानी हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है सिवाय उनके जिन्हें नींबू से एलर्जी होती है। यह खराब गले,कब्ज,किडनी स्टोन, और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया,वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

छोटे कदम रखना

चलते समय जिनके कदम छोटे होते हैं, उन्हें ऑस्टियोऑर्थराइटिस की आशंका हो सकती है। साथ ही अगर ऐसी महिलाएं हाई हील पहनने की आदी हैं तो उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। ऐसे में हेमस्ट्रिंग और कॉफ ठीक से स्ट्रेच नहीं हो पाती है। घुटने संबंधी दोषों से भी ऐसा होता है।

आपकी चाल

बताती है आपका स्वास्थ का हाल

आपकी चलने की चाल से आपके स्वास्थ का पता लगाया जा सकता है। एक नए अअध्यन में अमेरिकी शोधकर्ताओं ने हाल ही में चलने के तरीके और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाया है। भविष्य में अगर आपको किन्हीं स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा है तो इसका अंदाजा चलने के तरीके से आसानी से लगाया जा सकता है।

धीमी चाल

यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के शोधकर्ताओं के अनुसार चलने की गति भी सेहत का हाल बताती है। जो लोग एक घंटे में 3.6 किलोमीटर या उससे ज्यादा चल लेते हैं, उन्हें ऑर्थराइटिस का खतरा काफी कम होता है। वहीं, अगर किसी युवा व्यक्ति की चलने की औसत गति प्रतिघंटा इससे कम है और उसे जोड़ों में दर्द की शिकायत भी रहती है तो यह ऑर्थराइटिस का पूर्व संकेत हो सकता है। भले ही आप फिट हैं, लेकिन भविष्य में इसकी आशंका बढ़ सकती है।

मॉडल जैसी चाल

अगर आपकी आदत किसी मॉडल के समान चलने की है तो आपको पीठ दर्द की शिकायत हो सकती है। आमतौर पर चलते या दौड़ते समय कमर के नीचे की छोटी मसल ग्लूटिअस मीडिअस काम करती है, जो पेल्विस (पिंडली) को स्थिर और पैरों को सीधा रखने का काम करती है। आरामदायक जीवनशैली के चलते यह मसल कमजोर होने लगती है, जिससे पीठ पर अधिक स्ट्रेस पड़ता है।

सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी

सीढ़ियां चढ़ते-उतरते समय पैर के अंगूठे के जोड़ में दर्द होता है तो यह बुनियन का लक्षण है। इस समस्या में चढ़ते-उतरते समय जब अंगूठा मुड़ता है तो जोड़ आपस में घिसते हैं, तभी दर्द होता है।

पैदल चलने में कठिनाई होना

जब चलते समय शरीर एक ओर झुकने लगें तो यह ऑस्टियोऑर्थरिटीक हिप का संकेत हो सकता है। शरीर का वजन जब हिप्स नहीं संभाल पाते हैं, तब ऐसा होता है। हालांकि कई बार एक हाथ से अधिक वजन उठाने से भी ऐसा होता है। ऐसे में स्पाइन झुक जाती है और पीठ के निचले हिस्से पर अधिक स्ट्रेस पडने से दर्द भी हो सकता है।

बार-बार पानी पीने से भी

प्यास शांत नहीं होती?

गर्मी के मौसम में शरीर का जल का अंश कम हो जाता है, वातावरण की गर्मी व धूप से वह तपने लगता है। ऐसे में प्यास बढ़ जाती है, बार-बार पानी पीने से भी प्यास शांत नहीं होती, ऐसे में

निम्नलिखित प्रयोग करें

- पानी में शहद मिलाकर कुल्ला करने या लौंग को मुंह में रखकर चूसने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।
- अनन्नास का ऊपरी छिलका और भीतरी कठोर भाग निकाल कर उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर, इन टुकड़ों को पानी में पकाकर नरम बनाएं और फिर चीनी की चाशनी बनकर उसमें डाल दें। इस मुरब्बे जैसे ज्यूस का सेवन करने से प्यास बुझती है तथा शरीर की जलन शांत होती है, इससे हृदय को बल मिलता है।
- गाय के दूध से बना दही 125 ग्राम, शकर 60 ग्राम, घी 5 ग्राम, शहद 3 ग्राम व काली मिर्च-इलायची चूर्ण 5-5 ग्राम लें। दही को अच्छी तरह मलकर उसमें अन्य पदार्थों को मिलाएं और किसी स्टील या कलई वाले बर्तन में रख दें। उसमें से थोड़ा-थोड़ा दही सेवन करने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।
- जौ के भुने सत्तू को पानी में घोलकर, उसमें थोड़ा सा घी मिलाकर पतला-पतला पीने से भी प्यास शांत होती है।
- चावल के मांड में शहद मिलाकर पीने से भी तृष्णा रोग में आराम मिलता है।